कांग्रेस सांसद राहुल गांधी बोले... 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

पति पत्नी और वो 2 को लेकर... 11

वर्ष - 02, अंक - 46 | गाजियाबाद / बुधवार 20 मई 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

संक्षिप्त समाचार

आर्थिक तूफान आ रहा है, आम आदमी को लगेगा भारी शॉक

- रायबरेली में राहुल गांधी ने चेताया, पीएम मोदी पर हमला

रायबरेली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने चेतावनी दी है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बनाया गया आर्थिक ढांचा ढहने वाला है। इसका सबसे भारी नुकसान आम लोगों को उठाना पड़ेगा। पांच दिनों में दूसरी बार पेट्रोलियम की कीमतें बढ़ाए जाने के बाद केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों पर हमला बोलते हुए राहुल गांधी ने कहा कि भारत एक अभूतपूर्व 'आर्थिक तूफान' के कगार पर खड़ा है। उत्तर प्रदेश के रायबरेली में मंगलवार को राहुल गांधी ने

पत्रकारों से कहा कि मोदी सरकार ने जो आर्थिक ढांचा अरबपति उद्योगपतियों के पक्ष में खड़ा किया है उसका ढहना तय है। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बनाया गया आर्थिक ढांचा ढह जाएगा और इसका सबसे बुरा असर आम लोगों पर पड़ेगा।

मोदी जी का इकानॉमी का स्ट्रक्चर खड़ा नहीं रहेगा- राहुल गांधी ने कहा, मोदी जी ने जो इकानॉमी का स्ट्रक्चर बदला है, अब आर्थिक तूफान आ रहा है। उन्होंने जो स्ट्रक्चर बनाया है, अदानी-अंबानी वाला, वह अब खड़ा नहीं रहेगा, पूरा का पूरा टूटेगा। दुख की बात है कि नुकसान आम जनता को होगा। मतलब वे अपने महलों में बैठे रहेंगे, और यूपी के जो युवा हैं, जनता है, उनको पूरा का पूरा शॉक लगेगा। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि, जो आर्थिक शॉक आ रहा है, वो खतरनाक है।

ट्रम्प-नेतन्याहू की हत्या करने वाले को 500 करोड़ देगा ईरान

- संसद में बिल लाने की है तैयारी, ट्रम्प ने ईरान पर हमला टाला

तेहरान (एजेंसी)। ईरान की संसद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की हत्या करने वालों को 500 करोड़ से ज्यादा इनाम देने वाला बिल ला सकती है। द टेलीग्राफ की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरानी संसद का राष्ट्रीय सुरक्षा आयोग इस बिल की तैयारी कर रहा है। आयोग के प्रमुख इब्राहिम अजीजी ने कहा कि 'इस्लामिक रिपब्लिक की सैन्य और सुरक्षा बलों की जवाबी कार्रवाई' नाम से बिल तैयार किया जा रहा है। ईरानी सांसद महमूद नबावियन ने कहा कि संसद जल्द इस बिल पर वोटिंग कर सकती है, जो ट्रम्प और नेतन्याहू को जहन्नुम पहुंचाने वालों को इनाम देगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई समेत कई सैन्य और राजनीतिक नेताओं की मौत के बाद यह कदम उठाया जा रहा है।

अमेरिका-इजराइल की ईरान पर नए हमले की तैयारी- रिपोर्ट्स के मुताबिक, जर्मनी स्थित अमेरिकी ठिकानों से हथियार लेकर दर्जनों कार्गो विमान इजराइल पहुंचे हैं। वहीं नेतन्याहू और ट्रम्प ने संभावित सैन्य कार्रवाई को लेकर बातचीत की। ईरान तनाव और समुद्री नाकेबंदी के बीच स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में करीब 1,500 कारोबारी जहाज फंसे हुए हैं।

आसमान पर 'पारा' बरस रही आग

भीषण गर्मी से हाल बेहाल, जनता का जीना मुहाल

दुनिया के 100 सबसे गर्म शहरों में सभी भारत के

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश और बिहार समेत पूरे उत्तर भारत में इस समय भीषण गर्मी का कहर जारी है। आसमान से आग बरस रही है और तापमान अब 46 के पार पहुंच गया है। हालात यह हैं कि मंगलवार को दुनिया के 100 सबसे गर्म शहरों में सभी भारत के हैं। ग्लोबल टेम्परेचर रैंकिंग्स में यह जानकारी सामने आई है। इस रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया के टॉप 100 सबसे गर्म शहरों की सूची में सभी के सभी शहर भारत के दर्ज किए गए हैं, यानी इस समय दुनिया में भारत से ज्यादा गर्म कोई और देश नहीं है। लिस्ट में देश के कई बड़े शहर शामिल हैं। दिल्ली, गुड़गांव, फरीदाबाद, चंडीगढ़, आगरा और वाराणसी जैसे बड़े शहरों में दोपहर होते ही पारा रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। वहीं सूची में सबसे ऊपर उत्तर प्रदेश के तीन जिलों ने जगह बनाई है। मंगलवार को औरैया, बांदा और इटावा दुनिया के सबसे गर्म स्थान रहे, जहां दोपहर में तापमान 46 के पार पहुंच गया।

पूरे देश में बरस रही आग

इसके अलावा देश के अन्य हिस्सों में भी पारा बेहद हाई रहा। अलीगढ़, मैनपुरी और हरियाणा के कुरुक्षेत्र, पानीपत व करनाल में तापमान 45 डिग्री दर्ज हुआ। वहीं पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश और ओडिशा के एक बड़े हिस्से में पारा 44 डिग्री रहा। प्रयागराज, हिसार, जालंधर, बठिंडा, सतना और बलांगीर जैसे शहरों में भी पारा 44 के पास रहा। चंडीगढ़, आगरा, ग्वालियर, जम्मू, पठानकोट और वाराणसी जैसे प्रमुख शहरों का भी यही हाल है।

अभी और बढ़ेगा पारा

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने 19 मई को आने वाले दिनों में मौसम को लेकर बड़ी चेतावनी जारी है। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले कुछ दिनों में उत्तर-पश्चिम भारत के कई हिस्सों में अधिकतम तापमान में 2-3 डिग्री की और बढ़ोतरी हो सकती है। आईएमडी के मुताबिक राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, मध्य प्रदेश और विदर्भ में यह पूरा हफ्ता भीषण लू की चपेट में रहेगा। वहीं पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 19 से 24 मई तक और पूर्वी उत्तर प्रदेश में 20 मई तक लू का कहर जारी रहेगा। इससे पहले आईएमडी ने सोमवार को कहा था कि इस सप्ताह उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत के मैदानी इलाकों में लू से स्थिति भयावह है।

फलता से टीएमसी प्रत्याशी जहांगीर ने छोड़ा मैदान

मतदान से दो दिन पहले वापस लिया नाम

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा की फलता सीट पर होने वाले पुनर्मतदान से पहले एक बड़ा बदलाव हुआ है। तृणमूल कांग्रेस से उम्मीदवार जहांगीर खान ने मैदान छोड़ने का ऐलान कर दिया है। बाहुबली नेता ने मंगलवार को कहा कि वह अब आगे कोई भी चुनाव नहीं लड़ेंगे। बता दें, खान को टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी का करीबी माना जाता है। अभिषेक बनर्जी की डायमंड हार्बर लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली फालता विधानसभा सीट पर चुनावी धांधली के आरोप लगने के बाद आयोग ने यहां पर पुनः मतदान का ऐलान किया था। 21 मई को होने वाली वोटिंग से पहले वहां चुनावी अभियान जारी है, लेकिन इस प्रचार अभियान में किसी भी बड़े टीएमसी नेता की उपस्थिति नहीं देखी जा रही है। अभिषेक बनर्जी भी प्रचार में नहीं दिखे।

अब गुंडे भाग रहे हैं

इसके अलावा टीएमसी नेताओं द्वारा चुनाव प्रचार न करने को लेकर भाजपा नेता दिलीप घोष से पूछा गया, तो उन्होंने इसका तीखा जबाव दिया। उन्होंने कहा, पिछले चुनावों में भी तृणमूल के नेताओं ने यहां कभी प्रचार नहीं किया। उन्होंने केवल फलता के लोगों के मतदान के अधिकारों को दबाया है। अब परिणाम सभी को पता है। गुंडे भाग रहे हैं। गौरतलब है कि चुनाव के दौरान जहांगीर खान अजय पाल शर्मा के साथ संघर्ष में दिखे थे।

स्कूल-कॉलेज और अस्पतालों से हटेंगे आवारा कुत्ते

सुप्रीम कोर्ट का झटका, फैसला बदलने से किया इनकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्ट्रे डॉग्स को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने अपने 7 नवंबर 2025 के आदेश में कोई भी बदलाव करने या फिर वापस लेने से साफ इनकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश को चुनौती देने वाली सभी याचिकाओं को खारिज कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने स्कूल कॉलेजों, अस्पतालों, रेलवे स्टेशनों जैसे सार्वजनिक स्थानों से आवारा कुत्तों को हटाने का आदेश दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने आवारा पशुओं के संबंध में भारतीय पशु कल्याण बोर्ड द्वारा जारी मानक संचालन प्रक्रियाओं की वैधता को चुनौती देने संबंधी सभी याचिकाओं को खारिज किया। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने पुराने फैसले में कहा था कि आवारा कुत्तों के लिए शेल्टर होम बनाए जाएं। उन्हें खुली जगहों पर खाना ना खइलाया जाए और सरकारी संस्थानों और खुली जगहों से उन्हें हटाया जाए। कोर्ट ने कहा कि देशभर में कुत्ता काटने की घटनाएं बढ़ रही हैं और ऐसे में इस आदेश में कोई समझौता नहीं किया जा सकता है।

सुप्रीम आदेश, कुत्तों की नसबंदी जरूरी

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि 2001 में एबीसी रूल लागू किया गया था लेकिन आवारा कुत्तों की संख्या तेजी से बढ़ी और उस अनुपात में शेल्टर होम और अन्य सुविधाओं का विकास नहीं हो पाया। कोर्ट ने कहा कि आवारा कुत्तों की नसबंदी जरूरी है। नगर नगम आवारा कुत्तों को पकड़कर नसबंदी करे। सामान्य कुत्तों को वैक्सीनेशन और स्टरलाइजेन के बाद उसी इलाके में छोड़ दिया जाए, जहां से उसे पकड़ा गया था। सुप्रीम कोर्ट नेक हा कि रेबीज से संक्रमित कुत्तों को शेल्टल होम में रखा जाएगा। उन्हें वापस नहीं छोड़ा जा सकता है। इसके अलावा गली में या फिर खुले में कुत्तों को खाना नहीं खिलाया जा सकता है। इसके लिए कुत्तों का फीडिंग जोन बनाया जाए। इसके अलावा स्कूलों-कॉलेजों, अस्पतालो, रेलवे स्टेशन, बस अड्डों और अन्य सार्वजनिक स्थानों से कुत्तों को हटाया जाए। आवारा कुत्तों के लिए राष्ट्रीय नीति बनाई जाए।

रूस से कच्चा तेल खरीदता रहेगा भारत

● सरकार बोली-अमेरिकी प्रतिबंध बेअसर ● फंसे जहाजों से तेल खरीदने की है छूट

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका की तरफ से मिलने वाली प्रतिबंधों की छूट खत्म होने के बाद भी भारत रूस से कच्चा तेल खरीदना जारी रखेगा। पेट्रोलियम मंत्रालय की जॉइंट सेक्रेटरी सुजाता शर्मा ने कहा कि अमेरिकी प्रतिबंधों से हमारे इम्पोर्ट प्लान पर कोई असर नहीं पड़ेगा। इस बीच वैश्विक सप्लाई संकट को देखते हुए अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने समुद्र में फंसे रूसी तेल के जहाजों से तेल खरीदने के लिए 30 दिनों का अस्थायी लाइसेंस जारी कर दिया। अमेरिकी ट्रेजरी मंत्री स्कॉट बेसेंट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी। बेसेंट के मुताबिक इससे अतिरिक्त लचीलापन

मिलेगा। यह सामान्य लाइसेंस कच्चे तेल के बाजार को स्थिर करने और ऊर्जा की दृष्टि से संवेदनशील देशों तक तेल की पहुंच करने में सहायक होगा।

मई में रोजाना आया रिकॉर्ड 23 लाख बैरल क्रूड

सुजाता शर्मा ने कहा कहा कि भारत का रुख इस मामले में हमेशा से साफ रहा है। भारत अमेरिकी छूट मिलने से पहले भी रूस से तेल खरीद रहा था, छूट के दौरान भी खरीदा और आगे भी इसे जारी रखेगा। सरकार ने देश की जरूरत के मुताबिक पहले ही कच्चे तेल की पर्याप्त सप्लाई का इंतजाम कर लिया है, इसलिए देश में क्रूड ऑयल की कोई कमी नहीं है। आंकड़े बताते हैं कि भारत ने मई महीने में रूस से रिकॉर्ड 23 लाख बैरल तेल का आयात किया।

पेट्रोल-डीजल के दाम 90 पैसे बढ़े

- 4 दिन पहले 3-3 बढ़ाए थे, 15 राज्यों में पेट्रोल 100 लीटर पार

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में पेट्रोल और डीजल 19 मई से औसतन 90 पैसे प्रति लीटर और महंगा हो गया है। इससे पहले 15 मई, शुक्रवार को ही पेट्रोल-डीजल की कीमतों में 3-3 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई थी। यानी पांच दिन के भीतर में यह दूसरी बढ़ोतरी है। देश के 15 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में पेट्रोल 100 रुपए लीटर के ऊपर बिक रहा है। वहीं 17 में डीजल का दाम 90 रुपए लीटर से ज्यादा है।

एक अफसर ने नार्वे की पत्रकार को सिखाया मर्यादा का पाठ

सिबी जॉर्ज ने कहा-5000 साल पुरानी है भारत की सभ्यता

ओस्लो (एजेंसी)। नॉर्वे में पत्रकार हेले लिंग के प्रधानमंत्री मोदी से सवाल पूछने के विवाद के बीच वरिष्ठ भारतीय राजनयिक सिबी जॉर्ज की चर्चा चारों तरफ हो रही है। भारतीय विदेश मंत्रालय की एक ब्रीफिंग के दौरान नॉर्वे के एक पत्रकार के साथ उनकी तीखी बहस हुई है। यह ब्रीफिंग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नॉर्वे यात्रा के संबंध में थी जिसमें सिबी जॉर्ज ने लोकतंत्र, मानवाधिकार और प्रेस की स्वतंत्रता के मामले में भारत के रिकॉर्ड का जोरदार बचाव किया। सिबी जॉर्ज अभी भारतीय विदेश मंत्रालय में सेक्रेटरी (वेस्ट) के तौर पर काम कर रहे हैं।

नॉर्वे के पत्रकार ने किया ड्रामा

पीएम मोदी के नॉर्वे यात्रा के दौरान विवाद तब शुरू हुआ जब नॉर्वे के एक अखबार के पत्रकार ने सार्वजनिक रूप से प्रधानमंत्री मोदी की इस बात के लिए आलोचना की कि उन्होंने संयुक्त प्रेस वार्ता के दौरान पत्रकारों के सवालों के जवाब नहीं दिए। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में पत्रकार हेले लिंग ने प्रधानमंत्री के कार्यक्रम स्थल से बाहर निकलते हुए का एक वीडियो शेयर किया और लिखा कि विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक में नॉर्वे पहले स्थान पर है जबकि भारत का स्थान उससे कहीं नीचे है। इसके बाद विदेश मंत्रालय की ब्रीफिंग के दौरान हेले लिंग ने भारतीय अधिकारियों से पूछा कि दुनिया को भारत पर भरोसा क्यों करना चाहिए और क्या भारत सरकार मानवाधिकारों से जुड़ी कथित चिंताओं पर ध्यान देगी।

विदेश विभाग में काम करने का विशाल अनुभव

सिबी जॉर्ज ने कहा-भारत की सभ्यता 5000 साल पुरानी है। हमें कोई सिखाए उसकी जरूरत नही है। अपने राजनयिक करियर की शुरुआत काहिरा से की थी। इसके बाद उन्होंने दोहा, इस्लामाबाद और वॉशिंगटन में भी काम किया जहां उन्होंने राजनीतिक, व्यापारिक और कांसुलर मामलों को संभाला। उन्होंने तेहरान और रियाद में मिशन के डिप्टी चीफ के तौर पर भी काम किया। इसके अलावा उन्होंने नई दिल्ली में विदेश मंत्रालय के मुख्यालय में कई अहम विभागों में भी काम किया जिनमें ईस्ट एशिया और इंडिया-अफ्रीका फोरम समिट की कोऑर्डिनेशन टीम शामिल है। मूल रूप से केरल के कोट्टायम जिले के रहने वाले जॉर्ज ने ग्रेजुएशन और पोस्ट-ग्रेजुएशन, दोनों में गोल्ड मेडल हासिल किया है। उन्होंने काहिरा की अमेरिकन यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद और इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस जैसे संस्थानों से ट्रेनिंग भी ली है। साल 2014 में उन्हें इंडियन फॉरेन सर्विस में बेहतरीन काम के लिए अवॉर्ड दिया गया था।

'वन नेशन, वन इलेक्शन' की टीम गुजरात पहुंची

प्रियंका गांधी समेत 39 सदस्य सभी पार्टियों के नेताओं से करेंगे मुलाकात

गांधीनगर (एजेंसी)। वन नेशन-वन इलेक्शन के मुद्दे पर गठित संयुक्त संसदीय समिति ने विभिन्न राज्यों का दौरा कर राजनीतिक दलों और अधिकारियों से परामर्श शुरू कर दिया है। प्रियंका गांधी, संबित पात्रा और बांसुरी स्वराज समेत समिति के 39 सदस्य आज से तीन दिनों के लिए गुजरात पहुंचे हैं। जेपीसी सदस्य मंगलवार की शाम गुजरात सीएम भूपेंद्र पटेल और राज्य के शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात कर उनके विचार जानेंगे। समिति की पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस शाम 5.30 बजे गांधीनगर की गिफ्ट सिटी में होगी। वहीं, समिति ने समिति ने 20 मई 2026 को सभी राजनीतिक दलों को अपने विचार रखने के लिए गांधीनगर बुलाया है। इस मुद्दे पर भाजपा के मुख्य प्रवक्ता अनिल पटेल ने कहा- गुजरात भाजपा एक राष्ट्र-एक चुनाव का पूरी तरह से समर्थन करती है। वहीं कांग्रेस प्रवक्ता मनीष दोषी ने कहा- कांग्रेस इस मुद्दे पर अपने विचार रखेगी। यह मुद्दा जनता के अधिकारों से जुड़ा है और हमारी सभी चिंताओं को समिति के समक्ष रखा जाएगा। वन नेशन-वन इलेक्शन के लिए गठित संयुक्त संसदीय समिति की अध्यक्षता वकील पीपी चौधरी कर रहे हैं। इसमें कुल 39 सदस्य हैं, जिनमें 27 लोकसभा सांसद और 12 राज्यसभा सांसद शामिल हैं।

सडक़ों पर प्रदर्शन करने वाले युवाओं को सीजेआई सूर्यकांत की नसीहत, आंदोलन से उनका करियर हो सकता है बर्बाद

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीजेआई सूर्यकांत ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में एक बार फिर देश के युवाओं को लेकर टिप्पणी की है। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया ने कहा कि किसी को भी धमकी नहीं देनी चाहिए और ना ही कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगाडऩी चाहिए। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को शांतिपूर्ण और कानूनी तरीके से विरोध प्रदर्शन करने का अधिकार है लेकिन आम लोगों के लिए परेशानी पैदा करना उचित नहीं है। कोर्ट ने यह टिप्पणी नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के नामकरण से जुड़ी एक याचिका की सुनवाई के दौरान की। एक सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने इस दावे पर प्रतिक्रिया दी कि सडक़ों पर प्रदर्शन करने वाले युवाओं के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज किए जा रहे हैं और इससे उनका करियर बर्बाद हो सकता है। सीजेआई ने कहा कि उन्हें धमकी नहीं देनी चाहिए और कानून-व्यवस्था की समस्या पैदा नहीं करनी चाहिए। हर व्यक्ति को शांतिपूर्ण और कानूनी तरीके से विरोध प्रदर्शन करने का अधिकार है, कानून के तहत जो अनुमति है, वह किया जा सकता है। लेकिन सडक़ों पर आकर आम लोगों के लिए परेशानी पैदा नहीं करनी चाहिए।

ऋषिकेश में उज्जैनी एक्सप्रेस के तीन कोच पटरी से उतरे, टला बड़ा हादसा

देहरादून (एजेंसी)। ऋषिकेश में सोमवार रात उज्जैनी एक्सप्रेस के तीन डिब्बे शंटिंग के दौरान पटरी से उतर गए। योगनगरी रेलवे स्टेशन पर हुई घटना में, जब इंजन शंटिंग लाइन के अंत में लगे बफर से टकराया, तब ट्रेन के डिब्बों पर अत्यधिक दबाव पड़ गया। हालांकि, ट्रेन खाली होने के कारण कोई जनहानि नहीं हुई, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। जानकारी के अनुसार, शाम करीब 6 बजे योगनगरी स्टेशन पहुंची यह ट्रेन मंगलवार सुबह 6:15 बजे वापस रवाना होनी थी। इसकाराण रात में लगभग 9:42 बजे प्लेटफॉर्म से खांड गांव स्थित शंटिंग लाइन पर ले जाया जा रहा था। तभी, इंजन तेज गति से या अनियंत्रित होकर डेड एंड पर लगे बफर से टकरा गया। इस जोरदार टक्कर के कारण पूरी ट्रेन झटके के साथ रुक गई और डिब्बों पर पड़े भीषण दबाव से एक बोगी ट्रैक से पूरी तरह बाहर निकल गई, जबकि दूसरी बीच से मुड़कर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। कुल मिलाकर तीन डिब्बे प्रभावित हुए। हादसे की आवाज सुनकर आसपास के इलाकों में हड़कंप मच गया और लोग तुरंत घरों से बाहर निकल आए। सूचना मिलते ही रेलवे अधिकारी, इंजीनियरिंग टीम और पुलिस बल तत्काल मौके पर पहुंचे। उन्होंने तुरंत ट्रैक को दुरुस्त करने और क्षतिग्रस्त डिब्बों को हटाने का काम शुरू किया, जो देर रात तक जारी रहा। घटनास्थल पर भारी भीड़ जमा होने के कारण स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को अतिरिक्त प्रयास करने पड़े। प्रारंभिक तौर पर इस दुर्घटना का कारण तकनीकी गड़बड़ी, अत्यधिक बल का प्रयोग या फिर शंटिंग प्रक्रिया में लापरवाही को माना जा रहा है। रेलवे की उच्चस्तरीय तकनीकी टीम पूरे मामले की गहनता से जांच कर रही है।

मंदिरों के पास रखे सोने के मॉनेटाइजेशन की कोई योजना नहीं : केंद्र सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने उन रिपोर्टों और सोशल मीडिया दावों को पूरी तरह गलत, भ्रामक और आधारहीन बताया है, जिसमें दावा हुआ था कि केंद्र सरकार मंदिरों, ट्रस्टों और धार्मिक संस्थानों के लिए गोल्ड मॉनेटाइजेशन स्कीम शुरू करने पर विचार कर रही है। वित्त मंत्रालय ने साफ कहा हैं कि केंद्र सरकार की ओर से ऐसा कोई प्रस्ताव न मंजूर किया गया है और न ही इस तरह की कोई योजना विचाराधीन है। कुछ रिपोर्टों में बताया गया था कि मंदिरों के स्वर्ण भंडार के बदले गोल्ड बॉन्ड जारी किए जाएंगे या इन भंडारों को 'स्ट्रैटेजिक गोल्ड रिजर्व ऑफ इंडिया' का हिस्सा बनाया जाएगा, लेकिन केंद्र सरकार ने इन सभी दावों को सिरे से खारिज किया है। मोदी सरकार ने नागरिकों से अपील की है कि वे बिना पुष्टि वाली खबरों और अफवाहों पर विश्वास न करें और न ही उन्हें साझा करें। साथ ही कहा गया है कि नीतिगत फैसलों से जुड़ी सही जानकारी केवल आधिकारिक प्रेस विज्ञप्तियों और सरकारी स्रोतों से ही प्राप्त करें। इस बीच, प्रधानमंत्री से जुड़े एक कथित बयान को लेकर भी चर्चा रही, जिसमें नागरिकों से ऊर्जा और संसाधन बचत जैसे सुझावों की बात कही गई थी। हालांकि, इसतरह के किसी भी सार्वजनिक संदेश या संदर्भ को लेकर आधिकारिक पुष्टि ही अंतिम मानी जाती है।

कनाडा से लौटे आशिक ने की मशहूर पंजाबी सिंगर की हत्या, नीलो नहर से मिला शव

-पुलिस की लापरवाही से आरोपी सुखविंदर कनाडा फरार

लुधियाना (एजेंसी)। पंजाब के लुधियाना में बेहद दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जिसने पूरे संगीत जगत को झकझोर दिया है। मशहूर पंजाबी सिंगर इंदर कौर उर्फ यशइंदर कौर, जो छह दिन पहले गन प्वाइंट पर अगवा की गई थीं, कि निर्ममता से हत्या कर दी गई है। उनका शव नीलो नहर से बरामद हुआ है, जिसकी शिनाख्त के बाद परिवार में मातम छा गया है। सिंगर के शव को सिविल अस्पताल के शवगृह में रखवाया गया है। इस खौफनाक मर्डर मिस्ट्री की कहानी किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है, जिसमें प्यार, जि़द और खूनी अंजाम शामिल है। मृतका के भाई जोतइंदर सिंह ने बताया कि इंदर कौर की दोस्ती मोगा के गांव भलूर निवासी सुखविंदर सिंह उर्फ सुक्खा से थी। जोतइंदर सिंह का आरोप है कि सुखविंदर उनकी बहन से जबरन शादी करना चाहता था, लेकिन इंदर कौर ने इस शादी से साफ इंकार किया था। बस इसी शादी से इंकार की रंजिश को दिल में पाले सुखविंदर सिंह ने एक खौफनाक साजिश रच डाली। आरोपी सुखविंदर, अपनी इस जि़द को पूरा करने और इंदर कौर को रास्ते से हटाने के लिए खास तौर पर कनाडा से पंजाब आया था। 13 मई की रात इंदर कौर बाजार से राशन लेने निकली थीं, तभी सुखविंदर ने अपने साथियों के साथ मिलकर उन्हें घेरा और पिस्तौल की नोक पर अगवा किया। इसके बाद आरोपियों ने बेरहमी से इंदर कौर की जान ले ली और शव को छुपाने के लिए नीलो नहर में फेंक दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद मुख्य आरोपी सुखविंदर सिंह पुलिस को चकमा देकर वापस कनाडा फरार हो गया है।

मई के अंतिम सप्ताह में मानसून दे सकता है आमद, कई राज्यों में होगी बारिश

-उत्तर पश्चिम भारत के ज्यादातर राज्य गर्मी का करेंगे सामना

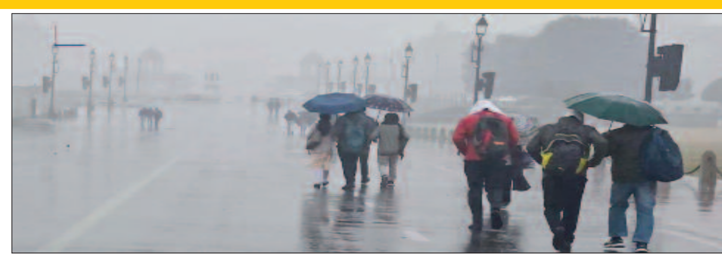

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में मॉनसून की एंट्री में बस कुछ ही दिन हैं। खबर मिल रही है कि मई के अंतिम सप्ताह में मानसून की केरल में आमद हो सकती हैं। वहीं, उत्तर पश्चिम भारत के ज्यादातर राज्य गर्मी का सामना करेंगे। हालांकि, उत्तराखंड समेत कुछ राज्यों में बारिश के आसार हैं। इसके अलावा भारत मौसम विज्ञान विभाग ने मंगलवार को कम से कम 10 राज्यों में बारिश की संभावनाएं जताई है।

आईएमडी ने कहा है कि 19 मई से 22 मई के बीच जम्मू-कश्मीर, 20 से 22 मई के बीच उत्तराखंड में हल्की बारिश हो सकती है। वहीं इस दौरान हवा की रफ्तार 30-40 किमी प्रतिघंटा पहुंच सकती है। साथ ही अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 19 से 24 मई, गंगीय पश्चिम बंगाल में 21 और 22 मई, ओडिशा में 19 मई और 22 मई से 24 मई को बारिश हो सकती है।

बिहार में 19 से 21 मई के बीच, झारखंड में 20 मई, ओडिशा में 20 और 21 मई को तेज हवा के साथ भारी बारिश की संभावना है। दक्षिण भारतीय राज्य तमिलनाडु, तटीय कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे में 19 मई को भारी बारिश की संभावना है। 19 से 22 मई के बीच असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा में बारिश के आसार हैं। अरुणाचल प्रदेश में 22 मई को भारी बारिश हो सकती है। जबकि, असम और मेघालय में ऐसा ही मौसम 21 और 22 को बन सकता है। मौसम विभाग ने सोमवार को कहा था कि दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के 26 मई को केरल पहुंचने की संभावना है। विभाग ने यह भी कहा कि मॉनसून के आगमन की तारीख में चार दिन का अंतर देखने को मिल सकता है। अगले पांच दिनों में केरल और माहे के कुछ हिस्सों में बिजली गिरने और तेज हवाओं के साथ भारी बारिश का अनुमान है। मौसम विभाग के मुताबिक ऐसा दक्षिणी तटीय आंध्र प्रदेश और आसपास के क्षेत्रों में चक्रवाती परिसंचरण के कारण हो सकता है, जिससे केरल, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, रायलसीमा और दक्षिण लक्षद्वीप से सटे दक्षिण-पूर्वी अरब सागर में निम्न वायु दाब का क्षेत्र बन गया है।

आईएमडी के मुताबिक दक्षिण-पश्चिमी मॉनसून दक्षिण-पूर्वी अरब सागर के अधिकांश हिस्सों और कन्याकुमारी क्षेत्र के कुछ हिस्सों में आगे बढ़ चुका है। मौसम विभाग के मुताबिक यह दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी के अधिकांश हिस्सों, अंडमान सागर के अधिकांश भाग, अंडमान निकोबार द्वीप समूह और पूर्वी-मध्य बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में भी आगे बढ़ चुका है।

पूर्व जज वर्मा के इस्तीफे के बाद भी नहीं थमी मुश्किलें, समिति ने जांच रिपोर्ट लोकसभा अध्यक्ष बिरला को सौंपी

नई दिल्ली (एजेंसी)। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश यशवंत वर्मा की मुश्किलें इस्तीफे के बाद भी कम होती नजर नहीं आ रही हैं। उनके खिलाफ लगाए गए आरोपों की जांच कर रही तीन सदस्यीय समिति ने अपनी रिपोर्ट लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को सौंप दी है। लोकसभा सचिवालय की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, न्यायाधीश (जांच) अधिनियम, 1968 के तहत वैधानिक प्रक्रिया का पालन करते हुए यह रिपोर्ट सोमवार को सौंपी गई है। रिपोर्ट को जल्द ही संसद के दोनों सदनों में पेश किया जाएगा। दरअसल, पिछले साल न्यायमूर्ति वर्मा के दिल्ली स्थित सरकारी आवास से जले हुए नोटों की गड्डियां बरामद होने के बाद मामला सुर्खियों में आया था। इस घटना के बाद विभिन्न राजनीतिक दलों के सांसदों ने उनके खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव से संबंधित नोटिस दिए थे, जिन्हें स्वीकार कर जांच प्रक्रिया शुरू की गई थी। मामले की जांच के लिए गठित समिति में उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति अरविंद कुमार, बंबई उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति चन्द्रशेखर तथा कर्नाटक उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता बी.वी. आचार्य शामिल थे। समिति का पुनर्गठन 25 फरवरी को किया गया था। इसी बीच, न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा ने 10 अप्रैल को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को अपना इस्तीफा सौंप दिया था। उनके इस्तीफे के बाद महाभियोग की कार्यवाही तकनीकी रूप से निष्प्रभावी हो गई, लेकिन जांच प्रक्रिया जारी रही। गौरतलब है कि दिल्ली आवास से कथित रूप से जले हुए नोट मिलने की घटना के बाद से न्यायमूर्ति वर्मा लगातार विवादों और आलोचनाओं के केंद्र में रहे हैं। अब जांच रिपोर्ट संसद में पेश होने के बाद इस मामले पर राजनीतिक और कानूनी बहस तेज होने की संभावना है।

मेरी गैरमौजूदगी को चुप्पी न समझा जाए, मैं जल्द लौटूंगी अपने देश

-बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना की तारिक रहमान को चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। मेरी गैरमौजूदगी को चुप्पी न समझा जाए। मैं जल्द अपने देश वापस लौटूंगी। यह कहना है बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना का। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा कि लगातार अपने देश और लोकतंत्र की बहाली के लिए संघर्ष कर रही हैं। फिलहाल वो भारत में अपना समय बिता रहीं हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शेख हसीना ने कहा कि 17 मई 1981 उनके जीवन का बेहद भावुक दिन था, जब वह छह साल के निर्वासन के बाद भारत से बांग्लादेश लौटी थीं। उन्होंने कहा कि उस समय भी उनके खिलाफ साजिशें हुई थीं, मुकदमे दर्ज किए गए थे और जान का खतरा था, लेकिन जनता के प्यार और समर्थन ने उन्हें वापस लौटने की ताकत दी।

उन्होंने कहा कि इस बार उनकी वापसी किसी तय तारीख पर निर्भर नहीं है, बल्कि बांग्लादेश में लोकतांत्रिक माहौल, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, राजनीतिक अधिकारों और कानून के शासन की बहाली पर निर्भर करेगी। हसीना ने दावा किया कि वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कूटनीतिक और कानूनी लड़ाई लड़ रही हैं। उन्होंने कहा कि 19 बार हत्या की कोशिशों से मैं बच चुकी हूं। जब तक अल्लाह ने मुझे जिंदा रखा है, मैं बहुत जल्द बांग्लादेश की धरती पर लौटूंगी।

पूर्व पीएम हसीना ने कहा कि अवामी लीग कोई ऐसी पार्टी नहीं है, जिसे बंद किया जा सके। उन्होंने कहा कि यह जनता की पार्टी है, आम लोगों की पार्टी है और इसे कागज पर लिखे प्रतिबंध से खत्म नहीं किया जा सकता। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान सत्ता अवामी लीग से डरता है, क्योंकि अगर पार्टी को लोकतांत्रिक तरीके से काम करने दिया गया तो सरकार की 'राष्ट्र विरोधी गतिविधियां' उजागर हो जाएंगी। उन्होंने साफ कहा कि पार्टी को तोड़ने की साजिशें सफल नहीं होंगी और सुधार का फैसला पार्टी के आंतरिक लोकतांत्रिक ढांचे के तहत ही होगा।

रिपोर्ट के मुताबिक शेख हसीना ने इंटरव्यू में बांग्लादेश की मौजूदा स्थिति पर भी गंभीर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि देश फिर से 2001 से 2006 के उस दौर की ओर बढ़ सकता है, जब कट्टरपंथ और उग्रवादी ताकतें मजबूत हुई थीं। हसीना ने आरोप लगाया कि अंतरिम सरकार के नेतृत्व में अवामी लीग के नेताओं और समर्थकों के खिलाफ 'खामोश राजनीतिक नरसंहार' चलाया गया। उनके मुताबिक करीब 600 नेताओं और कार्यकर्ताओं की हत्या की गई, जबकि डेढ़ लाख से ज्यादा लोगों को झूठे मामलों में गिरफ्तार किया गया। उन्होंने यह भी दावा किया कि पार्टी नेताओं के घरों और कारोबारों को निशाना बनाया गया और समर्थकों में डर का माहौल पैदा किया गया।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी बोले- एक्शन लेने के बजाए मोदीजी विदेश चले गए

आने वाला है आर्थिक तूफान, आम जनता होगी तबाह

रायबरेली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी दो दिन के यूपी दौरे पर हैं। मंगलवार को रायबरेली में उन्होंने कहा कि आर्थिक तूफान अब आने वाला है। पीएम मोदी ने अदाणी और अंबानी वाला जो आर्थिक ढांचा बनाया है, वह खड़ा नहीं हो पाएगा, बल्कि पूरा टूटेगा। दुख की बात है कि इसका नुकसान आम जनता को होगा। राहुल गांधी ने कहा कि यूपी की जनता को शॉक लगेगा। आर्थिक शॉक आ रहा है। वह अदाणी, अंबानी या पीएम मोदी को नहीं लगेगा। वह यूपी के युवाओं, किसानों और छोटे व्यापारियों को लगेगा। बहुत कठिन समय आ रहा है। एक्शन लेने की बजाए प्रधानमंत्री कह रहे हैं कि विदेश यात्रा पर मत जाइए, जबकि प्रधानमंत्री मोदी खुद दुनिया के चक्कर काट रहे हैं।

राहुल ने कहा कि हम आपके साथ खड़े हैं। जहां भी आप जाएंगे, मुझे बुला लीजिए, मैं आपके साथ रहूंगा। मैं जनता के साथ खड़ा हूं, जनता के साथ दिखाई देता हूं और जनता से प्यार करता हूं।

आप देख लीजिए, देश के तमाम बड़े नेता मोदी जी, अमित शाह जी, गडकरी सभी अंबानी जी की के घर शादी में गए थे। राहुल गांधी वहां कभी नहीं जाएंगे। मैं यह संदेश दे रहा था कि मैं भी आप लोगों के बीच आना चाहता हूं, आपके घरों में आना चाहता हूं। आपने मेरा समर्थन किया, आपने बारात घर की मांग की थी, हमने आपको बारात घर भी दे दिया। अगली बार जब यहां शादी होगी तो मुझे जरूर बुलाइए, मैं जरूर आऊंगा। हमारा रिश्ता प्यार का है, दिल का रिश्ता है, परिवार जैसा रिश्ता है। जनता मेरे लिए माता-पिता, दादी, बहन और भाई जैसी है।

...और खुद विदेश चले गए

राहुल ने कहा- नरेंद्र मोदी कहते है कि सोना मत खरीदो, इलेक्ट्रिक गाड़ी खरीदो, विदेश मत जाओ। इतना कहने के बाद नरेंद्र मोदी विदेश चले जाते हैं। दुख की बात है कि अब जबरदस्त आर्थिक तूफान आने वाला है, जिसको कोई रोक नहीं सकता। ऐसा आर्थिक तूफान आने वाला है, जो आपने हमने कभी जिंदगी में नहीं देखा होगा। इसकी चोट किसको लगेगी। अंबानी-अदाणी अपने महलों में बैठे रहेंगे। उनके महलों में चारों ओर सिक्योरिटी होगी। हिंदुस्तान के मजदूर, युवाओं, छोटे व्यापारियों को चोट लगेगी। राहुल गांधी ने कहा कि मैंने आपसे जो वादा किया था, वह पूरा किया। देश की बात करते हुए राहुल ने कहा कि जनता का पैसा, मजदूरों का पैसा, किसानों का पैसा, पीएम नरेंद्र मोदी ने अंबानी और अदाणी को दे दिया। उन्होंने छोटे व्यापारियों से पैसा खींचकर अपने मित्रों को दे दिया।

अखिलेश का ऐलान, यूपी में कांग्रेस के साथ गठबंधन जारी रहेगा

लखनऊ ।समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि भविष्य के चुनावों में सहयोगी दलों के साथ गठबंधन जारी रहेगा और पार्टी का मूल मंत्र 'सीटें नहीं, जीत' होगा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ संयुक्त प्रचार के सवाल पर उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी गठबंधन धर्म निभाने में अनुभवी है और सहयोगियों के हित का ध्यान रखती है। सपा मुखिया ने कहा कि हमारी पार्टी ने कई गठबंधन किए हैं। हमारे पास गठबंधन का अनुभव है। समाजवादी पार्टी ने हमेशा अपने सहयोगियों के लिए लाभ सुनिश्चित किया है। हम लोगों ने कभी किसी को धोखा नहीं दिया है। आज जो गठबंधन है, वहां आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि भविष्य में गठबंधन की चर्चा सीटों के लिए सौदेबाजी के इर्द-गिर्द नहीं बल्कि चुनावी सफलता सुनिश्चित करने के इर्द-गिर्द घूमेगी। अखिलेश ने कहा, गठबंधन में सीटों का सवाल नहीं होगा। लोकसभा चुनाव के दौरान भी मैंने कहा था कि मुद्दा सीटों का नहीं है, मुद्दा जीत का है। यही फॉर्मूला फिर काम करेगा। सवाल सीटों का नहीं होगा, सवाल जीत का होगा।

सीएम की पत्नी पर टिप्पणी: खेड़ा के बाद अब सुरजेवाला पर शिकंजा

-असम की क्राइम ब्रांच ने कांग्रेस नेता को समन भेज पूछताछ के लिए बुलाया

डिसपुर (एजेंसी)। असम के सीएम हिमंता विश्वा सरमा की पत्नी पर की गई कथित टिप्पणी से जुड़ा राजनीतिक विवाद थम नहीं रहा है। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के बाद अब असम पुलिस ने कांग्रेस के एक और वरिष्ठ नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला पर शिकंजा कसा है। मामले की जांच कर रही असम पुलिस की क्राइम ब्रांच ने सुरजेवाला को समन जारी किया है।

सूत्रों के मुताबिक क्राइम ब्रांच ने सुरजेवाला को 23 मई को गुवाहाटी में जांच अधिकारियों के सामने हाजिर होने का निर्देश दिए हैं। बताया जा रहा है कि इस माह पवन खेड़ा से हुई कई घंटों की पूछताछ में जो बातें सामने आईं, उसके आधार पर सुरजेवाला को यह समन भेजा गया है। इस घटनाक्रम से असम में सत्तारूढ़ बीजेपी और कांग्रेस के बीच राजनीतिक तनातनी और तेज हो गई है।

बता दें यह पूरा विवाद तब शुरू हुआ था जब कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में असम के सीएम हिमंता विश्वा सरमा की पत्नी को लेकर कथित तौर पर कुछ विवादास्पद टिप्पणियां की थीं। इन बयानों के बाद असम में एक शिकायत दर्ज कराई गई। इसके आधार पर क्राइम ब्रांच ने मामला दर्ज कर पवन खेड़ा को पूछताछ के लिए गुवाहाटी बुलाया था। इस माह खेड़ा क्राइम ब्रांच के सामने पेश हुए थे, जहां उनसे करीब 8 घंटे तक पूछताछ की गई थी। पूछताछ के बाद हालांकि पवन खेड़ा ने जांच को लेकर कोई विस्तृत टिप्पणी नहीं की, लेकिन यह जरूर साफ किया कि कांग्रेस असम की बीजेपी सरकार के खिलाफ अपनी राजनीतिक लड़ाई जारी रखेगी।

इस मामले ने अब राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियां बटोर ली हैं। जांच अधिकारी अब इस विवाद से जुड़े अन्य कथित बयानों और सोशल मीडिया नैरेटिव की भी गहराई से पड़ताल कर रहे हैं। जांचकर्ताओं ने पहले ही इस बात के संकेत दिए थे कि मामले की तह तक जाने के लिए कांग्रेस के अन्य नेताओं से भी पूछताछ की जा सकती है।

रिपोर्ट के मुताबिक रणदीप सुरजेवाला को औपचारिक तौर पर समन मिलने के बाद पूछताछ के अगले दौर से पहले ही असम का सियासी पारा चढ़ने की उम्मीद है। कांग्रेस लगातार इस पूरी पुलिस जांच को राजनीति से प्रेरित बता रही है। वहीं दूसरी तरफ बीजेपी पुलिस की इस कार्रवाई का बचाव कर रही है। बीजेपी का साफ कहना है कि यह मामला सार्वजनिक विमर्श में गरिमा और जवाबदेही से जुड़ा हुआ है।

आप नेता सिंगला की गिरफ्तारी पर केजरीवाल ने बीजेपी पर लगाए गंभीर आरोप

-ईडी की कार्रवाई राजनीतिक बदले की भावना

-बीजेपी ने कहा- जांच निष्पक्ष

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित बैंक लोन धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आम आदमी पार्टी के नेता दीपक सिंगला को दिल्ली और गोवा में छापेमारी के बाद गिरफ्तार कर लिया है। अधिकारियों के अनुसार, कार्रवाई के दौरान कुछ आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद हुए, जिसके आधार पर गिरफ्तारी की गई। वहीं इस गिरफ्तारी को पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने राजनीतिक बदले की भावना से की गई कार्रवाई करार दिया है।

गौरतलब है कि दीपक सिंगला 2024 विधानसभा चुनाव में दिल्ली की विश्वास नगर सीट से आप उम्मीदवार रह चुके हैं। ईडी का कहना है कि यह मामला बैंक लोन फ्रॉड और उससे जुड़े धन शोधन नेटवर्क से जुड़ा हुआ है। एजेंसी इससे पहले भी 2024 में उनके ठिकानों पर छापेमारी कर चुकी है। फिलहाल सिंगला से पूछताछ जारी है और उनके वित्तीय लेनदेन की गहन जांच की जा रही है। गिरफ्तारी के बाद दिल्ली की राजनीति में बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। आप ने इसे पूरी तरह से राजनीतिक प्रतिशोध करार दिया है। पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि दीपक सिंगला को किसी गलत काम के कारण नहीं, बल्कि राजनीतिक कारणों से गिरफ्तार किया गया है। केजरीवाल ने आरोप लगाया कि सिंगला को इसलिए निशाना बनाया गया क्योंकि उन्होंने भारतीय जनता पार्टी का विरोध किया और पार्टी में शामिल होने से इनकार कर दिया। उन्होंने सिंगला को 'बहादुर' बताते हुए कहा कि वह देश के लिए लड़ रहे हैं। वहीं दूसरी ओर, बीजेपी नेताओं का कहना है कि जांच एजेंसियां केवल सबूतों के आधार पर कार्रवाई कर रही हैं और इस मामले को राजनीतिक रंग देना उचित नहीं है। उनका कहना है कि कानून अपना काम कर रहा है और दोषी पाए जाने पर ही कार्रवाई की जाती है।

दुनिया के सबसे प्रदूषित और समृद्ध शहरों में भारत के 138 शहर शामिल

-नेचर सिटीज अध्ययन में खुलासा—आर्थिक विकास के साथ बढ़ रहा प्रदूषण

-स्वच्छ शहरीकरण में चीन समेत कई देश आगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया के तेजी से विकसित हो रहे शहरों में प्रदूषण और आर्थिक समृद्धि के बीच गहरा संबंध सामने आया है। भारत के अनेक बड़े शहर आर्थिक विकास के साथ-साथ प्रदूषण की गंभीर चुनौती का भी सामना कर रहे हैं। अध्ययन में बताया गया है कि दुनिया के 390 ऐसे शहरों में, जिन्हें ÷सबसे अधिक प्रदूषित और समृद्ध÷ श्रेणी में रखा गया, उनमें 138 शहर भारत के हैं। यह कुल संख्या का लगभग 35.4 प्रतिशत है।

शोधकर्ताओं ने 2019 से 2024 के बीच दुनिया के 5,435 शहरों का अध्ययन किया। इसके लिए उपग्रह आधारित नाइट्रोजन डाइऑक्साइड, डेटा और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के अनुमानों का उपयोग किया गया। अध्ययन के मुताबिक, भारत में शहरी विकास अब भी बड़े पैमाने पर जीवाश्म ईंधन आधारित परिवहन, उद्योग और बिजली उत्पादन पर निर्भर है, जिसके कारण आर्थिक प्रगति के साथ प्रदूषण भी बढ़ रहा है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि दिल्ली, मुंबई और कोलकाता जैसे महानगरों में स्वच्छ विकास की दिशा में कुछ सकारात्मक संकेत जरूर दिखाई दिए हैं, लेकिन अधिकांश भारतीय शहर अब भी प्रदूषण कम करने में अपेक्षित सफलता हासिल नहीं कर पाए हैं। इसके विपरीत चीन और कई अन्य देशों ने स्वच्छ ऊर्जा और टिकाऊ शहरीकरण के जरिए प्रदूषण नियंत्रण में उल्लेखनीय प्रगति की है।

आर्थिक दृष्टि से भारत के प्रमुख शहरों में मुंबई सबसे आगे है। 'हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2025' के अनुसार, मुंबई में 91 अरबपति रहते हैं, जिससे यह देश का सबसे अमीर शहर बना हुआ है। दिल्ली-एनसीआर करीब 26.33 लाख करोड़ रुपये की जीडीपी के साथ दूसरे स्थान पर है। वहीं कोलकाता पूर्वी भारत का सबसे बड़ा औद्योगिक और व्यापारिक केंद्र माना जाता है।

आईटी और स्टार्टअप हब के रूप में पहचान बना चुका बेंगलुरु लगभग 9.86 लाख करोड़ रुपये की अर्थव्यवस्था के साथ देश की तकनीकी राजधानी बना हुआ है। वहीं चेन्नई, जिसे 'ऑटो कैपिटल ऑफ इंडिया' कहा जाता है, करीब 7.05 लाख करोड़ रुपये की जीडीपी के साथ ऑटोमोबाइल, आईटी और हेल्थकेयर क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत को आर्थिक विकास के साथ-साथ स्वच्छ ऊर्जा, सार्वजनिक परिवहन और हरित तकनीकों को तेजी से अपनाने की जरूरत है, ताकि आने वाले वर्षों में शहरी प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सके।

जीडीए हरनंदीपुरम योजना: द्वितीय चरण को मिला किसानों का भारी समर्थन, जमीनी सहमति देने की प्रक्रिया में आई भारी तेजी

जीडीए की हाईटेक टाउनशिप योजना पकड़ेगी रफ्तार, किसानों ने सौंपी 40 एकड़ से अधिक जमीन

आरव शर्मा

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) की सबसे महत्वाकांक्षी और भविष्य उन्मुख 'हरनंदीपुरम आवासीय योजना' के द्वितीय चरण को लेकर किसानों में जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। क्षेत्रीय किसानों द्वारा लगातार अपनी जमीनों की सहमतियाँ प्राधिकरण को सौंपी जा रही हैं, जिससे इस मेगा प्रोजेक्ट के विकास कार्यों को एक नई और तीव्र गति मिल गई है। प्राधिकरण से प्राप्त ताजा आंकड़ों के अनुसार इसी सिलसिले में ग्राम शाहपुर निजमोरटा के किसानों ने आगे आकर लगभग 25 एकड़ से अधिक भूमि की सहमति जीडीए को सौंप दी है। इसके साथ ही, ग्राम नगला फिरोज मोहनपुर में भी पिछले महज तीन दिनों के भीतर लगभग 15 एकड़ कृषि भूमि की सहमति प्राधिकरण को प्राप्त हो चुकी है। किसानों की यह बढ़ती और सक्रिय भागीदारी साफ तौर पर यह दशार्ती है कि क्षेत्र के नागरिक और कृषक इस योजना को गाजियाबाद के सुनियोजित, आधुनिक और चौमुखी विकास का एक बड़ा माध्यम मान रहे हैं।

501 हेक्टेयर में फैलेगा हरनंदीपुरम, सर्वे का काम पूरा

उल्लेखनीय है कि हरनंदीपुरम योजना जीडीए की एक बेहद प्रमुख और दूरगामी आवासीय टाउनशिप परियोजना है। इसे लगभग 501 हेक्टेयर से अधिक के विशाल क्षेत्रफल में दो अलग अलग चरणों में विकसित किया जाना प्रस्तावित है। योजना के ब्लूप्रिंट के अनुसार इस टाउनशिप के अंतर्गत:

आधुनिक सड़क नेटवर्क और सुगम यातायात सुविधाएं।

विशाल हरित क्षेत्र (ग्रीन बेल्ट) और थीम आधारित पार्क।

अत्याधुनिक आवासीय एवं व्यावसायिक सेक्टर।

विश्वस्तरीय जल निकासी व्यवस्था और मजबूत आधारभूत संरचना (इन्फ्रास्ट्रक्चर)।

प्राधिकरण इस पूरी योजना को चरणबद्ध (फेज वाइज) तरीके से विकसित कर रहा है, ताकि जैसे जैसे भूमि उपलब्ध होती जाए, वैसे वैसे सेक्टरवार विकास कार्य तुरंत शुरू किए जा सकें। इस दिशा में कदम बढ़ाते हुए योजना का टोपोग्राफिकल और सैटेलाइट सर्वे का काम पहले ही पूरा किया जा चुका है। अब इसे एक पूरी तरह हाईटेक और सुव्यवस्थित टाउनशिप के रूप में धरातल पर उतारने की तैयारी है।

उपाध्यक्ष का निदेर्श: किसानों से सीधा संवाद और पारदर्शिता हो प्राथमिकता

योजना की प्रगति को देखते हुए प्राधिकरण के उपाध्यक्ष ने सभी संबंधित अधिकारियों को कड़े निर्देश जारी किए हैं। उपाध्यक्ष ने कहा है कि अधिकारी किसानों के साथ निरंतर और सीधा संवाद बनाए रखें। किसानों की हर समस्या और उनके सुझावों का प्राथमिकता के आधार पर तत्काल समाधान सुनिश्चित किया जाए।

इसके साथ ही अधिकारियों को यह भी हिदायत दी गई है कि वे गांवों में जाकर किसानों से सीधा संपर्क स्थापित करें, ताकि सहमति और बैनामा (रजिस्ट्री) की प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी, सरल और सुगम बनाया जा सके। इससे भू-अधिग्रहण की राह में आने वाली बाधाएं दूर होंगी और विकास कार्यों को और अधिक गति मिलेगी।

गाजियाबाद के भावी विकास का नया हब बनेगी टाउनशिप

हरनंदीपुरम योजना को आने वाले समय में गाजियाबाद के शहरी और आर्थिक विकास का सबसे प्रमुख केंद्र माना जा रहा है। दिल्ली एनसीआर से बेहतर कनेक्टिविटी, आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर और निवेश की असीमित संभावनाओं के कारण यह योजना क्षेत्र में आवासीय और व्यापारिक गतिविधियों को एक नया आयाम देगी। हाल ही में गाजियाबाद विकास प्राधिकरण बोर्ड की बैठक में भी हरनंदीपुरम योजना के द्वितीय चरण समेत कई अन्य महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं को आधिकारिक स्वीकृति दी जा चुकी है, जिससे इसके जल्द पूरा होने का रास्ता साफ हो गया है।

नगीना में बड़ा हादसा : सड़क किनारे खड़ा खोखला पेड़ गिरने से शिक्षिका गंभीर घायल, एनएच 74 रहा बाधित

नगीना / बिजनौर (शिखर समाचार)। नेशनल हाईवे 74 पर मंगलवार सुबह एक बड़ा हादसा हो गया। बिना तेज हवा या बारिश के सड़क किनारे खड़ा एक पुराना और खोखला पापड़ी का पेड़ अचानक उखड़कर चलती स्कूटी पर गिर पड़ा। हादसे में स्कूल जा रही शिक्षिका गंभीर रूप से घायल हो गईं। घटना के बाद मौके पर अफरा तफरी मच गई और हाईवे पर लंबा जाम लग गया। पंजाबी कॉलोनी निवासी प्रियंका देवी (55 वर्ष), पत्नी सोहन लाल शर्मा, सेंट मैरी स्कूल में शिक्षिका हैं। मंगलवार सुबह करीब सात बजे वह रोज की तरह स्कूटी से स्कूल जा रही थीं। जैसे ही वह नेशनल हाईवे-74 पर हीरो होंडा शोरूम के सामने पहुंचीं, सड़क किनारे खड़ा भारी भरकम पापड़ी का पेड़ अचानक टूटकर उनकी स्कूटी पर आ गिरा। पेड़ के नीचे दबने से प्रियंका देवी गंभीर रूप से घायल हो गईं। उनकी चीख पुकार सुनकर

आसपास के दुकानदार और राहगीर मौके पर पहुंचे तथा काफी मशक्कत के बाद उन्हें पेड़ के नीचे से बाहर निकाला। घायल शिक्षिका को तत्काल आशीर्वाद अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है। हादसे की सूचना मिलते ही उनके पति सोहन लाल शर्मा और अन्य परिजन भी अस्पताल पहुंच गए। घटना के बाद परिजनों और स्थानीय लोगों में प्रशासन के प्रति नाराजगी देखने को मिली।

पेड़ गिरने से नगीना धामपुर मार्ग पर यातायात पूरी तरह बाधित हो गया। सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। वन विभाग के कर्मचारियों ने कटर मशीन की सहायता से पेड़ को काटकर सड़क से हटाया, जिसके बाद हाईवे पर यातायात सुचारु हो सका।

भीषण गर्मी और लू से बचाव को लेकर प्रशासन अलर्ट, जिलाधिकारी कविता मीना ने जारी की एडवाइजरी

हापुड़ (शिखर समाचार)। जनपद में लगातार बढ़ रही भीषण गर्मी और लू को देखते हुए जिला प्रशासन ने नागरिकों के लिए विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। 18 मई 2026 को हापुड़ में 44 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज होने के बाद प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। जिलाधिकारी कविता मीना ने कहा कि आने वाले दिनों में भी भीषण गर्मी और लू की संभावना बनी हुई है, इसलिए सभी लोग स्वयं, अपने परिवार और आसपास के लोगों की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखें।

जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा जारी दिशा निदेर्शों में लोगों से दोपहर 12 बजे से 3 बजे के बीच अनावश्यक रूप से बाहर न निकलने की सलाह दी गई है। यदि बाहर जाना आवश्यक हो तो सिर को गमछा, टोपी अथवा छाते से ढककर निकलें। प्रशासन ने कहा कि सिर ढकने से धूप का सीधा असर कम होता है और शरीर का तापमान नियंत्रित रहता है।

श्रमिकों और नागरिकों से कार्य के दौरान बीच बीच में छायादार स्थान पर विश्राम करने की अपील की गई है। कार्यस्थलों पर ठंडे पानी और प्राथमिक उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए हैं। श्रमिकों के बच्चों के लिए छायादार स्थान उपलब्ध कराने तथा लोगों को तापघात से बचाव के उपायों की जानकारी देने पर जोर दिया गया है। प्रशासन ने बार बार पानी, नमक चीनी का घोल और अन्य तरल पदार्थों का सेवन करने की सलाह

दी है।

जिलाधिकारी कविता मीना ने कहा कि भीषण गर्मी केवल इंसानों के लिए ही नहीं बल्कि पशु पक्षियों के लिए भी गंभीर चुनौती है। उन्होंने नागरिकों से घरों और सार्वजनिक स्थानों पर पानी के बर्तन रखने की अपील की ताकि पशु पक्षियों को राहत मिल सके। साथ ही सभी शिक्षण संस्थानों, औद्योगिक इकाइयों और कार्यालयों को लोगों को गर्मी से बचाव के प्रति जागरूक करने के निर्देश दिए गए हैं।

आपातकालीन सहायता के लिए पुलिस हेल्पलाइन 100 और 112, एम्बुलेंस सेवा 108, राहत आपदा नियंत्रण कक्ष 1070 तथा जिला आपदा नियंत्रण कक्ष 1077 पर संपर्क किया जा सकता है।

पूर्वांचल भवन के संचालन को लेकर नगर आयुक्त ने की पुरबिया समाज के लोगों के साथ बैठक

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने पूर्वांचल भवन के संचालन एवं सदस्यता अभियान को लेकर नगर निगम सभागार में पूर्वांचल समाज के सदस्यों के साथ बैठक की। बैठक में गाजियाबाद के विभिन्न क्षेत्रों से पूर्वांचल एवं बिहार परिवार के दर्जनों सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में पूर्वांचल भवन के संचालन, सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के विस्तार तथा समाज की अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित करने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि पूर्वांचल भवन की सदस्यता के लिए अजीवन सदस्यता शुल्क 11,000, विशेष सदस्यता शुल्क 5,100 तथा साधारण सदस्यता शुल्क 2,100 निर्धारित किया जाएगा। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बताया कि गाजियाबाद नगर निगम द्वारा

उत्तरांचल भवन के बाद पूर्वांचल भवन के संचालन हेतु कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। अगले 7 दिन के भीतर पूर्वांचल भवन पर भव्य रूप से बैठक का आयोजन किया जाएगा, जिसमें भारी संख्या में पूर्वांचल समाज के लोगों द्वारा सदस्यता ग्रहण की जाएगी। पूर्वांचल भवन के सफल संचालन हेतु कई समितियां भी आगे आ रही है, जिनके द्वारा अधिक से अधिक सदस्य बनाने का कार्य करते हुए नगर निगम का सहयोग किया जाएगा। बैठक में उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। शहर निवासियों को पूर्वांचल भवन का लाभ मिलेगा। उपस्थित सभी सदस्यों ने इस प्रस्ताव पर सहमति व्यक्त की तथा पूर्वांचल समाज को संगठित एवं सशक्त बनाने की दिशा में इसे एक महत्वपूर्ण पहल बताया। बैठक के दौरान ही कई सदस्यों ने ऑनलाइन भुगतान कर पूर्वांचल भवन की अजीवन सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर पुरबिया जनकल्याण परिषद की राष्ट्रीय अध्यक्ष रीता सिंह, प्रवक्ता जय दीक्षित, उपाध्यक्ष कंचन तिवारी, संजीव सिंह, तिलकराम पाण्डेय, सुभाष सिंह सहित कई सदस्यों ने अजीवन सदस्यता लेकर समाज के लोगों से भी पूर्वांचल भवन से जुड़ने एवं सदस्यता ग्रहण करने का आह्वान किया। इस मौके पर मनोज मुंगेरी, राकेश तिवारी, राजाराम मौर्य, सुजीत तिवारी, सुभाष सिंह, अमन शर्मा, आशीष कुमार, कैप्टन गोपाल, पिंटू सिंह आदि मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री की अपील पर सुनार समाज के साथ बैठक आयोजित

हापुड़ (शिखर समाचार)। प्रधानमंत्री की अपील के क्रम में हापुड़ में सुनार समाज के लोगों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में समाज और व्यापार से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में जिलाधिकारी कविता मीना और पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह भी उपस्थित रहे। दोनों अधिकारियों ने सुनार समाज के व्यापारियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना तथा उनसे विभिन्न सुझाव प्राप्त किए, ताकि सरकार की आगामी योजनाओं और नीतियों में व्यापारियों के सुझावों को शामिल किया जा सके। वार्ता के दौरान सुनार समाज के लोगों ने व्यापार से संबंधित अपनी समस्याएं और सुझाव अधिकारियों के समक्ष रखे। इस दौरान सरकार की विभिन्न योजनाओं तथा उनसे मिलने वाले लाभों की भी जानकारी दी गई। बैठक में बताया गया कि कार्यक्रम का उद्देश्य प्रधानमंत्री के संदेश और सरकार की जनहितकारी योजनाओं को समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंचाना है, ताकि अधिक से अधिक लोग इन योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें। उपस्थित लोगों ने समाज के हितों से जुड़े मुद्दों पर विचार-विमर्श करते हुए सरकार के साथ समन्वय बनाकर आगे बढ़ने की बात कही। बैठक का माहौल सकारात्मक और सहयोगात्मक रहा।

ईद उल अजहा को लेकर धर्मगुरुओं ने जिलाधिकारी को सौंपा 9 सूत्रीय ज्ञापन

बिजनौर (शिखर समाचार)। ईद उल अजहा (बकरीद) के पर्व को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने को लेकर जिले के प्रमुख मुस्लिम धर्मगुरुओं ने जिलाधिकारी से मुलाकात कर 9 सूत्रीय मांग पत्र सौंपा। शहर काजी मौलाना माजिद अली के नेतृत्व में पहुंचे प्रतिनिधिमंडल ने प्रशासन से त्योहार के दौरान कानून व्यवस्था, सफाई, बिजली पानी और यातायात संबंधी व्यवस्थाओं को सुचारू बनाए रखने की मांग की। धर्मगुरुओं ने बताया कि इस वर्ष ईद उल अजहा का पर्व 28 मई 2026 को मनाया जाएगा तथा 28, 29 और 30 मई तक कुबार्नी का सिलसिला जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि बकरा, बकरी और भैंस जैसे कुबार्नी के जानवर बाहर से वाहनों के माध्यम से जनपद में लाए जाते हैं, इसलिए प्रशासन यह

सुनिश्चित करे कि इन वाहनों को जनपद की सीमाओं और चेक पोस्टों पर अनावश्यक रूप से न रोका जाए और किसी प्रकार की परेशानी न हो। ज्ञापन में यह भी मांग की गई कि कुबार्नी के बाद अवशेषों के निस्तारण के लिए नगर पालिका द्वारा तत्काल सफाई और उचित प्रबंध किए जाएं। ईदगाहों और मस्जिदों तक जाने वाले रास्तों की मरम्मत और सफाई प्राथमिकता के आधार पर कराई जाए। साथ ही त्योहार के तीनों दिनों में जिले भर में निर्बाध बिजली और पानी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपने वालों में शहर काजी मौलाना माजिद अली, चांदपुर के शहर काजी मुफ्ती मोहम्मद आमिर, शेरकोट के शहर काजी मौलाना अमानूर रब, नजीबाबाद के शहर काजी काजी अफान उल हक, जमीयत उलेमा ए हिंद किरतपुर के अध्यक्ष काजी हारिस अली, इमाम मुफ्ती मोहम्मद वकार तथा मोहम्मद आदिल प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

लखनऊ लाठीचार्ज के विरोध में अधिवक्ताओं ने सौंपा ज्ञापन

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। राजधानी लखनऊ में अधिवक्ताओं के चैंबर तोड़े जाने के दौरान वकीलों पर हुए लाठीचार्ज को लेकर बुढ़ाना के अधिवक्ताओं में भारी रोष व्याप्त है। मंगलवार को बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सुरेशपाल वर्मा और महासचिव सुभाष राठी के नेतृत्व में अधिवक्ताओं ने मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन एसडीएम कृष्णकांत विश्वकर्मा को सौंपा।

अधिवक्ताओं ने लखनऊ में हुई घटना की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों को तत्काल निलंबित कर उनके विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की। साथ ही घायल अधिवक्ताओं को आर्थिक सहायता प्रदान करने तथा सरकार द्वारा

अधिवक्ताओं के चैंबरों का निर्माण कराए जाने की मांग उठाई गई। अधिवक्ताओं ने कहा कि वकीलों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अधिवक्ता संरक्षण अधिनियम को उत्तर प्रदेश में पूर्ण रूप से लागू किया जाना चाहिए।

ज्ञापन सौंपने के दौरान अधिवक्ता श्यामवीर सिंह, अशोक राठी, सीमा पंवार, अवध बिहारी गर्ग, कुलदीप, संजीव पंवार, ओमपाल मलिक सहित अनेक अधिवक्ता मौजूद रहे।

इंस्टाग्राम पर महिला मीडिया कर्मी के खिलाफ अश्लील टिप्पणी, रिपोर्ट दर्ज

मोदीनगर (शिखर समाचार)। नगर की एक महिला मीडिया कर्मी के खिलाफ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर अश्लील टिप्पणी किए जाने का मामला सामने आया है। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने आरोपी अकाउंट धारक के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार महिला मीडिया कर्मी ने 15 मई को इंस्टाग्राम पर एक समाचार पोस्ट किया था। आरोप है कि पोस्ट पर एक युवक ने अश्लील और आपत्तिजनक टिप्पणी की। घटना के बाद महिला मीडिया कर्मी ने मामले की शिकायत पुलिस से की।

पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर प्रिंस जाट फफराना नामक इंस्टाग्राम अकाउंट होल्डर के खिलाफ संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है तथा आरोपी की पहचान और गतिविधियों की पड़ताल की जा रही है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के आवास से नगदी और जेवरात चोरी

मोदीनगर (शिखर समाचार)। दिल्ली मेरठ मार्ग स्थित तहसील परिसर के पास बने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के एक आवास में चोर नगदी और जेवरात चोरी कर ले गए। मेरठ के थाना रोहटा क्षेत्र के गांव सतवाई निवासी रियासत अली भोजपुर के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में ब्लॉक प्रबंधक के पद पर कार्यरत हैं और मोदीनगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में बने आवास में परिवार के साथ रह रहे हैं। बताया गया कि दो दिन पहले रियासत अली परिवार सहित अपने गांव गए थे। सोमवार शाम जब वह वापस लौटे तो मकान का ताला टूटा मिला। अंदर जाकर देखा तो सामान बिखरा पड़ा था और अलमारी से जेवरात तथा नगदी गायब थी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस आसपास लगे निगरानी कैमरों की रिकॉर्डिंग भी खंगाल रही है। पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

आम के बाग में पेड़ से लटका मिला युवती का शव, पुलिस जांच में जुटी

बिजनौर (शिखर समाचार)। चांदपुर थाना क्षेत्र के बमनौला गांव के जंगल में मंगलवार सुबह एक आम के बाग में पेड़ से लटकता हुआ युवती का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया और स्थानीय पुलिस तुरंत मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। युवती की मौत को लेकर गांव में तरह तरह की चचाएं हो रही हैं। पुलिस क्षेत्राधिकारी देश दीपक सिंह ने बताया कि मंगलवार सुबह करीब 7:30 बजे पुलिस को सूचना मिली थी कि बमनौला गांव के जंगल में स्थित एक आम के बाग में पेड़ से युवती का शव फांसी के फंदे पर लटका हुआ है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। मृतका की पहचान कर ली गई है। बताया गया कि युवती बीते सोमवार 18 मई की दोपहर से रहस्यमय परिस्थितियों में लापता थी। परिजन लगातार उसकी तलाश कर रहे थे, लेकिन मंगलवार सुबह उसका शव आम के बाग में मिलने से परिवार में कोहराम मच गया। सीओ देश दीपक सिंह के अनुसार शुरूआती जांच में मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, लेकिन पुलिस हर पहलू को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए गए हैं और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। फिलहाल पुलिस मामले की गहन जांच में जुटी हुई है।

देशदीपक सिंह, पुलिस क्षेत्राधिकारी चांदपुर जनपद बिजनौर

रिश्वत मांगने वाला लेखपाल निलम्बित, तहसीलदार को जांच के आदेश

खतौली/मुजफ्फर नगर (शिखर समाचार)। खतौली तहसील में तैनात लेखपाल अमित कुमार को रिश्वत मांगने और राजस्व विभाग की गरिमा धूमिल करने के आरोप में एसडीएम ललित मिश्रा ने तत्काल प्रभाव से निलम्बित कर दिया है। साथ ही मामले की जांच तहसीलदार अरविन्द कुमार को सौंपते हुए एक माह में रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। एसडीएम ललित मिश्रा ने बताया कि उन्हें एक ऑडियो के माध्यम से जानकारी मिली थी कि लेखपाल अमित कुमार जाति प्रमाण पत्र जल्द बनवाने के बदले 300 रुपये की मांग कर रहा था। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई की गई। बताया गया है कि लेखपाल की तैनाती दिनकरपुर गांव में थी। आरोप है कि बसधाड़ा गांव के प्रधान और लेखपाल के बीच हुई बातचीत में प्रमाण पत्र शीघ्र जारी कराने के बदले तीन सौ रुपये मांगने की बात सामने आई थी। मामले के प्रकाश में आने के बाद तहसील क्षेत्र में चर्चा का माहौल बना हुआ है।

गाजियाबाद नगर निगम

अल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रण सूचना

पत्रांक: 213 जलकल/2026–27 दिनांक– 15/5/26

गाजियाबाद नगर निगम, के जलकल विभाग द्वारा 15वीं वित्त आयोग, गाजियाबाद विकास प्राधिकरण, गाजियाबाद से भाऊदेवरस योजना के के0ए0–ब्लॉक एवं बी0एच0–ब्लॉक, के हस्तगत किये जाने उपरांत (जी0डी0ए0) अवस्थापना विकास निधि के अन्तर्गत प्राप्त धनराशि से, अवस्थापना विकास निधि से प्राप्त धनराशि से एवं निगम निगम से स्वीकृत विभिन्न कार्यों की अल्पकालीन नवीन ई–निविदा / पुनः ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा उ0प्र0 प्रदेश उत्तर प्रदेश की ई–प्रिक्योरमैन्ट की वेबसाईट http:/etender.up.nic.in से प्राप्त किये जा सकते है। शासनादेश संख्या–3890 / नौ–5–19–149सा / 2019 दिनांक 20.09.2019 के क्रम में निविदादाता को निविदा शुल्क धनराशि एवं निर्धारित धरोहर धनराशि निविदा सूची में कार्य के सम्मुख अंकित निविदा शुल्क (Non Refundable)एवं धरोहर राशि (Refundable) वेबसाइट http:/etender.up.nic.in पर जमा करना अनिवार्य होगा। साईट पर अल्पकालीन निविदा 19.05.2026 से दिनांक 30.05.2026 तक पुनः ई–निविदा एवं नवीन ई–निविदाएं दिनांक 19.05.2026 से 08.06.2026 को अपराह्नः 2:00 बजे तक अपलोड करना आवश्यक होगा, जिन्हें तद्दिनांक की सांय 4:00 बजे खोला जाएगा। ऐसी निविदादाता / फर्म जो नगर निगम, गाजियाबाद में पंजीकृत है अथवा नही है, के लिये शासनादेश संख्या–3890 / नौ–5–19– 149सा / 2019 दिनांक 20.09.2019 के आलोक में निविदादाता का चरित्र प्रमाण–पत्र, हैसियत प्रमाण–पत्र, समान कार्य का अनुभव प्रमाण–पत्र तथा जी0एस0टी0 नम्बर वेबसाइट पर अपलोड करना आवश्यक होगा। विस्तृत निविदा सूचना एवं शर्तें वेबसाइट http:/etender.up.nic.in पर देखी जा सकती है।

15वें वित्त आयोग, गाजियाबाद विकास प्राधिकरण, गाजियाबाद से भाऊदेवरस योजना के के0ए0–ब्लॉक एवं बी0एच0–ब्लॉक, के हस्तगत किये जाने उपरांत (जी0डी0ए0) अवस्थापना विकास निधि के अन्तर्गत प्राप्त धनराशि से, अवस्थापना विकास निधि से प्राप्त धनराशि से एवं निगम निगम की तकनीकि बिड हेतु	
15वें वित्त आयोग, गाजियाबाद विकास प्राधिकरण, गाजियाबाद से भाऊदेवरस योजना के के0ए0–ब्लॉक एवं बी0एच0–ब्लॉक, के हस्तगत किये जाने उपरांत (जी0डी0ए0) अवस्थापना विकास निधि के अन्तर्गत प्राप्त धनराशि से, अवस्थापना विकास निधि से प्राप्त धनराशि से एवं निगम निगम की तकनीकि बिड हेतु नियत तिथि	19.05.2026 से दिनांक 30.05.2026 तक पुनः ई–निविदा एवं नवीन ई–निविदाएं दिनांक 19.05.2026 से 08.06.2026 तक की अपरान्हः 2.00 बजे तक नवीन ई–निविदा

आमंत्रित निविदा की सर्व प्रथम तकनीकि बिड अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय कक्ष में निविदा समिति के समक्ष खोली जायेगी। तकनीकि बिड में अर्हता रखने वाले योग्य निविदादाताओं की वित्तीय बिड खोलने की सूचना पृथक से दी जायेगी। यदि निविदा तिथि को अवकाश होता है तो निविदा अगले कार्यदिवस में खोली जायगी।

महाप्रबन्धक (जल)
गाजियाबाद नगर निगम

संक्षिप्त समाचार

जंक्शन पर अस्थायी प्रतीक्षालय शुरू

लखनऊ, एजेंसी। जंक्शन रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा के लिए अस्थायी प्रतीक्षालय रविवार से शुरू कर दिया गया। 70 यात्रियों की क्षमता वाला यह प्रतीक्षालय निशुल्क है। इसमें पंखे, मेज शौचालय, चार्जर आदि सुविधाएं भी मिलेंगी। बीते बृहस्पतिवार को जंक्शन स्टेशन पर बने महिला प्रतीक्षालय की छत उस वक्त गिर गई थी, जब इसके विस्तार के लिए दीवार, पिलर तोड़े जा रहे थे। हादसे के बाद तीनों प्रतीक्षालय बंद कर दिए गए थे। इससे यात्रियों के पास बैठने की व्यवस्था नहीं थी और उन्हें प्लेटफॉर्म पर ट्रेनों का इंतजार करना पड़ रहा था।

क्या है आगरा विवि की नई प्रवेश नियमावली, शिक्षक संघ में आक्रोश

आगरा, एजेंसी। उत्तर प्रदेश विश्वविद्यालय महाविद्यालय शिक्षक संघ (फुपुक्टा) ने डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय की सत्र 2026-27 की प्रवेश नियमावली में की गई शुल्क वृद्धि और विभिन्न प्रावधानों को छात्र विरोधी बताया है। संघ ने उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय को ज्ञापन देकर जल्द कार्रवाई कराने की मांग की है।आरोप लगाया कि इनक्यूबेशन और आईसीटी जैसी सुविधाओं का लाभ सभी छात्रों को नहीं मिलता, फिर भी इसे प्रतिवर्ष अनिवार्य शुल्क के रूप में वसूला जा रहा है। इसी तरह कई कॉलेजों में आईसीटी की सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं, इसके बावजूद छात्रों से शुल्क लिया जा रहा है। शासन की ओर से 30 प्रतिशत सीट वृद्धि के एवज में संबद्ध महाविद्यालयों से प्रति पाठ्यक्रम 10 हजार वसूले जा रहे हैं और इसकी कोई आधिकारिक रसीद भी नहीं दी जाती है।फुपुक्टा ने शुल्क वापसी नीति को भी यूजीसी की फीस रिफंड पॉलिसी 2019 के विपरीत बताया है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो संगठन छात्र एवं शिक्षक हित में आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा।

जन आरोग्य मेले में आए जुकाम, बुखार और खांसी के ज्यादा मरीज

जौनपुर , एजेंसी। ग्रामीण क्षेत्र के मरीजों को इलाज की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए रविवार को स्वास्थ्य इकाइयों पर मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। मेले में इलाज के लिए जुकाम, बुखार और खांसी के मरीज ज्यादा आए। 140 मरीजों की जांच कर उपचार किया गया। मछलीशहर के जमालपुर पीएचसी पर मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले में 21 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर दवा दी गई। डॉ. आरके यादव ने 8 पुरुष, 11 महिलाओं और 2 बच्चों का इलाज किया। डॉक्टर ने बताया कि श्वांस, गैस्ट्रो, डायबिटीज, चर्मरोग, हाईपरटेंशन, बुखार आदि के मरीज आए। मेले में फार्मासिस्ट राय साहब, नेत्र सहायक हरिवंश गौतम और एएनएम माला देवी उपस्थित रहीं। सिंगरामऊ -प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. अभिषेक वर्मा के नेतृत्व में हुआ। मेले में 77 मरीजों का इलाज किया गया। महिला चिकित्सक पूजा त्रिपाठी ने भी मरीजों का इलाज किया। क्षेत्र के पीएचसी जमऊपट्टी में डॉ. सुशील कुमार की देखरेख में 11 मरीजों का इलाज किया गया। मरीजों में जुकाम, बुखार, खांसी, शुगर, गठिया के मरीज की संख्या अधिक रही। डॉ. वर्मा ने मौसम के उतार-चढ़ाव और भीषण गर्मी को देखते हुए मरीजों को सतर्क रहने की सलाह दी। तेजी बाज़ार -प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर जन आरोग्य स्वास्थ्य मेले में डॉ. श्रीनिवास निगम ने बताया कि 36 मरीज आए। सभी की जांच कर दवा दी गई। गर्मी से बचाव के उपाय बताए गए। ओआरएस पावडर दिया गया। सभी को लू से बचाव के लिए टिप्स दिए गए। चार गर्भवती महिलाएं एवं धात्री का एनम रंभा सिंह ने वजन और चेकअप किया। आयरन, कैल्शियम और विटामिन की दवाएं दी गईं। इस दौरान फार्मासिस्ट, वार्डबॉय, एलटी, दिलीप यादव आदि रहे।

एक करोड़ से रूपपुर कमालू में बनेगा होम्योपैथिक चिकित्सालय

पीलीभीत , एजेंसी। बीसलपुर रोड स्थित रूपपुर कमालू में एक करोड़ रुपये की लागत से होम्योपैथिक चिकित्सालय का निर्माण होगा। इसके लिए सरकारी भूमि हस्तांतरित हो गया है। अब विभाग डीपीआर (डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट) तैयार करने में जुट गया है। अभी तक जिला होम्योपैथिक चिकित्सालय मेडिकल कॉलेज से संबद्ध जिला अस्पताल के परिसर में तीन कमरों में संचालित होता है। इसमें एक कमरे में दवाएं, चिकित्साधिकारी व स्टोर रूम बना है। इससे अधिकारियों और कर्मचारियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। इस सिलसिले में मेडिकल कॉलेज की ओर से विभाग को पत्राचार किया गया। शहर से सटे गांव रूपपुर कमालु में 500 गज भूमि चयनित व हस्तांतरित होने के बाद अब विभाग की ओर से डीपीआर बनाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

यूपी में बढ़ेंगी एमबीबीएस की 500 और पीजी की 200 सीटें

भेजा गया प्रस्ताव, नए सत्र के लिए तैयारी शुरू

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में सरकारी एवं स्वशासी मेडिकल कॉलेजों में यूजी (एमबीबीएस) की 500 और पीजी (एमडी- एमएस, डीएम- एमसीएच) की करीब 200 सीटें बढाने की तैयारी है। इसके लिए प्रस्ताव नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) को भेज दिया गया है। सभी प्रधानाचार्यों को निर्देश दिया गया कि सीटें बढ़ाने से पहले होने वाले निरीक्षण की सभी तैयारी पूरी रखें। प्रदेश में अभी एमबीबीएस की सरकारी क्षेत्र की 5250, एमडी- एमएस की 1906 और डीएम-एमसीएच की 295 सीटें हैं। इसी तरह निजी कॉलेजों में एमबीबीएस की 6600 और एमडी-एमएस की 2104 सीटें हैं। चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण निदेशालय ने यूजी की करीब 500 और पीजी की करीब 200 सीटों का प्रस्ताव नेशनल मेडिकल कमीशन को भेजा है।

अलग- अलग विभाग में पांच से 15 तक बढ़ाने की तैयारी

राजकीय मेडिकल कॉलेजों में जहां 200 सीटें हैं, वहां 25 से 30 सीटों का प्रस्ताव है। इसी तरह पहले चरण के स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालयों में अभी 100-100 सीटें हैं। यहां 150 करने का प्रस्ताव है। इन कॉलेजों में पीजी की सीटें भी अलग- अलग विभाग में पांच से 15 तक बढ़ाने की तैयारी है।

डा. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान में 500 बेड का नया अस्पताल बनना है। यहां फैकल्टी की भर्ती हो चुकी है। ऐसे में यहां एमबीबीएस की सीटें 200 से बढ़ाकर 250 करने और पीजी की सीटें 150 करने की तैयारी है। यहां विभिन्न विभागों में डीएम और एमसीएच की सीटें भी बढ़ाने का प्रस्ताव है।

इसी तरह एसजीपीजीआई ने भी डीएम और एमसीएच सीटें बढ़ाने का प्रस्ताव भेजा है। मेडिकल कॉलेजों में सीटें बढ़ाने को मंजूरी देने से पहले एनएमसी की ओर से टीमें भेजी जाएंगी। जून और जुलाई माह में यह टीमें अस्पतालों के संकाय सदस्यों, अन्य कर्मचारियों , लैब और आधारभूत सुविधाओं की जांच करेगी। सुविधाएं मानक के अनुरूप पाए जाने पर सीट बढ़ोत्तरी के लिए मंजूरी देगी।

लगातार हो रही है भर्ती

प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों में चिकित्सा शिक्षकों की लगातार भर्ती हो रही है। जिन कॉलेजों से सीटें बढ़ाने का प्रस्ताव दिया गया है, वहां नियमित साक्षात्कार का आयोजन किया जा रहा है। इसके लिए प्रधानाचार्य की अध्यक्षता में कमेटी बनाई गई है।

चिकित्सा शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव अमित कुमार घोष ने सभी प्रधानाचार्यों को निर्देश दिया है कि नेशनल मेडिकल कमीशन की टीम के निरीक्षण से पहले सभी तैयारी पूरी कर लें। ताकि सीट बढ़ाने के आवेदन के अनुसार सभी सुविधाएं मुकम्मल मिले।

प्रधानाचार्यों को यह भी निर्देश दिया गया है कि यदि किसी कारणवश संबंधित कॉलेज की सीटें नहीं बढ़ती हैं तो अगले सत्र के लिए अभी से तैयारी जारी रखें। अगले सत्र में किसी तरह की कमी न होने पाए। जिन कॉलेजों को पीजी की सीटें नहीं मिल पाएंगी वे डीएनबी के लिए भी आवेदन कर रहे हैं। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि प्रदेश में चिकित्सा सुविधाओं का लगातार विस्तार किया जा रहा है। एमबीबीएस के साथ ही पीजी की सीटें भी चरणवद्ध तरीके से बढ़ाई जा रही है। जिन कॉलेजों ने संसाधन मुकम्मल हैं, उन्होंने सीट बढ़ाने का प्रस्ताव भेजा है। उम्मीद है कि इस बार पीजी की ज्यादातर सीटें मिल जाएंगी।

खेलते-खेलते गहरे पानी में समाया मासूम, चीखों से दहल उठा परिसर; मां-बाप के सामने गई जान

आगरा, एजेंसी। आगरा के थाना किरावली क्षेत्र के गांव सकतपुर और पाली सदर के पास स्थित तेवतिया वाटर पार्क में रविवार शाम करीब छह बजे परिजन के साथ नहाने गया आठ वर्षीय बच्चा गहरे पानी में डूब गया। परिजन पानी से निकालने के बाद निजी अस्पताल ले गए, जहां से उसे रेफर कर दिया। एसएन मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी में उसे मृत घोषित कर दिया गया।

थाना शाहगंज क्षेत्र के अजीत नगर, खेरिया निवासी रोबिन ऑनलाइन जूते-चप्पल बेचने का काम करते हैं। रविवार को वह पत्नी नीलम और आठ वर्षीय बेटे मनित के साथ वाटर पार्क घूमने आए थे। नहाते समय मनित परिजन से अलग होकर गहरे पानी में चला गया। काफी देर तक दिखाई नहीं देने पर परिजन और कर्मचारियों ने उसकी तलाश शुरू की। बाद में उसे पानी से बाहर निकाला गया और उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद माता-पिता शव लेकर चले गए। सूचना पर थाना शाहगंज पुलिस घर पहुंची और घटना की जानकारी ली। एसीपी लोहामंडी गौरव सिंह ने बताया कि वाटर पार्क में घटना हुई है। परिजन पहले पोस्टमार्टम नहीं कराना चाहते थे। उन्हें समझाकर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। परिजन लिखित शिकायत करेंगे तो जांच कराई जाएगी। वाटर पार्क का पंजीकरण था या नहीं, ये पता किया जाएगा। इसके साथ ही सुरक्षा इंतजामों की जानकारी ली जाएगी। जानकारी मिली है कि इस वाटर पार्क में हाल ही में लॉकर से मोबाइल और रुपये चोरी का मामला सामने आया था।

मेरठ में 1.07 करोड़ की ठगी: ब्याज के लालच ने महिला को बनाया शिकार, पहले भरोसा जीता, फिर बड़ी रकम लगवाई

मेरठ , एजेंसी। मेरठ के मोदीपुरम क्षेत्र में ब्याज पर मोटा मुनाफा दिलाने का लालच देकर एक महिला से करीब 1 करोड़ 7 लाख 65 हजार रुपये ठगने का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मुख्य आरोपी महिला समेत चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पीड़िता रितु सिंह ने पल्लवपुरम थाने में दी शिकायत में बताया कि वह ग्रेटर अप्पू एन्क्लेव में किराये के मकान में रहती है। नवंबर 2025 में उसकी मुलाकात कॉलोनी में रहने वाली रेनू तोमर नामक महिला से हुई, जिसने खुद को वित्त का काम करने वाली बताते हुए व्यापार में पैसा लगाने पर अच्छा मुनाफा दिलाने का भरोसा दिया।

पहले भरोसा जीता, फिर बड़ी रकम लगवाई : पीड़िता के अनुसार शुरुआत में आरोपी महिला ने थोड़ी राशि पर लाभ देकर उसका विश्वास जीत लिया। इसके बाद उसे अधिक धन लगाने के लिए प्रेरित किया गया।

आरोप है कि पीड़िता ने अपने और परिवार के खातों से धन निकालकर, नकदी तथा आभूषण गिरवी रखकर करीब 1 करोड़ 7 लाख 65 हजार रुपये आरोपी और उसके बताए खातों में भेज दिए। कुछ समय तक आरोपी लाभांश देती रही, लेकिन बाद में भुगतान बंद कर दिया और बहाने बनाने लगी।

साथियों के नंबर देकर पल्ला झाड़ा : रितु सिंह का आरोप है कि जब उसने पैसे वापस मांगे तो आरोपी महिला ने अपने कुछ अन्य साथियों के नंबर देकर उनसे बात करने को कहा। जब पीड़िता ने उन लोगों से संपर्क किया तो उन्होंने खुद को पहचानने से ही इनकार कर दिया। पीड़िता के अनुसार जब उसने सख्ती दिखाई तो आरोपी पक्ष की ओर से धमकी मिलने लगी और रकम लौटाने से साफ मना कर दिया गया।

गिरोह बनाकर कई लोगों से ठगी की आशंका : पीड़िता का आरोप है कि आरोपियों ने सुनियोजित तरीके से गिरोह बनाकर कई लोगों को इसी तरह ठगने का काम किया है। मामले में पीड़िता ने सभी लेनदेन से जुड़े प्रमाण पुलिस को सौंप दिए हैं और रेनू तोमर, हिमांशु, कशिश और करन मलिक को नामजद करते हुए मामला दर्ज कराया है।

क्षेत्राधिकारी दौराला प्रकाश चंद्र अग्रवाल ने बताया कि शिकायत के आधार पर संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है। आरोपियों की तलाश की जा रही है और जल्द ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

47 श्रद्धालुओं का पंजीकरण विवाद, जिला अस्पताल की रिपोर्ट पर श्राइन बोर्ड ने उठाए सवाल

आगरा, एजेंसी। आगरा के जैतपुर के 47 श्रद्धालुओं की अमरनाथ यात्रा पर जिला अस्पताल आगरा की स्वास्थ्य परीक्षण रिपोर्ट का ग्रहण लग गया है। अमरनाथ श्राइनबोर्ड ने रिपोर्ट को फर्जी बता कर पंजीकरण रद्द करने की बात कही है, पंजीकरण के लिए शर्त रखी है कि जिला अस्पताल की आईडी से श्राइनबोर्ड को स्वास्थ्य परीक्षण रिपोर्ट मेल की जाए।

जैतपुर के राजू नौपुत्रा ने जनसुनवाई पोर्टल पर दर्ज कराई शिकायत के मुख्यमंत्री को संबोधित पत्र में कहा है कि उन्होंने एवं राजू सिंह, कृष्ण कुमार, ब्रजेश कुमार, राजीव कुमार, अनिल कुमार महेरे आदि ने जिला अस्पताल आगरा में स्वास्थ्य परीक्षण कराया था।

अमरनाथ यात्रा के लिए रिजर्वेशन भी करा लिया है। उन्होंने बताया कि अमरनाथ श्राइनबोर्ड ने स्वास्थ्य परीक्षण रिपोर्ट पर आपत्ति उठाकर फोन काल पर कहा कि जिला अस्पताल की आईडी से मेल कराने पर ही पंजीकरण संभव होगा।

शिकायत में आरोप है कि सीएमओ से संपर्क किया तो उन्होंने एसआईटी को, एसआईटी ने नोडल अधिकारी को, नोडल अधिकारी ने सीएमएस से संपर्क करने को बोल दिया। जैतपुर से 90 किमी दूर जिला अस्पताल में शनिवार को दिनभर भटकने के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हो सका है। उन्होंने मुख्यमंत्री से अमरनाथ यात्रा में खड़े आ रही समस्या के समाधान की गुहार लगाई है।

बंदी की इलाज के दौरान मौत, पुलिस पर पिटाई का आरोप

लखनऊ, एजेंसी। जिला कारागार में निरुद्ध प्रॉपर्टी डीलर अनुज कुमार (36) की शनिवार दोपहर इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक के परिजनों ने बिजनौर पुलिस पर पिटाई का आरोप लगाते हुए दरोगा के खिलाफ कार्रवाई और मुआवजे की मांग की है।

जेलर ऋत्विक प्रियदर्शी के अनुसार, बिजनौर के बलसिंहखेड़ा निवासी अनुज को शनिवार को गिरफ्तार किया गया था। उसके खिलाफ कोर्ट ने गैर-जमानती वारंट जारी किया था। रविवार दोपहर उसकी तबीयत बिगड़ी और उसने जी मिचलाने व उल्टी की शिकायत की। जेल अस्पताल में भर्ती होने पर उसे खून की उल्टी हुई। अनुज ने डॉक्टर को बताया कि उसके लीवर में स्टंट था और वह 10 वर्षों से शराब का आदी था।

वरिष्ठ जेल अधीक्षक राजेंद्र कुमार जायसवाल ने बताया कि हालत में सुधार न होने पर उसे बलरामपुर अस्पताल भेजा गया। वहां इलाज के दौरान उसे फिर खून की उल्टी हुई और उसकी मौत हो गई। अनुज के परिवार में पत्नी महक यादव और दो बेटे अंश (12) व वंश (7) हैं।

माती चौकी इंचार्ज पर पिटाई का आरोप

अनुज की पत्नी महक यादव ने बिजनौर की माती चौकी इंचार्ज अभिराम शुक्ला पर पिटाई का आरोप लगाया है। परिजनों ने आरोपी दरोगा पर रिपोर्ट दर्ज कर मुआवजा दिलाने की मांग की। वे कार्रवाई की मांग को लेकर अंतिम संस्कार से इन्कार कर प्रदर्शन पर अड़े रहे। एसीपी कृष्णानगर रजनीश वर्मा ने आरोपों को निराधार बताया है। उन्होंने कहा कि अनुज का सरोजनीनगर सीएचसी में मेडिकल परीक्षण कराने के बाद जेल में दाखिल किया गया था।

कमर भर पानी के बाद 30 फीट गड्ढा, एक-एक कर टूटीं चारों की सांसें, निजाम ने सुनाई पूरी कहानी

कानपुर, एजेंसी। फतेहपुर जिले में गर्मी में नहाने पहुंचे दोस्त नदी की हकीकत से अनजान थे। नदी के किनारे रहने वाले लोग भी जिस कुंड के पास जाने से घबराते हैं। वहीं, चार दोस्तों की मौत का कारण बन गया। नदी किनारे से करीब 50 मीटर दूर बीच धारा में बने करीब 30 फीट गहरे कुंड से चारों युवकों के शव निकाले गए। ललौली थाना क्षेत्र के कुनुहांडेरा गांव किनारे रविवार दोपहर नदी का इलाका सुनसान था। घटनास्थल से करीब 300 मीटर दूर बांदा के रामपुर को जोड़ने वाले पुल का निर्माण चल रहा है। निर्माण स्थल पर सेतु निगम ने आवाजाही के लिए नाव की व्यवस्था कर रखी है। तपनी गांव के युवक उसी सुनसान जगह पर नहाने पहुंचे थे।

जाल के सहारे गहराई में उतरकर शव बाहर निकाले : गोताखोरों के मुताबिक नदी में उतरने पर पहले कमर तक पानी था। करीब 10 मीटर आगे पानी छाती तक पहुंचता है और 50 मीटर आगे गहरा कुंड है। इसी कुंड में डूबने से अंश, शाहिद खां उर्फ टोबो, मो. शान मंसूरी और हसीबुद्दीन की मौत हो गई। गोताखोरों ने जाल के सहारे गहराई में उतरकर शव बाहर निकाले। ग्रामीणों का कहना है कि वे कभी इस कुंड के पास नहीं जाते। पहले यहां कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ था।

घरों से पैदल नदी किनारे पहुंचे परिजन : अंश, शाहिद खां उर्फ टोबो, मो. शान मंसूरी और हसीबुद्दीन रविवार दोपहर खाना खाने के बाद गांव में वक्त बिताने निकले थे। चारों की उम्र 17 से 20 साल के बीच थी। सभी दोस्तों को बाइक से घूमने और साथ रहने का शौक था। किसी को अंदाजा नहीं था कि यह उनकी आखिरी मुलाकात होगी।

जिगरी दोस्तों की दोस्ती का सफर खत्म : हादसे की खबर गांव पहुंचते ही सैकड़ों लोग पैदल नदी की ओर दौड़ पड़े। घटनास्थल गांव से करीब पांच से छह किलोमीटर दूर था। एक-एक कर चारों शव बाहर निकाले गए, तो परिजन को भरोसा नहीं हो रहा था कि उनके अपने अब इस दुनिया में नहीं रहे। नदी किनारे पड़े कपड़ों को पकड़कर परिजन बिलखते रहे। महिलाओं की चीख-पुकार से माहौल गमगीन हो गया।

परिजनों के चेहरे गमगीन : शाहिद उर्फ टोबो तपनी गांव निवासी सन्ने खां के चार बेटों में एक था। वह बहुआ इंटर कॉलेज में इंटर का छात्र था। उसकी मौत से मां फरजाना और भाई गोले, भोले व साहिल बदहवास हैं। मो. शान मंसूरी की मौत से पिता नफीस मंसूरी, मां सबीना, भाई नौशाद और बहनें शबा, सना व नौशीन का रो-रोकर बुरा हाल है। वह प्रताप हायर एजुकेशन सिधांव में बीए का छात्र था। हसीबुद्दीन मुंबई में बुआ जुबैदा के यहां रहकर आईटीआई की पढ़ाई कर रहा था। वह एक सप्ताह पहले ही गांव लौटा था। उसके पिता फरीद खां सऊदी अरब में रहते हैं। मां तय्यबा और भाई हस्सान बेसुध नजर आए।अंश के पिता गोरे प्रजापति चेन्नई में रहते हैं। बेटे की मौत से मां सोनम बदहवास हैं। छोटा भाई आर्यन भी गहरे सदमे में है। अंश को रविवार रात चेन्नई जाने के लिए कानपुर से ट्रेन पकड़नी थी।

दोस्त बोला- अढ़ावल की जगह कुनुहाडेरा चलने का बना था प्लान : चार दोस्तों की मौत के बाद तपनी गांव में मातम पसरा है। डूबने से बचे निजाम और अरमान अब भी दहशत में हैं। दोनों को गांव के लोग संभालते नजर आए। उनके चेहरों पर हादसे का खौफ साफ दिख रहा था। निजाम ने बताया कि शाहिद खां उर्फ टोबो, शान, अंश और हसीबुद्दीन समेत कई दोस्त दोपहर में मिले थे। पहले यमुना नदी के अढ़ावल घाट पर नहाने की बात हुई थी, लेकिन शाहिद ने कहा कि कुनुहाडेरा नजदीक है।वहीं, रिंद नदी में नहा लेते हैं। नदी में आगे बढ़ने पर अंश का पैर गहराई में चला गया और वह डूबने लगा। उसे बचाने में बाकी तीन दोस्त भी गहराई में चले गए। शोर मचाने पर दोस्त मोनू और शहबाज ने लोगों को बुलाया। स्थानीय ग्रामीणों और निर्माणाधीन पुल पर काम कर रहे मजदूरों ने उन्हें बचाया। निजाम ने कहा कि अब वे कभी नदी, नहर या तालाब में नहाने नहीं जाएंगे।

50 से अधिक गोताखोरों ने चलाया रेस्क्यू, नदी किनारे उमड़ी भीड़ : चारों युवकों को बचाने के लिए 50 से अधिक गोताखोर नदी में उतर गए। जाल डालकर शवों की तलाश की गई। नदी किनारे टीलों पर भारी भीड़ जुटी रही। चीख-पुकार और शोर के बीच लोग मोबाइल से फोटो और वीडियो बनाते रहे। बाहर निकाले गए युवकों को बचाने के लिए पेट दबाकर पानी निकालने की कोशिश भी की गई।

ललौली। सपा सांसद ने ललौली थाना क्षेत्र के तपनी गांव में यमुना नदी में डूबने से चार युवकों की मौत पर शोक जताया। उन्होंने स्थानीय सपा कार्यकर्ताओं के माध्यम से पीड़ित परिवारों से बात कर हर संभव मदद दिलाने का आश्वासन दिया। सांसद सोमवार को परिजनों से मिलने पहुंचेंगे। गर्मी में रिंद नदी में नहाते समय आठ दोस्तों में छह युवक कुंड की गहराई में चले जाने से डूब गए। हादसे में चार युवकों की मौत हो गई। इनमें से एक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया और तीन की सांसें सीएचसी में थम गईं। वहीं दो की जान बचा ली गई। हादसे को देखकर दो अन्य साथी बुरी तरह सहम गए। एएसपी ने घटनास्थल पर पहुंचकर परिजन और ग्रामीणों से पूछताछ कर साक्ष्य जुटाए।ललौली थाना क्षेत्र के तपनी गांव निवासी निवासी अंश (18), शाहिद खां उर्फ टोबो (19), मो. शान मंसूरी (20), हसीबुद्दीन (20), निजाम (17), मोनू रैदास (20), अरमान (18) और शाहबाज (19) रविवार दोपहर करीब 12 बजे गांव में बैठे थे। गर्मी अधिक होने पर सभी तीन बाइकों से कुनुहा डेरा के पास रिंद नदी में नहाने चले गए।

जनगणना में लापरवाही करने वालों पर होगी नियमानुसार कार्यवाही : डीएम

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। जनगणना-2027 के अन्तर्गत जनपद गाजियाबाद में आगामी चरण मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना 22 मई-20 जून 2026 तक 30 दिन की अवधि में कार्य को गुणवतापूर्ण, समयबद्ध तथा जनगणना कार्य निदेशालय के निदेशों के अनुसार पूर्ण कराने हेतु सभी चार्ज अधिकारी के साथ बैठक जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मॉंदड़ की अध्यक्षता में महात्मा गांधी सभागार में सम्पन्न हुई। जिलाधिकारी ने सभी चार्ज अधिकारियों को निर्देश दिये कि सभी प्रगणकों और सुपरवाईजर को प्रगणक ब्लाक आंवटित कर नियुक्ति पत्र आज ही प्राप्त करायें। सभी प्रगणकों और सुपरवाईजर अपने आंवटित क्षेत्रों मे दिनांक 21 मई 2026 को भ्रमण कर क्षेत्र की पहचान कर लें तथा 22 मई 2026 से 23 मई 2026 के मध्य ले आउट मेप तैयार करें। सभी प्रगणक और सुपरवाईजर अपने कार्यालय अवधि के पहले तथा बाद में यह कार्य करेंगे। कार्य में शिथिलता बरतने वाले तथा अनुपस्थित प्रगणक और सुपरवाईजर के विरूद्ध जनगणना अधिनियम 1948 के सुसंगत धाराओं के अन्तर्गत कार्यवाही करें। जनगणना 2027 के अन्तर्गत चरण। मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य 22 मई से 20 जून 2026 तक (30 दिन की अवधि मे) गुणवतापूर्ण, समयबद्ध तथा जनगणना कार्य निदेशालय के निदेशों के अनुसार पूर्ण कराये। जनगणना कार्य में

नियुक्त सभी अधिकारी / कार्मिक जनगणना अधिनियम 1948 की धारा-4 और 11 के अन्तर्गत लोक सेवक है तथा जनगणना कार्य में सहायता प्रदान करने हेतु विधिक रूप से बाध्य है। इस राष्ट्रीय कार्य में किसी भी प्रकार की शिथिलता, कर्तव्य से इंकार या लापरवाही बर्तना दण्डनीय है, जिसके लिए एक हजार रुपए तक जुमार्ना और दोष सिद्ध की दशा में तीन वर्ष तक के कारावास की सजा भी हो सकती है। बैठक में मुख्य रूप से अंजनी कुमार सिंह, जिला जनगणना अधिकारी /अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) गाजियाबाद, अपर नगर आयुक्त सहित संबंधित अधिकारी गण उपस्थित रहे।

संदिग्ध परिस्थितियों में उपनिरीक्षक का भाई लापता, तलाश जारी

जेवर (शिखर समाचार) जेवर कोतवाली में तैनात एक उपनिरीक्षक का भाई संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया। घटना के तीन दिन बीत जाने के बावजूद उसका कोई सुराग नहीं लग सका है। पीड़ित उपनिरीक्षक ने कोतवाली में गुमशुदगी दर्ज कराते हुए पुलिस से जल्द तलाश की मांग की है। जानकारी के अनुसार जेवर कोतवाली में तैनात उपनिरीक्षक रोहित ने बताया कि उनका भाई धर्मेंद्र सिंह (35) आर एंड आर कॉलोनी स्थित गांव दयानतपुर खेड़ा में परिवार के साथ किराए के मकान में रहता है। धर्मेंद्र सिंह जेवर एयरपोर्ट में नौकरी करता है। बताया गया कि रविवार शाम वह अचानक संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया। परिजनों ने अपने स्तर पर उसकी काफी तलाश की और रिश्तेदारों व परिचितों से भी संपर्क किया, लेकिन काफी खोजबीन के बाद भी उसका कोई पता नहीं चल सका। इसके बाद उपनिरीक्षक रोहित ने जेवर कोतवाली में अपने भाई की गुमशुदगी दर्ज कराई। पीड़ित परिवार ने धर्मेंद्र सिंह का पता बताने वाले व्यक्ति को उचित इनाम देने की घोषणा भी की है। वहीं पुलिस ने मामला दर्ज कर आसपास के क्षेत्रों में तलाश शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है और जल्द ही युवक का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

जनसमस्याओं को लेकर सपा का प्रदर्शन, नीट पेपर लीक से बिजली संकट तक सरकार पर बोला हमला

दादरी (शिखर समाचार)। समाजवादी पार्टी व छात्र सभा के कार्यकताओं ने छात्र-युवाओं और आम जनता की समस्याओं को लेकर जोरदार धरना प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में नीट पेपर लीक, पेट्रोल डीजल की बढ़ती कीमतों और क्षेत्र में बदहाल बिजली व्यवस्था को मुद्दा बनाया गया। सपा जिलाध्यक्ष सुधीर भाटी और छात्र सभा जिलाध्यक्ष मोहित नागर ने कहा कि नीट पेपर लीक ने लाखों छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया है। सरकार छात्रों के हितों की रक्षा करने में पूरी तरह विफल साबित हुई है। उन्होंने बढ़ती महंगाई और बिजली कटौती को लेकर भी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि आम जनता भीषण गर्मी और महंगाई से परेशान है, लेकिन समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा। चेतावनी दी गई कि जल्द समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। इस दौरान इन्द्र प्रधान, प्रशांत भाटी, कृष्ण रावल, प्रिंस भाटी और हारून सैफी समेत कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मकान में घुसकर हमला, पिस्टल से फायरिंग कर जान लेने का प्रयास

दादरी (शिखर समाचार)। कोतवाली दादरी क्षेत्र के मायचा की मडैया गांव में पुरानी रंजिश को लेकर एक व्यक्ति पर घर में घुसकर हमला करने और गोली चलाने का मामला सामने आया है। हमलावरों ने लाठी डंडों और लोहे की रॉड से मारपीट कर व्यक्ति को गंभीर रूप से घायल कर दिया। फरीदाबाद निवासी कपिल चपराना के पिता सुभाष अपने रिश्तेदार के साथ गांव स्थित मकान पर आए थे। आरोप है कि पड़ोसी मोंटी, संदीप व अन्य लोग जबरन घर में घुस आए और गाली गलौच के बाद हमला कर दिया। आरोपियों ने पिस्टल से फायरिंग भी की, जिसमें गोली कार के दरवाजे में जा लगी। हमले में घायल सुभाष के दोनों पैरों में फ्रैक्चर बताया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

बिजली का तार लगाने को लेकर खूनी संघर्ष, तीन पर मुकदमा

रबूपुरा (शिखर समाचार)। गांव भीकनपुर में बिजली के खंभे पर तार लगाने को लेकर हुए विवाद में एक व्यक्ति को गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। पीड़ित शीशपाल ने आरोप लगाया कि गांव के अमन, केहर और निरंजन उसके घर के पास खंभे पर तार लगा रहे थे। विरोध करने पर आरोपियों ने लाठी-डंडों और लोहे की रॉड से हमला कर दिया। हमले में शीशपाल के सिर में गंभीर चोट आई, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हरियाणा से शराब तस्करी कर बिहार ले जा रहे तीन गिरफ्तार

मोदीनगर (शिखर समाचार)। निवाड़ी पुलिस ने हरियाणा से शराब की तस्करी कर बिहार में बेचने वाले तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 94 बोतल अवैध शराब और गांजा बरामद किया है। एसीपी भास्कर वर्मा ने बताया कि सूचना मिली थी कि कार में सवार कुछ लोग अवैध शराब लेकर जा रहे हैं। सूचना के आधार पर निवाड़ी गंग नहर पुल के पास चेकिंग अभियान चलाया गया। इसी दौरान संदिग्ध कार को रोककर तलाशी ली गई, जिसमें शराब और गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने मौके से हिमांशु, अनमोल और मनीष को गिरफ्तार किया। तीनों कस्बा मोकामा, जिला पटना, बिहार के निवासी हैं। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे कुछ दिन पहले बिहार से यहां आए थे। हरियाणा से शराब लाकर बिहार में बेचते थे और बिहार से गांजा लाकर आसपास के क्षेत्रों में आपूर्ति करते थे। पुलिस ने तीनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

खतौली गंग नहर घाट पर चोरी और तोड़फोड़, पुलिस से चोरों की गिरफ्तारी की मांग

खतौली / मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। स्थानीय गंग नहर घाट पर सोमवार रात अज्ञात चोरों ने चोरी और तोड़फोड़ की वारदात को अंजाम देकर क्षेत्र में दहशत और आक्रोश का माहौल पैदा कर दिया। घटना के बाद घाट पर आने वाले श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों में भारी नाराजगी देखी जा रही है। लोगों ने पुलिस प्रशासन से जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी कर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के अनुसार चोर घाट परिसर में रखा सामान चोरी कर ले गए तथा वहां तोड़फोड़ भी की। मंगलवार सुबह घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोगों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि गंग नहर घाट पर इससे पहले भी कई बार चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन पुलिस अब तक किसी भी मामले का खुलासा नहीं कर सकी है। घाट से जुड़े लोगों और स्थानीय नागरिकों ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि लगातार घटनाओं के बावजूद सुरक्षा व्यवस्था मजबूत नहीं की गई है। लोगों ने घाट क्षेत्र में रात्रि गश्त बढ़ाने, स्थायी पुलिस निगरानी और सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने की मांग उठाई है। वहीं पुलिस का कहना है कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर घटना का खुलासा किया जाएगा।

ओवरलोड वाहनों के विरुद्ध परिवहन विभाग की कड़ी कार्रवाई, मई माह में 206 ओवरलोड वाहनों का चालान, 50 .80 लाख रुपये प्रशमन शुल्क वसूला

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) । जनपद में ओवरलोड वाहनों पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से परिवहन विभाग द्वारा सघन प्रवर्तन अभियान चलाया जा रहा है। संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) गौतमबुद्धनगर डॉ. उदित नारायण पांडेय ने बताया कि विभाग की टीम लगातार विभिन्न क्षेत्रों में कार्रवाई कर रही है।

उन्होंने बताया कि सहायक संभागीय अधिकारी (प्रवर्तन) नंद कुमार, अभिषेक कनौजिया तथा यात्रीकर अधिकारियों द्वारा मई माह में विशेष अभियान चलाते हुए 206 ओवरलोड वाहनों का चालान किया गया। कार्रवाई के दौरान वाहनों को सेक्टर 142, जेवर क्षेत्र, नॉलेज पार्क, बादलपुर तथा डी पार्क सेक्टर 62 थाना क्षेत्र में निरुद्ध किया गया। इस दौरान कुल 1 करोड़ 29 लाख 40 हजार रुपये का प्रशमन शुल्क आरोपित किया गया, जबकि 50 लाख 80 हजार रुपये की वसूली की जा चुकी है। डॉ. उदित नारायण पांडेय ने कहा कि ओवरलोडिंग सड़क सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है। अधिक वजन के कारण वाहनों का संतुलन बिगड़ जाता है, जिससे ब्रेक फेल होने, टायर फटने और वाहन पलटने जैसी दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है। इससे चालक और अन्य राहगीरों की जान जोखिम में पड़ती है।

उन्होंने बताया कि ओवरलोडिंग से ट्रकों के इंजन, सस्पेंशन, ब्रेक और टायर पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है, जिससे वाहन जल्दी खराब होते हैं और मरम्मत खर्च बढ़ता है। साथ ही अधिक वजन वाले वाहन सड़कों को भी नुकसान पहुंचाते हैं, जिससे गड्ढे और दरारें बनने लगती हैं। परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया कि मोटर वाहन अधिनियम के तहत ओवरलोडिंग दंडनीय अपराध है। पकड़े जाने पर भारी जुमार्ना, वाहन जब्ती, चालक लाइसेंस और परमिट निरस्तीकरण जैसी कार्रवाई की जा सकती है। विभाग ने ट्रक चालकों, वाहन मालिकों और परिवहन व्यवसायियों से वाहनों की निर्धारित क्षमता का पालन करने और ओवरलोडिंग से बचने की अपील की है।

बराला में विद्युत टीम पर हमला, गाड़ी के शीशे तोड़े

कैराना/शामली (शिखर समाचार)। गांव बराला में बिजली चोरी की शिकायत पर जांच करने पहुंची विद्युत विभाग की टीम पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया। हमले में एसडीओ की गाड़ी के शीशे तोड़ दिए गए, जबकि विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों ने किसी तरह मौके से निकलकर अपनी जान बचाई। मामले में पुलिस ने 22 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सोमवार रात करीब साढ़े आठ बजे उपखंड अधिकारी अमित कुमार, जेई नीतीश, जेई प्रदीप तथा लाइनमैन सागर, आजम और सतेंद्र गांव बराला में बिजली चोरी की रोकथाम को लेकर चेकिंग अभियान चला रहे थे। विभाग को गांव में लगातार बिजली चोरी की शिकायतें मिल रही थीं। जांच के दौरान टीम को मतलूब के घर बिजली चोरी पकड़ी गई। आरोप है कि कार्रवाई के दौरान एक दर्जन से अधिक लोगों ने विरोध शुरू कर दिया और देखते ही देखते माहौल तनावपूर्ण हो गया।

ग्रामीणों ने टीम को घेरकर सरकारी कार्य में बाधा डाली, अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ गाली गलौज की तथा सरकारी दस्तावेज फाड़ दिए। आरोप है कि ईंट पत्थर फेंककर एसडीओ की गाड़ी के शीशे भी तोड़ दिए गए। घटना के बाद विभागीय टीम ने किसी तरह मौके से निकलकर जान बचाई और उच्चाधिकारियों को सूचना दी।

विद्युत विभाग की तहरीर पर पुलिस ने कादिर, आरिफ व उसका भाई, खान व उसका भाई, नाजिम, शादीन तथा 10-15 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

नगर आयुक्त की अध्यक्षता में हुई संभव के तहत जनसुनवाई

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। नगर निगम मुख्यालय पर संभव के तहत जनसुनवाई का आयोजन नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक की अध्यक्षता में किया गया। जनसुनवाई के दौरान नगर निगम के अधिकारी भी मौजूद रहे। नगर आयुक्त ने जन समस्याओं को सुनते हुए उनका समाधान कराया। अधिकांश शिकायतें निर्माण और जलकल विभाग की प्राप्त हुई। नगर आयुक्त ने विभागीय टीम को प्राप्त शिकायत का समाधान करने के लिए मौके पर भेजा। अपर नगर आयुक्त जंग बहादुर यादव, अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार, महाप्रबंधक जल कामाख्या प्रसाद आनंद, डॉ.अनुज प्रभारी उद्यान, प्रभारी संपत्ति पल्लवी सिंह, मुख्य अभियंता निर्माण नरेंद्र कुमार चौधरी व अन्य संबंधित टीम मौके पर उपस्थित रही। निर्माण विभाग से 7, स्वास्थ्य विभाग से 1, उद्यान विभाग से 2, जलकल विभाग से 4, अतिक्रमण संबंधित 1, संपत्ति संबंधित 2 तथा अन्य विभाग से 1 शिकायत अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत की गई। नगर आयुक्त ने अगली जनसुनवाई में सभी अधिकारी को समय से उपस्थित रहने के निर्देश दिए और खास तोर पर सभी विभाग के अधिकारी जनसुनवाई में मौजूद रहे।

क्रिकेट चैंपियनशिप : मानिक शर्मा को मिला प्लेयर ऑफ द मैच अवार्ड

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। सुंदरदीप वर्ल्ड स्कूल गाजियाबाद में क्रिकेट चैंपियनशिप का आयोजन किया गया। क्रिकेट चैंपियनशिप में इन्द्रापुरम पब्लिक स्कूल प्रताप विहार की टीम ने भी प्रतिभाग किया। टीम की तरफ से खेलते हुए कक्षा 7 के छात्र मानिक शर्मा ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। उनके इस प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच के अवार्ड से समानित किया गया। मानिक शर्मा ने बताया कि पढ़ाई के साथ -साथ उनकों क्रिकेट में भी बहुत रूचि है। वह पढ़ाई पर पूरा ध्यान देते हुए क्रिकेट को भी पूरा समय देते है। वह भविष्य में क्रिकेटर बनाना चाहते है, जिसके लिए वह पूरी लगन के साथ मेहनत कर रहे है। क्रिकेट चैंपियनशिप की प्रतियोगिता उनके हुनर को निहारने में मददगार साबित होती है। सुंदरदीप वर्ल्ड स्कूल में आयोजित क्रिकेट चैंपियनशिप के दौरान भी उनके जहन में सिर्फ बेहतर प्रदर्शन करना चल रहा था और इसी कारण उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच के अवार्ड से सम्मानित किया गया। वह भविष्य में भी इसी तरह से मेहनत करते रहेंगे, जिससे वह आने वाले समय में भारतीय क्रिकेट टीम में शामिल होकर देश का गौरव बढ़ा सके।

खाना खाने के बाद उल्टी होने पर भाई को हुआ शक, बहन व 20 दिन की मासूम समेत चार पर दाव से हमला

कैराना/शामली (शिखर समाचार)। कैराना कोतवाली क्षेत्र के गांव मलकपुर में मंगलवार दोपहर एक सनसनीखेज घटना सामने आई, जहां खाना खाने के बाद उल्टी होने पर युवक ने अपनी बहन पर जहरीला पदार्थ मिलाने का शक करते हुए धारदार दाव से हमला कर दिया। हमले में उसकी बहन, 20 दिन की मासूम भांजी समेत चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी को प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में उच्च चिकित्सा केंद्र रेफर कर दिया गया। घटना के बाद गांव में अफरा तफरी और दहशत का माहौल बन गया। जानकारी के अनुसार इमरानी एक दिन पहले ही मंडावर स्थित अपनी ससुराल से 20 दिन की बेटी दुआ के साथ मायके आई थी। मंगलवार दोपहर करीब एक बजे उसका भाई सद्दाम घर पहुंचा और खाना मांगा। बहन ने उसे खाना परोस दिया। बताया गया है कि खाना खाने के कुछ देर बाद सद्दाम को उल्टी हो गई। इसी बात को लेकर उसने खाने में जहरीला पदार्थ मिलाने का शक जताया और गुस्से में अपना आपा खो बैठा। आरोप है कि सद्दाम ने घर में रखा पेड़ काटने वाला धारदार दाव उठाकर अपनी बहन इमरानी पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। इतना ही नहीं उसने 20 दिन की मासूम दुआ को भी नहीं छोड़ा। हमले में बच्ची का कान कट गया और वह गंभीर रूप से घायल हो गई। मां बेटी की चीख पुकार सुनकर पड़ोस में रहने वाली सीमा पत्नी गुफरान और मुस्कान पुत्री इमरान उन्हें बचाने के लिए मौके पर पहुंचीं, लेकिन आरोपी ने उन पर भी हमला कर दिया। इस दौरान मुस्कान के हाथ की अंगुली कट गई जबकि सीमा भी गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। चिकित्सकों ने हालत गंभीर देखते हुए चारों को उच्च चिकित्सा केंद्र रेफर कर दिया। पुलिस के अनुसार प्रथम दृष्टया मामला खाना खाने के बाद उल्टी होने पर जहरीला पदार्थ देने के शक से जुड़ा हुआ प्रतीत हो रहा है। पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है तथा आरोपी के खिलाफ विधिक कार्रवाई की तैयारी की जा रही है।

बिना ट्यूशन सेल्फ स्टडी से शगुन उपाध्याय ने हासिल किए 94.40 प्रतिशत अंक, क्षेत्र का बढ़ाया मान

शामली (शिखर समाचार)। सीबीएसई बारहवीं बोर्ड परीक्षा में एसडीएस कॉन्वेंट स्कूल की छात्रा शगुन उपाध्याय ने 94.40 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अपने परिवार, विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। शगुन उपाध्याय अजय कुमार उपाध्याय की पुत्री हैं और बिडौली निवासी हैं।

शगुन ने बिना किसी ट्यूशन के केवल सेल्फ स्टडी और कठिन मेहनत के दम पर यह शानदार सफलता हासिल की। पढ़ाई के साथ साथ उन्होंने घर पर अपनी माता का हाथ भी बंटाया, जिसके चलते उनकी स्कूल में नियमित उपस्थिति भी कम रही, लेकिन लगन और अनुशासन के बल पर उन्होंने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

शगुन उपाध्याय ने अपनी सफलता का श्रेय माता पिता और गुरुजनों के मार्गदर्शन को दिया। उन्होंने बताया कि आगे वह ग्रेजुएशन के साथ यूपीएससी परीक्षा की तैयारी कर देश सेवा करना चाहती हैं।

शगुन की इस उपलब्धि पर क्षेत्र के लोगों, परिजनों और शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

स्वाट टीम थाना निवाड़ी पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई में शराब तस्कर दबोचे

मोदीनगर (शिखर समाचार)। थाना निवाड़ी पुलिस द्वारा गश्त व चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर ऑपरेशन प्रहार के अन्तर्गत 03 शातिर शराब गांजा तस्कर अभियुक्त हिमांशु कुमार पुत्र सुजीत सिंह निवासी वार्ड नं0 15 कस्बा व थाना मोकामा जनपद पटना बिहारए 2ण अनमोल पुत्र मनोज कुमार निवासी वार्ड नं0 10 कस्बा व थाना मोकामा जनपद पटना बिहार, मनीष कुमार पुत्र मनोज कुमार निवासी लहरिया टोला कस्बा व थाना मोकामा जनपद पटना बिहार को गिरफ्तार किया गया । अभियुक्तगण कनन ग्रीन सोसाइटी में किराये के फ्लैट में रहकर शराब व गांजा तस्करी का काम कर रहे थे । सहायक पुलिस आयुक्त मोदीनगर के नेतृत्व में स्वाट टीम ग्रामीण जोन व थाना निवाड़ी पुलिस टीम द्वारा उक्त फ्लैट पर छापा मारकर तलाशी में 07 पेटी व 10 बोतल ;कुल 94 बोतल अवैध शराब ब्लेंडर प्राइड हरियाणा मार्काए 739 ग्राम गांजा ;पैकेट पुड़ियाँ व इलेक्ट्रानिक कांटा एवं 1120 रुपये नगद बरामद हुए । अभियुक्तगण के

विरुद्ध सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है । पूछताछ करने पर अभियुक्तों ने बताया कि ये लोग पटना बिहार के रहने वाले हैं क्योंकि बिहार में वर्ष 2016 से शराब बिक्री बंद है जिस कारण इन्होने मिलकर योजना बनायी कि हरियाणा से सस्ती शराब खरीदकर बिहार में महंगे दाम में बेचेगें तथा बिहार से गांजा लाकर यूपी में बेचकर ज्यादा मुनाफा कमाया करेगें । इनकी योजना थी कि शराब को रेल के माध्यम से यूपी से बिहार भेजेगें तथा वहां से नाजायज गांजा मंगाकर यहां पर पुड़ियाँ बनाकर चलते फिरते राहगीरो को बेचकर मुनाफा कमायेगें । यह क्षेत्र इन लोगो ने इसलिये चुना था क्योंकि हिमांशु वर्ष 2022 में मोदीनगर में करीब 10 दिन रहा था तथा हिमांशु को इस क्षेत्र की जानकारी थी । ये लोग 10-12 दिन पहले यहां आये थे तथा वही से अपने साथ गांजा भी लाये थे । यहां आकर ब्रोकर के माध्यम से एक कमरा किराये पर लिया था । इसके बाद साहिबाबाद से ऑनलाइन एक सेल्फ ड्राईव कार किराये पर ली और उसी कार मे ये लोग मुरथल हरियाणा से 10 पेटी शराब लेकर आये जिनमें से 02 पेटी शराब इन्होने रेल के द्वारा बिहार भेज दी थी बाकी जो इनके पास रखी थी वो पुलिस ने बरामद कर ली है गांजा भी बिक्री करने के लिये ही रखा था।

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आवश्यकता है

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र को आवश्यकता है दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद व पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले और तहसीलों में संवाददाताओं और विज्ञापन प्रतिनिधियों की आकर्षक कमीशन, आवेदन पत्र के साथ मिले या संपर्क करें:-

राष्ट्रीय शिखर संपादकीय सिटी कार्यालय :-
64 नवयुग मार्केट,फर्स्ट फ्लोर, गाजियाबाद।
rashtriyashikhar@gmail.com

संपादकीय

बढ़ती पेट्रोल डीजल कीमतें: आम आदमी की जेब पर नया आर्थिक दबाव

देश में एक बार फिर पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी ने आम नागरिकों की चिंता बढ़ा दी है। 19 मई 2026 को तेल कंपनियों द्वारा लगभग 90 पैसे प्रति लीटर की वृद्धि किए जाने के बाद यह मुद्दा राष्ट्रीय बहस का केंद्र बन गया है। पांच दिनों के भीतर दूसरी बार हुई इस बढ़ोतरी ने न केवल आम उपभोक्ताओं की जेब पर असर डाला है, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था, परिवहन व्यवस्था, कृषि क्षेत्र और महंगाई के भविष्य को लेकर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। ऐसे समय में जब आम आदमी पहले से ही महंगी शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजमर्रा की जरूरतों से जूझ रहा है, ईंधन की कीमतों में यह नया उछाल उसके आर्थिक संतुलन को और कमजोर करने वाला साबित हो सकता है। तेल कंपनियों का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव और वैश्विक परिस्थितियों के कारण यह वृद्धि आवश्यक हो गई है। इंडियन ऑयल के अधिकारियों ने साफ किया है कि फिलहाल कुल बढ़ोतरी का कोई निश्चित आंकड़ा तय नहीं किया गया है। इसका अर्थ यह है कि आने वाले दिनों में कीमतों में और इजाफा होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। यही कारण है कि लोगों को वर्ष 2022 की याद आने लगी है, जब लगातार कई दिनों तक पेट्रोल डीजल के दाम बढ़ाए गए थे और महंगाई ने रिकॉर्ड स्तर छू लिया था। वर्तमान परिस्थितियों में सबसे बड़ी चिंता यह है कि ईंधन केवल वाहन चलाने का माध्यम नहीं है, बल्कि पूरी अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। पेट्रोल और डीजल महंगे होते ही सबसे पहले परिवहन लागत बढ़ती है। इसका सीधा असर फल सब्जियों, अनाज, दूध, निर्माण सामग्री और रोजमर्रा की वस्तुओं पर पड़ता है। ट्रांसपोर्ट कंपनियां किराया बढ़ाती हैं, बस और टैक्सी सेवाएं महंगी होती हैं, माल ढुलाई की लागत बढ़ती है और अंततः इसका बोझ उपभोक्ता को उठाना पड़ता है। ग्रामीण भारत में तो डीजल की कीमतों का असर और अधिक गंभीर होता है, क्योंकि खेती किसानी का बड़ा हिस्सा अभी भी डीजल आधारित मशीनों और सिंचाई पर निर्भर है। विशेषज्ञ मानते हैं कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जारी भू-राजनीतिक तनाव, तेल उत्पादक देशों की उत्पादन नीतियां और वैश्विक बाजार की अनिश्चितता इस संकट के प्रमुख कारण हैं। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, समुद्री व्यापार मार्गों पर असुरक्षा और डॉलर की मजबूती ने भी कच्चे तेल की लागत को प्रभावित किया है। भारत अपनी जरूरत का अधिकांश कच्चा तेल आयात करता है, इसलिए वैश्विक बाजार की हर हलचल सीधे घरेलू बाजार में दिखाई देती है। हालांकि यह भी सच है कि जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें कम होती हैं, तब उपभोक्ताओं को उसी अनुपात में राहत कम ही मिलती है। यही वजह है कि आम जनता के बीच यह धारणा मजबूत होती जा रही है कि तेल की कीमतों का निर्धारण पूरी तरह पारदर्शी नहीं है। सरकार लगातार यह कहती रही है कि पेट्रोल और डीजल की कीमतें अब बाजार आधारित व्यवस्था के तहत तय होती हैं और इसमें तेल कंपनियों की प्रमुख भूमिका होती है। लेकिन दूसरी ओर जनता यह सवाल पूछ रही है कि यदि बाजार आधारित व्यवस्था ही लागू है, तो टैक्स संरचना में राहत क्यों नहीं दी जाती। पेट्रोल और डीजल पर केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा लगाए जाने वाले कर कीमतों का बड़ा हिस्सा बन चुके हैं। कई बार ऐसा देखा गया है कि कच्चे तेल की मूल कीमत से अधिक राशि टैक्स के रूप में वसूली जाती है। ऐसे में यदि सरकार चाह ले तो करों में आंशिक कटौती कर आम लोगों को राहत दे सकती है।

~ मौलिक चिंतन ~

जिसका जमीर ज़िन्दा होता है, वही अपनी बेवकूफियों और गलतियों पर शर्मिंदा होता है।

~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~

© विनय संकोची

कृषि आधारित उद्योग है मधुमक्खी पालन

संजय गोस्वामी

विश्व मधुमक्खी दिवस हर साल 20 मई को मनाया जाता है?इस दिन को मनाने का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण, खाद्य सुरक्षा और जैव विविधता को बनाए रखने में मधुमक्खियों और अन्य परागणकों के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना हैमधुमक्खी एक सामाजिक कीट का सबसे अच्छा उदाहरण है जो शहद इकट्ठा करती है और अपने परिवार का भरण-पोषण करती है। यह कीट हाइमनोप्टेरा गण के एपिस परिवार के अंतर्गत आता है। भारत में मधुमक्खियों की तीन प्रजातियाँ पाई जाती हैं, भारतीय मधुमक्खी (एपिस इंडिका), रॉक शहद मधुमक्खी (एपिस डोरसोटा) और छोटी शहद मधुमक्खी (एपिस फ्लोरिया)। एक विदेशी शहद मधुमक्खी (एपिस मेलिफेरा) जिसे इटालियन या यूरोपीय शहद मधुमक्खी कहा जाता है, अब भारत में स्थापित हो गई है और इसका उपयोग व्यावसायिक मधुमक्खी पालन के लिए किया जा रहा है। मधुमक्खियों के प्रकार - मधुमक्खियों की उपरोक्त चार प्रजातियों के बारे में संक्षिप्त जानकारी इस प्रकार है - (1) भारतीय शहद मधुमक्खी (एपिस सेराना इंडिका) - यह शहद मधुमक्खी पूरे भारत में पाई जाती है। यह पीले भूरे रंग की होती है। यह पुरानी इमारतों, जंगलों, पेड़ों की खोखली दीवारों, गुफाओं आदि जैसे अंधेरे स्थानों में 6-8 समानांतर छत्ते बनाती है। ये मधुमक्खियां स्वभाव से कोमल और शांत होती हैं और इन्हें आसानी से पाला जा सकता है। मधुमक्खी पालक इन्हें प्राकृतिक घरों से पकड़ते हैं और मधुमक्खी के बक्सों में पालते हैं। यह एक उद्यमी मधुमक्खी है तथा अच्छी मात्रा में शहद एकत्रित करती है। औसतन प्रति वर्ष एक कॉलोनी से 2-3 किलोग्राम शहद प्राप्त होता है। (2) रॉक मधुमक्खी (एपिस डोरसाटा)- इस मधुमक्खी को भौंरा या भौंरा भी कहते हैं। यह सम्पूर्ण भारत में पाई जाती है। पहाड़ी क्षेत्रों में यह समुद्र तल से 1000 मीटर की ऊँचाई तक पाई जाती है। इसकी कॉलोनियाँ कम तापमान पर एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाती हैं। ये मधुमक्खियाँ एक ही छत्ता बनाती हैं जो लगभग 1.5 से 2.1 मीटर चौड़ा तथा 0.6 से 1.2 मीटर लंबा होता है। इनका छत्ता आमतौर पर चट्टानों पर लटका होता है। ये मधुमक्खियाँ बहुत आक्रामक स्वभाव की होती हैं तथा परेशान करने पर मनुष्यों का पीछा कर उन पर हमला कर देती हैं। ये बड़ी मात्रा में शहद एकत्रित करती हैं। ये अपना काम सुबह जल्दी शुरू कर देती हैं। प्रति वर्ष एक छत्ते से 40 किलोग्राम तक शहद प्राप्त होता है। शहद आमतौर पर छत्ते के अगले भाग में मिलता है। (3) छोटी मधुमक्खी -एपिस फ्लोरिया) - यह मधुमक्खी पूरे देश में पाई जाती है लेकिन समुद्र तल से 335 मीटर की ऊंचाई पर बहुत कम पाई जाती है। यह बार-बार अपना स्थान बदलती रहती है तथा इसकी कॉलोनी एक छत्ते पर 5 महीने से अधिक नहीं रहती। यह मधुमक्खी एक छत्ता बनाती है जिसका आकार हथेली के बराबर होता है। यह अपना छत्ता शाखाओं, बाड़ों, पेड़ों, गुफाओं, घरों की चिमनियों, खाली बक्सों, लकड़ियों के ढेर आदि पर बनाती है। इसकी रानी सुनहरे भूरे रंग की होती है। मधुमक्खी पालन एक कृषि आधारित उद्योग है, जिसकी जानकारी बहुत सरल है। इसमें लागत कम, आमदनी अधिक तथा कम समय में अधिक लाभ प्राप्त होता है। गांवों में आर्थिक विकास के लिए मधुमक्खी पालन से अच्छा कोई घरेलू रोजगार नहीं है। जानकारी की सहजता के कारण कम पढ़ा-लिखा व्यक्ति भी इस व्यवसाय को कुशलता से कर सकता है। गरीब, भूमिहीन भी 5 से 10 मधुमक्खी बक्सों की कम पूंजी से यह व्यवसाय शुरू कर 3 साल के भीतर 50-100 बक्सों का मालिक बन सकता है तथा मधुमक्खियां, मोम व शहद बेचकर सालाना लाखों रुपए कमा सकता है। चूंकि इस काम में ज्यादा शारीरिक मेहनत की जरूरत नहीं होती, इसलिए ग्रामीण महिलाएं और बच्चे अपने घरेलू कामों के साथ इसे आसानी से कर सकते हैं। चूंकि इसमें ज्यादा पूंजी की जरूरत नहीं होती, इसलिए बेरोजगार युवा भी इसे अपने रोजगार का जरिया बना सकते हैं। मधुमक्खी पालन से गांवों में मधुमक्खी के बक्से और अन्य उपकरण बनाने वाले छोटे उद्योगों को भी बढ़ावा मिलता है। स्वरोजगार और अतिरिक्त आय के लिए यह एक बेहतरीन घरेलू उद्योग है। मधुमक्खियां सामाजिक कीट हैं, जिनके परिवार में एक मां मधुमक्खी या रानी मधुमक्खी होती है जो सिर्फ अंडे देती है, दूसरा सदस्य नर मधुमक्खी होता है जो सिर्फ गभार्धान की प्रक्रिया करता है। ये आकार में बड़ी, डंक रहित और पेट के आखिरी हिस्से पर घने बाल वाली होती हैं और काले रंग की होती हैं। तीसरा सदस्य श्रमिक मधुमक्खी होती है, जो संख्या में सबसे ज्यादा होती है। एक अच्छी मधुमक्खी कॉलोनी में इनकी संख्या 30000-500000 तक हो सकती है। ज्यादातर काम श्रमिक मधुमक्खियां ही करती हैं। अंडे से रानी को वयस्क बनने में 15-16 दिन, श्रमिक मधुमक्खी को 20-21 दिन और नर मधुमक्खी को 23-24 दिन लगते हैं। वयस्क होने के लगभग तीन सप्ताह की आयु तक श्रमिक मधुमक्खी घर के अन्दर के कार्य जैसे सफाई, रानी और बच्चों को खिलाना और सुरक्षा देना, छत्ते बनाना, शहद तैयार करना आदि करती है। अपना घर बनाने के लिए मधुमक्खी अपने उदर ग्रन्थियों से मोम बनाती है और अपने भोजन के लिए फूलों से रस और रस एकत्रित करती है। मधुमक्खी के सेल में दो भाग होते हैं, ब्रूड सेक्शन और शहद सेक्शन। ब्रूड सेक्शन में मधुमक्खी वंश का प्रजनन चलता है और शहद सेक्शन में शहद एकत्रित किया जाता है। ब्रूड सेक्शन में मूल वंश को रखा जाता है और आवश्यकतानुसार उसे ब्रूड चैम्बर में रखा जाता है और फ्रेम में मोमी अटैचमेंट लगाकर सुपर किया जाता है। इससे मधुमक्खी अपने स्वभाव के अनुसार छत्ते बनाती है। जब मधुमक्खियां छत्तों में शहद जमा कर देती है और लगभग तीन चौथाई सेल पर कैप लगा देती है तो शहद निकालने वाली मशीन से छत्तों को घुमाकर शहद निकाला जाता है। इस प्रक्रिया में न तो मधुमक्खियों के बच्चे मरते हैं और न ही छत्ता नष्ट होता है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

गर्मी में योग : स्वस्थ जीवन, शांत मन और सशक्त शरीर का आधार

कांतिलाल मांडोत

आज का मनुष्य समस्याओं, तनाव, भागदौड़ और मानसिक अशान्ति से घिरा हुआ है। जीवन की गति इतनी तेज हो चुकी है कि व्यक्ति स्वयं से ही दूर होता जा रहा है। कभी आर्थिक समस्या, कभी पारिवारिक तनाव, कभी शारीरिक रोग तो कभी मानसिक बेचैनी—मनुष्य हर क्षण किसी न किसी चिंता में उलझा रहता है। विशेषकर गर्मी के मौसम में यह स्थिति और अधिक कठिन हो जाती है। तीखी धूप, बढ़ता तापमान, शरीर में पानी की कमी, थकान, चिड़चिड़ापन, अनिद्रा और मानसिक तनाव व्यक्ति को कमजोर बना देते हैं। ऐसे समय में यदि कोई उपाय शरीर और मन दोनों को संतुलित कर सकता है, तो वह है योग।

योग केवल व्यायाम नहीं है, बल्कि यह सम्पूर्ण जीवन को संतुलित करने की एक वैज्ञानिक पद्धति है। यह शरीर, मन और आत्मा के बीच सामंजस्य स्थापित करता है। योग मनुष्य को केवल रोगमुक्त ही नहीं बनाता, बल्कि उसे भीतर से शक्तिशाली, शांत और प्रसन्न भी बनाता है। वर्तमान समय में योग की उपयोगिता पूरे विश्व में स्वीकार की जा रही है। भारत की यह प्राचीन धरोहर आज विदेशों तक पहुँच चुकी है और करोड़ों लोग इसे अपने जीवन का हिस्सा बना रहे हैं।

गर्मी के मौसम में योग का महत्व और भी बढ़ जाता है। इस मौसम में शरीर जल्दी थक जाता है, पाचन शक्ति कमजोर हो जाती है और मन बेचैन रहने लगता है। लगातार पसीना निकलने से शरीर में ऊर्जा की कमी महसूस होती है। ऐसे में योग शरीर को नई ऊर्जा प्रदान करता है। प्राणायाम और ध्यान शरीर को ठंडक पहुँचाते हैं तथा मन को शांत बनाते हैं। योग करने से शरीर में रक्तसंचार ठीक रहता है और शरीर का तापमान संतुलित बना रहता है। इससे गर्मी का प्रभाव कम महसूस होता है।

गर्मी में योग करने का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह शरीर को अंदर से शीतलता प्रदान करता है। शीतली प्राणायाम, शीतकारी प्राणायाम और अनुलोम-विलोम जैसे योगाभ्यास शरीर की गर्मी को कम करते हैं। ये मन को शांत करते हैं और तनाव दूर करते हैं। जो लोग गर्मी में बेचैनी, घबराहट और चिड़चिड़ापन महसूस करते हैं, उनके लिए योग किसी औषधि से कम नहीं है। योग करने से मानसिक स्थिरता बढ़ती है और व्यक्ति सकारात्मक सोचने लगता है।

आज अनेक बीमारियों का मूल कारण असंतुलित जीवनशैली और मानसिक तनाव है। गर्मी के दिनों में रक्तचाप, डिहाइड्रेशन, सिरदर्द, अनिद्रा, थकान और त्वचा संबंधी समस्याएँ अधिक बढ़ जाती हैं। योग इन सभी समस्याओं से बचाने में सहायक सिद्ध होता है। नियमित योगाभ्यास से शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और व्यक्ति जल्दी बीमार नहीं पड़ता। योग शरीर को लचीला बनाता है तथा मांसपेशियों को मजबूत करता है। इससे शरीर में स्फूर्ति बनी रहती है।

स्वास्थ्य की दृष्टि से योग अत्यन्त आवश्यक बन गया है। आधुनिक जीवन में मनुष्य मशीनों पर निर्भर होता जा रहा है। शारीरिक श्रम कम हो गया है और मानसिक तनाव बढ़ गया है। ऐसे समय में योग ही वह साधन है जो शरीर और मन दोनों को स्वस्थ रख सकता है। योग के माध्यम से व्यक्ति स्वयं को अनुशासित बनाना सीखता है। यह केवल रोगों का उपचार नहीं करता, बल्कि रोगों को होने से भी रोकता है।

योग का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि यह मनुष्य को मानसिक शांति प्रदान करता है। आज लोग धन और सुख-सुविधाएँ तो प्राप्त कर रहे हैं, परन्तु शांति उनसे दूर होती जा रही है। योग मन की चंचलता को नियंत्रित करता है और व्यक्ति को आत्मिक सुख का अनुभव कराता है। ध्यान और प्राणायाम के अभ्यास से मन एकाग्र होता है। इससे पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों की स्मरण शक्ति बढ़ती है और काम करने वाले लोगों की कार्यक्षमता में वृद्धि होती है।

गर्मी में सुबह के समय खुले वातावरण में योग करना अत्यंत लाभकारी माना जाता है। प्रातःकाल की शुद्ध हवा शरीर और मन को नई ताजगी देती है। सूर्य नमस्कार, ताड़ासन, वृक्षासन, भुजंगासन और शवासन जैसे योगासन शरीर को स्वस्थ रखने में सहायक हैं। शवासन विशेष रूप से गर्मी में लाभदायक माना जाता है क्योंकि यह शरीर और मन को गहरा आराम देता है।

योग केवल शरीर को ही नहीं बदलता, बल्कि मनुष्य के व्यक्तित्व का भी विकास करता है। यह आत्मविश्वास बढ़ाता है और व्यक्ति को धैर्यवान बनाता है। योग करने वाला व्यक्ति कठिन परिस्थितियों में भी संतुलित बना रहता है। उसमें सहनशीलता और सकारात्मकता बढ़ती है। यही कारण है कि आज डॉक्टर, वैज्ञानिक, शिक्षक और विद्यार्थी सभी योग को जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा मानने लगे हैं।

विदेशों में भी योग के प्रति लोगों का आकर्षण तेजी से बढ़ रहा है। अमेरिका, जापान, रूस और यूरोप के अनेक देशों में योग केंद्र स्थापित किए गए हैं। वहाँ लोग मानसिक तनाव और अस्वस्थ जीवनशैली से परेशान होकर योग की ओर आकर्षित हो रहे हैं। वे समझ चुके हैं कि केवल भौतिक सुखों से जीवन में शांति नहीं मिल सकती। भारत की यह प्राचीन विद्या आज पूरे विश्व को स्वस्थ जीवन जीने की राह दिखा रही है।

दुर्भाग्य की बात यह है कि जहाँ विदेशी लोग योग को अपनाकर लाभ उठा रहे हैं, वहीं अनेक भारतीय इससे दूर होते जा रहे हैं। आधुनिकता की दौड़ में लोग अपनी संस्कृति और परंपराओं को भूलते जा रहे हैं। जबकि योग हमारी अमूल्य धरोहर है। यदि हम इसे अपने जीवन में अपनाएँ, तो अनेक शारीरिक और मानसिक समस्याओं से बच सकते हैं।

योग में अपार शक्ति छिपी हुई है। यह व्यक्ति के भीतर सोई हुई ऊर्जा को जागृत करता है। योग के माध्यम से मनुष्य अपने जीवन को संतुलित, स्वस्थ और सुखी बना सकता है। विशेष रूप से गर्मी के मौसम में योग का महत्व और भी अधिक बढ़ जाता है। यह शरीर को शीतलता देता है, मन को शांति प्रदान करता है और स्वास्थ्य को मजबूत बनाता है।

अंततः कहा जा सकता है कि योग केवल एक अभ्यास नहीं, बल्कि स्वस्थ और सफल जीवन जीने की कला है। यह मनुष्य को रोगों, तनाव और अशांति से दूर ले जाकर सुख, शांति और आत्मविश्वास प्रदान करता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि प्रत्येक व्यक्ति योग को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाए। यदि हम प्रतिदिन कुछ समय योग के लिए निकालें, तो हम न केवल शारीरिक रूप से स्वस्थ रहेंगे, बल्कि मानसिक रूप से भी प्रसन्न और संतुलित जीवन जी सकेंगे। यही योग का वास्तविक उद्देश्य और सबसे बड़ा लाभ है।

(वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार-स्तम्भकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

सादगी संयमित उपयोग से निकलेगा संकट का समाधान

मनोज कुमार अग्रवाल

प्रधानमंत्री की अपील का प्रत्यक्ष परिणाम भी देखने को मिल रहा है एक ओर पैट्रोल डीजल की कम खपत और सोने की कम आयात से एक सप्ताह में ही विदेशी मुद्रा भंडार में इजाफा हुआ है पर अक्ल का अंधा विपक्ष अभी भी सिर्फ मोदी को घेरने में अपनी उर्जा खपा रहा है। बहरहाल एक दूरदृष्टि और सकारात्मकता से भरा नेतृत्व वैश्विक संकट के इस दौर में देश की आम जनता के लिए ढाल का काम करता रहेगा इसमें कोई संदेह नहीं है।

कैसा विरोधाभास है जिस समय विपक्ष को मौजूदा वैश्विक संकट के दौर में सरकार के कंधे से कंधा मिलाकर देशवासियों को संयम मितव्ययता और सहयोग की प्रेरणा देने का नैतिक दायित्व निर्वहन करना चाहिए उस समय समूचा विपक्ष पीएम मोदी और सरकार के खिलाफ बयानबाजी कर अपनी कुंठा निकाल रहा है। यही हमारे देश की औछी राजनीति और नेताओं की स्वार्थी और सिर्फ कुर्सी पाने की लिप्स तक सीमित सोच का नतीजा है। आपको बता दें कि दुनिया के बदलते हालात ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि कोई भी देश वैश्विक संकटों से पूरी तरह अलग रहकर सुरक्षित नहीं रह सकता। पश्चिम एशिया में जारी तनाव का असर अब केवल युद्धक्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका प्रभाव कच्चे तेल की आपूर्ति, गैस, उर्वरक, खाद्य तेल, विदेशी मुद्रा भंडार और घरेलू महंगाई तक दिखाई देने लगा है। भारत जैसे विशाल और ऊर्जा निर्भर देश के लिए यह स्थिति विशेष चिंता का विषय है। ऐसे समय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा ईंधन बचाने, गैर-जरूरी खर्च घटाने और एक वर्ष तक सोना न खरीदने की अपील केवल सामान्य सलाह नहीं, बल्कि आने वाले आर्थिक दबावों के प्रति देश को तैयार करने का संकेत है। साथ ही यह समय की मांग भी है। इस अपील को और प्रभावी बनाने के लिए प्रधानमंत्री ने स्वयं अपने काफिले का आकार कम करने का निर्णय लिया है। यह कदम सिर्फ दिखावा नहीं है यह व्यवहारिक प्रतीकात्मक होने के साथ-साथ अनुकरणीय भी साबित हुआ है। जब देश का सर्वोच्च नेतृत्व मितव्ययिता को अपने आचरण में उतारता है, तो उसका संदेश नीचे तक जाता है। सूत्रों के अनुसार प्रधानमंत्री ने अपनी सुरक्षा में तैनात विशेष सुरक्षा दल को निर्देश दिया है कि सुरक्षा मानकों से कोई समझौता किए बिना काफिले में वाहनों की संख्या कम की जाए। साथ ही, जहां तक संभव हो, नई गाड़ियां खरीदे बिना इलेक्ट्रिक वाहनों को शामिल करने की दिशा में भी काम किया जाए। यह निर्णय बताता है कि संकट के समय केवल जनता से अपेक्षा करना पर्याप्त नहीं, बल्कि नेतृत्व को स्वयं उदाहरण बनना होता है। जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री के निदेशों का पालन शुरू भी हो चुका है। हैदराबाद में उनके संबोधन के बाद गुजरात और असम में उनके काफिले में वाहनों की संख्या घटाई गई है।अधिकांश भाजपा और एनडीए नीत सरकारों वाले राज्यों में तमाम मंत्रियों अधिकारियों ने इस तरह के कदम उठाए। हालांकि पीएम सुरक्षा से जुड़े अनिवार्य नियमों का पूरा ध्यान रखा जा रहा है। यह जरूरी भी है, क्योंकि प्रधानमंत्री की सुरक्षा राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा विषय है। लेकिन यह भी उतना ही आवश्यक है कि सुरक्षा व्यवस्था के भीतर भी विवेकपूर्ण खर्च और संसाधनों का संतुलित उपयोग हो। यही संतुलन आज देश के हर स्तर पर अपनाने की जरूरत है। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने भी इसी दिशा में पहल की है। विधायक पद की शपथ लेने के बाद उन्होंने कहा कि सुरक्षा कर्मियों को केवल आवश्यक वाहनों को ही काफिले में रखने को कहा गया है। उन्हें जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा और केंद्रीय सुरक्षा प्राप्त है, इसलिए उनके काफिले में स्वाभाविक रूप से अधिक वाहन रहते हैं। फिर भी प्रधानमंत्री की ईंधन बचत संबंधी अपील के बाद उन्होंने सुरक्षा प्रोटोकॉल बनाए रखते हुए काफिले को सीमित करने का निर्णय लिया। देश के अन्य मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों द्वारा भी इस तरह की पहल की जानी चाहिए। संकट के समय सरकार के बड़े पदों पर बैठे लोगों का व्यवहार जनता के मनोबल को प्रभावित करता है। आज आवश्यकता केवल सरकारी कटौती की नहीं, बल्कि राष्ट्रीय अनुशासन की है। वैश्विक स्तर पर चल रहे भू-राजनीतिक तनावों का असर अब भारतीय अर्थव्यवस्था पर स्पष्ट रूप से दिखने लगा है। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने भी अंतरराष्ट्रीय मंच पर यह चिंता व्यक्त की है कि पश्चिम एशिया में जारी संकट के कारण कच्चे तेल की कीमतों में जो उछाल आया है, उसका बोझ अब तक सरकार उठा रही है। लेकिन यदि यह संकट लंबे समय तक जारी रहता है, तो आम उपभोक्ताओं को भी ईंधन की बढ़ी हुई कीमतों का सामना करना पड़ सकता है। यह बयान चेतावनी भी है और तैयारी का संकेत भी। भारत सरकार ने अब तक पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों को स्थिर रखने का प्रयास किया है। इसके लिए शुल्क में कमी, नियंत्रित कीमतों में सीमित समायोजन और राजकोपीय संतुलन जैसे उपाय किए गए हैं। लेकिन कोई भी सरकार अनिश्चित काल तक अंतरराष्ट्रीय बाजार की बढ़ी हुई कीमतों का पूरा बोझ स्वयं नहीं उठा सकती। यदि संकट लंबा खिंचता है, तो उसका कुछ हिस्सा उपभोक्ताओं तक पहुंचना स्वाभाविक होगा। ऐसे में ईंधन की बचत केवल आर्थिक निर्णय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय जिम्मेदारी बन जाती है। भारत की पश्चिम एशिया पर निर्भरता बहुत गहरी है। हमारे कुल आयात और निर्यात का बड़ा हिस्सा इस क्षेत्र से जुड़ा है। विदेशों में रहने वाले भारतीयों द्वारा भेजी जाने वाली राशि का बड़ा भाग भी इसी क्षेत्र से आता है। उर्वरक और गैस आपूर्ति में भी इस क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसका अर्थ है कि पश्चिम एशिया में अस्थिरता केवल पेट्रोल पंपों पर कीमत बढ़ने तक सीमित नहीं रहेगी। इसका असर खेती, उद्योग, रसोई, परिवहन, व्यापार और रोजगार तक दिखाई दे सकता है। इसलिए इस संकट को केवल तेल संकट मानना भूल होगी। यह व्यापक आर्थिक चुनौती है। आपूर्ति श्रृंखला में आने वाले झटकों का सबसे तीखा असर महंगाई पर पड़ता है। भारत में खाद्य पदार्थों की हिस्सेदारी उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में अभी भी काफी अधिक है। यदि ईंधन महंगा होता है, तो माल ढुलाई महंगी होती है। माल ढुलाई महंगी होती है तो सब्जी, अनाज, दाल, दूध, निर्माण सामग्री और रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतें बढ़ती हैं। इस तरह तेल की कीमत में वृद्धि धीरे-धीरे आम आदमी की थाली तक पहुंच जाती है। यही कारण है कि इस समय इंधन बचत को केवल पर्यावरण या परिवहन का मुद्दा नहीं समझना चाहिए। यह महंगाई नियंत्रण से भी सीधे जुड़ा हुआ है। सरकार और रिजर्व बैंक दोनों के सामने चुनौती यह है कि वैश्विक संकट का घरेलू असर सीमित रखा जाए। मौद्रिक नीति महंगाई को नियंत्रित करने का एक साधन हो सकती है, लेकिन आपूर्ति पक्ष के बड़े झटकों से केवल ब्याज दरों के सहारे नहीं निपटा जा सकता। इसके लिए सरकार, उद्योग, प्रशासन और जनता सभी को मिलकर काम करना होगा। जहां सरकार खर्च में अनुशासन लाए, वहीं नागरिक भी अपनी जीवनशैली में थोड़ी सावधानी बरतें। अनावश्यक यात्रा, दिखावटी खर्च, अत्यधिक ईंधन खपत और आयातित वस्तुओं पर निर्भरता कम करना समय की जरूरत है। प्रधानमंत्री द्वारा सोने की खरीद टालने की अपील भी इसी व्यापक आर्थिक सोच का हिस्सा है। भारत में सोना भावनात्मक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, लेकिन बड़े पैमाने पर सोना आयात करने से विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव पड़ता है। संकट के समय यदि लोग कुछ समय के लिए सोने की गैर-जरूरी खरीद को टालते हैं, तो इससे देश को राहत मिल सकती है। इसी तरह पेट्रोल और डीजल की बचत से आयात बिल कम करने में सहायता मिलेगी। छोटी-छोटी बचतें जब करोड़ों नागरिकों द्वारा की जाती हैं, तो उनका प्रभाव बहुत बड़ा हो जाता है। संकट के समय राष्ट्रों की असली शक्ति केवल सेना, मुद्रा भंडार या सरकारी नीतियों से नहीं मापी जाती। वह जनता के अनुशासन, नेतृत्व के आचरण और समाज की सामूहिक जिम्मेदारी से भी तय होती है। आज भारत के सामने अवसर है कि वह संयम, मितव्ययिता और आत्मनियंत्रण के माध्यम से इस चुनौती को अवसर में बदले। प्रधानमंत्री द्वारा काफिले में कटौती का कदम इसी दिशा में एक संदेश है कि कठिन समय में शुरूआत ऊपर से होनी चाहिए। अब आवश्यकता है कि यह संदेश सरकार के हर विभाग, हर राज्य, हर संस्था और हर नागरिक तक पहुंचे। यह समय भय का नहीं, समझदारी का है। यह समय घबराहट का नहीं, तैयारी का है। यदि नेतृत्व उदाहरण प्रस्तुत करे और जनता सहयोग दे, तो वैश्विक संकटों का असर कम किया जा सकता है। मितव्ययिता कमजोरी नहीं, बल्कि परिपक्व राष्ट्र का गुण है। आज देश को यही समझना होगा कि बचाया गया ईंधन, टाली गई अनावश्यक खरीद और रोका गया फिजूल खर्च केवल व्यक्तिगत बचत नहीं, बल्कि राष्ट्रीय योगदान है। कठिन दौर में संयम ही सबसे बड़ा समाधान है।

प्रधानमंत्री की अपील का प्रत्यक्ष परिणाम भी देखने को मिल रहा है एक ओर पैट्रोल डीजल की कम खपत और सोने की कम आयात से एक सप्ताह में ही विदेशी मुद्रा भंडार में इजाफा हुआ है पर अक्ल का अंधा विपक्ष अभी भी सिर्फ मोदी को घेरने में अपनी उर्जा खपा रहा है। बहरहाल एक दूरदृष्टि और सकारात्मकता से भरा नेतृत्व वैश्विक संकट के इस दौर में देश की आम जनता के लिए ढाल का काम करता रहेगा इसमें कोई संदेह नहीं है।

ये हैं जेईई मेन परीक्षा क्रैक करने के लिए जरूरी टिप्स

जेईई मेन एग्जाम की डेट नजदीक आ रही है। इस परीक्षा का पहला सेशन फरवरी के अंतिम सप्ताह में आयोजित किया जाएगा, जिसमें लाखों उम्मीदवार अपनी काबिलियत को आजमाएंगे। देश के टॉप इंजीनियरिंग संस्थानों में दाखिले के लिए होने वाली इस परीक्षा को देश की सबसे कठिन प्रवेश परीक्षाओं में से एक माना जाता है। अगर आप भी इस परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं तो आपको यहां पर हम जेईई मेंस की प्रिपरेशन प्लानिंग के बारे में पूरी जानकारी और टिप्स देंगे।

सिलेबस को समझ कर बनाएं प्लान

जेईई मेन की तैयारी के लिए छात्रों को प्रभावी प्लान बनाने की जरूरत पड़ेगी और इसमें मदद करेंगा परीक्षा का सिलेबस। सबसे पहले सिलेबस को समझे और इसके आसान और कठिन विषयों को ध्यान में रखकर अपनी प्रिपरेशन प्लानिंग बनाएं। अपनी क्षमता और स्पीड के आधार पर, तीनों विषयों को शामिल करते हुए एक डेली प्रिपरेशन प्लान बनाएं। इसका नियमित रूप से पालन भी करें।

बेहतर टाइम टेबल बनाएं

इस परीक्षा की तैयारी के लिए सही टाइम टेबल होना बहुत जरूरी है। टाइम टेबल को अपने परीक्षा पैटर्न को ध्यान में रखकर बनाएं। इस परीक्षा में उम्मीदवारों को 90 प्रश्नों में से 75 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक पेपर की अवधि 3 घंटे है। प्रत्येक विषय में 20 एमसीक्यू और 10 न्यूमेरिकल प्रश्न होंगे, जिनमें से 5 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। एमसीक्यू के लिए, प्रत्येक सही उत्तर के लिए 4 अंक दिए जाएंगे और प्रत्येक गलत उत्तर के लिए 1 अंक काटा जाएगा। वहीं, न्यूमेरिकल प्रश्नों में सही उत्तर के लिए 4 अंक दिए जाएंगे और इस खंड में कोई निगेटिव मार्किंग नहीं है।

मौजूदा टॉपिक को पूरा करें

इस परीक्षा के पहले अटेम्ट के लिए अब दो माह से कम समय बचा है। इसलिए तैयारी में आपको पूरा जोर लगाना पड़ेगा। अब समय आ गया है कि इस परीक्षा के प्रमुख टॉपिक को आप पूरा कर लें। उसके बाद दूसरे टॉपिक को शुरू करें। यह तरीका आगे चलकर आपके लिए महत्वपूर्ण पहलू साबित होगा, क्योंकि जेईई मेन की तैयारी के अंतिम चरण के दौरान, उम्मीदवारों को अधिक जोर नहीं लगाना पड़ेगा।

फ्लैश कार्ड तैयार करें

इस परीक्षा की तैयारी के लिए शॉर्ट नोट्स बनाना बेहद महत्वपूर्ण है। फ्लैशकार्ड और शॉर्ट नोट्स तैयार करने का उद्देश्य मुख्य परीक्षा के आयोजन में जब एक सप्ताह का समय बचा हो, उस समय अधिक से अधिक समय को बचाकर इनसे तैयारी कर सकें। इनसे उम्मीदवार जल्दी से इन शॉर्ट नोट्स और फ्लैश नोट्स के माध्यम से पढ़ाई कर सकेंगे और अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं को दोहरा सकेंगे।

सैंपल पेपर्स की प्रैक्टिस करें

जेईई मेंस परीक्षा की तैयारी के लिए लगातार सैंपल पेपर और प्रश्न पत्रों को हल करें। जेईई मेन प्रश्न पत्र को हल करने का उद्देश्य उम्मीदवारों को उनकी तैयारी के स्तर को जानने में सक्षम बनाना है। इससे, उम्मीदवार यह पता लगाने में सक्षम होंगे कि वे हर विषय में प्रत्येक प्रश्न को हल करने में कितना समय ले रहे हैं। साथ ही क्या वे अपने समय का उचित प्रबंधन कर पा रहे हैं या नहीं, यह समझ भी उनमें आएगी। जितना अधिक वे प्रश्नों को हल करेंगे, उन्हें पता चल जाएगा कि वे कौन से क्षेत्र हैं जिनमें उन्हें अधिक काम करना होगा ताकि परीक्षा के दिन कोई कठिनाई न आए। वे अपनी कमियों को दूर कर अपनी प्रदर्शन में सुधार कर सकते हैं।

लगातार मॉक टेस्ट दें

अब सभी परीक्षा के लिए मॉक टेस्ट बेहद जरूरी हो गया है। यह हमें परीक्षा से पहले असपल परीक्षा का एहसास कराता है। अगर आप जेईई मेन की तैयारी कर रहे हैं, तो प्रतिदिन एक मॉक टेस्ट जरूर देने की कोशिश करें। इससे जेईई मेन प्रवेश परीक्षा के दिन उम्मीदवारों को किसी तरह के प्रेशर का सामना नहीं करना पड़ेगा।

रिवीजन जरूर करें

सभी परीक्षा के लिए रिवीजन बहुत ही जरूरी है। इसके बिना परीक्षा को क्रैक नहीं कर सकते। इसलिए, उम्मीदवारों को समय रहते जो कुछ पढ़ा है उसे अच्छी तरह से दोहरा लेना चाहिए। इससे टॉपिक को याद करने में काफी मदद मिलेगी। आप जो भी टॉपिक पढ़े उसका हर सप्ताह रिवीजन भी करें। इससे आपको याद करते में मदद मिलेगी।

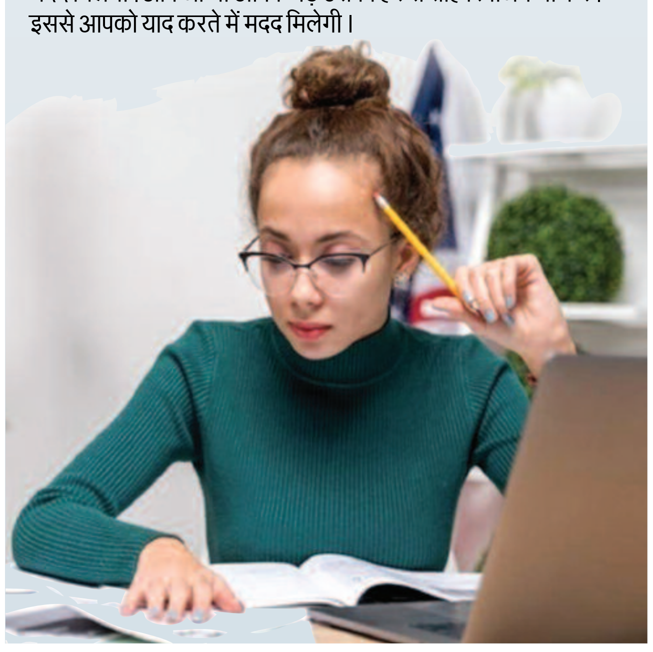

डेंटल हाइजीनिस्ट बनकर संवारें अपना कॅरियर

डेंटल हाइजीनिस्ट एक दंत पेशेवर है जो मौखिक स्वास्थ्य में माहिर है। इनका मुख्य काम आमतौर पर मौखिक स्वच्छता और देखभाल में तकनीकों पर ध्यान केंद्रित करना होता है। दंत चिकित्सक और डेंटल हाइजिनिस्ट मरीजों की मौखिक स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा करने के लिए एक साथ काम करते हैं। शरीर के अन्य भागों की तरह ही दांत भी मनुष्य के शरीर का एक अहम हिस्सा हैं। आमतौर पर ओरल हेल्थ का ख्याल रखना बेहद ही जरूरी माना जाता है और लोग इसका ख्याल रखते भी हैं। हालांकि दांतों व ओरल हेल्थ से संबंधित कई बार लोगों को कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ता है और ऐसे में एक पेशेवर की जरूरत पड़ती है। वैसे जब ओरल हेल्थ को लेकर डॉक्टर का ख्याल आता है तो हम सभी डेंटिस्ट के पास जाना पसंद करते हैं। लेकिन अब, दंत चिकित्सा तेजी से बदल रही है, कई अवसरों और चुनौतियों का निर्माण कर रही है। दंत चिकित्सकों के रूप में मुख्य कॅरियर के अलावा, दंत चिकित्सा सहायक, डेंटल हाइजीन के क्षेत्र में भी आप कॅरियर के अवसर तलाश सकते हैं। तो चलिए आज हम जानते हैं कि डेंटल हाईजीनिस्ट बनकर आप अपना कॅरियर कैसे संवार सकते हैं–

क्या होता है काम

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि डेंटल हाइजीनिस्ट एक दंत पेशेवर है जो मौखिक स्वास्थ्य में माहिर है। इनका मुख्य काम आमतौर पर मौखिक स्वच्छता और देखभाल में तकनीकों पर ध्यान केंद्रित करना होता है। दंत चिकित्सक और डेंटल हाइजिनिस्ट मरीजों की मौखिक स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा करने के लिए एक साथ काम करते हैं। डेंटल हाइजिनिस्ट अमूमन डेंटिस्ट को मरीजों के दांतों की देखभाल करने और अच्छे मौखिक स्वास्थ्य को मेंटेन रखने में रोगियों को शिक्षित करने में सहायता करते हैं। डेंटल हाइजीनिस्ट के कुछ अधिक विशिष्ट कर्तव्यों में दांतों से टार्टर और प्लाक को हटाना, दांतों की सुरक्षा के लिए फ्लोराइड या सीलेंट लगाना, एक्स–रे लेना और उचित मौखिक स्वच्छता पर मरीजों को शिक्षित करना शामिल है। हाइजीनिस्ट मरीजों को अपने दांतों की देखभाल के बारे में बात करने में समय बिताते हैं। वे लोगों को उन प्रभावों के बारे में शिक्षित करते हैं जो उनके आहार और जीवन शैली का उनके दांतों पर प्रभाव डालते हैं। साथ ही वे दांतों को स्वस्थ रखने के लिए तकनीकों और आदतों के बारे में बताते हैं।

शैक्षिक योग्यता

डेंटल हाइजीनिस्ट कोर्स को कई डेंटल कॉलेजों में डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स के रूप में पेश किया जाता है। जो छात्र डेंटल हाइजीनिस्ट का कोर्स करना चाहते हैं, उन्हें 12वीं की परीक्षा भौतिकी, रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान विषय में पास करना अनिवार्य है।

व्यक्तिगत योग्यता

कॅरियर एक्सपर्ट के अनुसार, डेंटल हाइजीनिस्ट की आंखों की रोशनी, सुनने और संचार कौशल अच्छा होना चाहिए। किसी भी अन्य चिकित्सा क्षेत्र के साथ, उन्हें दूसरों की मदद करने की तीव्र इच्छा होनी चाहिए, और दंत चिकित्सकों के निर्देशों का बारीकी से पालन करने में सक्षम होना चाहिए। इसके अलावा, अच्छा पारस्परिक कौशल, धैर्य, परिश्रम और उच्च स्तर की सटीकता एक अच्छा हाइजीनिस्ट होने के लिए आवश्यक कौशल हैं। एक टीम के रूप में काम करने की क्षमता भी इस क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने के लिए आवश्यक है।

संभावनाएं ही संभावनाएं

दंत चिकित्सा के क्षेत्र में बतौर डेंटल हाइजीनिस्ट बनकर भी आप एक अच्छा कॅरियर देख सकते हैं। एक डेंटल हाईजीनिस्ट अस्पताल से लेकर कम्युनिटी डेंटल सर्विस के रूप में काम कर सकते हैं। इसके अलावा वे पीरियोडोंटिक्स या बाल चिकित्सा दंत चिकित्सा में भी काम कर सकते हैं। डेंटल हाईजीनिस्ट डेंटल हॉस्पिटल, आर्म्ड फोर्स, पब्लिक हेल्थ सेक्टर व प्राइवेट रूप से भी प्रैक्टिस कर सकते हैं।

आमदनी

डेंटल हाईजीनिस्ट की आमदनी उनकी शिक्षा, अनुभव व स्थान के आधार पर भिन्न होती है। एक डेंटल हाईजीनिस्ट की आमदनी घंटे, दिन, सैलरी या कमिशन बेस पर हो सकती है। हालांकि इस क्षेत्र में एक फ्रेशर प्रति माह आठ से दस हजार रूपए वेतन प्राप्त कर सकता है।

प्रमुख संस्थान

- भारत इंस्टीट्यूट ऑफ पैरामेडिकल एंड मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली
- भारत यूनिवर्सिटी, चेन्नई
- जया पैरामेडिकल कॉलेज एंड एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, हरियाणा
- लक्ष्मी बाई इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंसेस एंड हॉस्पिटल, पटियाला

कृषि का अध्ययन करने के बाद एक सफल उद्यमी कैसे बनें

उद्यमिता और कृषि बिलकुल एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। कृषि एक उद्योग है, जो दुनिया भर में है और धरती की पूरी आबादी को प्रभावित करता है। और यह सही है कि कृषि उद्यमी की हमेशा जरूरत रहेगी। उद्यमिता आजकल हर जगह पाई जा सकती है। हर पेशे में एक उद्यमी क्षेत्र होता है। उस विशेष क्षेत्र में कृषि निश्चित रूप से बहुत अहम भूमिका निभाता है। उद्यमिता और कृषि बिलकुल एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। कृषि एक उद्योग है, जो दुनिया भर में है और धरती की पूरी आबादी को प्रभावित करता है। और यह सही है कि कृषि उद्यमी की हमेशा जरूरत रहेगी।

उद्यमिता क्षेत्र के किसान आजकल अपने खेतों को व्यवसाय मानते हैं और वे उन्हें ऐसा ही मानेंगे। वे जोखिम लेने के लिए तैयार हैं, वे नई और इनोवेटिव तकनीकों का इस्तेमाल करेंगे और सामान्य तौर पर वे अपनी सामर्थ्य के हिसाब से सब कुछ करेंगे जो उन विचारों के साथ आएंगे जो उनके लाभ को अधिकतम करेंगे, उनके प्रयास को कम करेंगे और उनके व्यवसाय को बढ़ाएंगे। आर्थिक वृद्धि और विकास के लिए उद्यमियों की भूमिका को मान्यता देते हुए विश्वविद्यालय और कॉलेज स्तर में कई पाठ्य कार्यक्रमों ने छात्रों के उद्यमिता कौशल को विकसित करने के लिए एक विषय के रूप में उद्यमिता को शामिल किया है। हालांकि, मौजूदा समय में नौकरियों को भरने के लिए कॉलेज में इस विषय का अध्ययन करने वाले पर्याप्त छात्र नहीं हैं। और इसके परिणामस्वरूप सफल कृषि व्यवसाय चलाने के अनुभव वाले कम लोग ही होंगे।

कृषि–उद्यमी बनने के लिए जरूरी कदम

प्रक्रिया का पहला चरण– यदि उद्यमिता की अवधारणा के साथ खुद को परिचित करना है तो आपको यह समझने की आवश्यकता है कि उद्यमशीलता क्या है और यह आपके खेत को कैसे लाभ पहुंचा सकती है।

दूसरा कदम– कृषि की दुनिया के सभी नए नए विचारों के बारे में सीखना है। नई सामग्रियों और उर्वरकों से लेकर नई मशीनों और प्रौद्योगिकियों तक। इससे आपको अपने खेत को एक वास्तविक बड़े व्यवसाय के रूप में कल्पना करने में और उन सभी छोटी छोटी चीजों को व्यवस्थित करने में, जो आपको याद आ रही हैं, काफी मदद मिलेगी।

तीसरा कदम– एक साझेदारी बनाना है। एक उद्यमी के रूप में सफल होने के लिए ऐसी बहुत सी चीजें हैं जिनकी आपको आवश्यकता होगी और आपको उन चीजों को प्रदान करने के लिए किसी की आवश्यकता भी संभवत: हो सकती है। उन लोगों के साथ सही साझेदारी बनाएं, जो आपके सपने और सफलता की महत्वाकांक्षा को साझा करते हैं।

चौथा कदम– कृषि के क्षेत्र में 'धमाकेदार' के साथ अपना नया 'स्टार्ट–अप' व्यवसाय शुरू करना है। आपको एक बहुत मजबूत और ठोस व्यवसाय योजना की आवश्यकता है। आपको कुछ जोखिम भी उठाने पड़ सकते हैं। यह जानना कि आप किस उद्देश्य से काम कर रहे हैं, सही व्यवसाय योजना बनाना बहुत कठिन काम नहीं है।

आपके लिए यह याद रखना अत्यंत महत्वपूर्ण है कि साझेदारी आपके कृषि व्यवसाय के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यदि आप वास्तव में सफल उद्यमी बनना चाहते हैं तो आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि आप जो भी सहायता प्राप्त कर सकते हैं, उसका ठीक से उपयोग करेंगे।

कैसे बनाएं अभिलेखीय विज्ञान में कॅरियर

प्रत्येक स्थान का इतिहास हजारों पांडुलिपियों, अभिलेखों, शिलालेखों, दस्तावेजों आदि में अंतर्निहति है, इन अद्वितीय अभिलेखों को वैज्ञानिक रूप से संरक्षित और अभिलेखीय अभिलेख या आर्काइवल रिकॉर्ड्स कहा जाता है, जो किसी विशेष क्षेत्र और समाज के इतिहास को समझने में मदद करते हैं। आमतौर पर लोग म्यूजियम, आर्काइव्स और लाइब्रेरी को लेकर भ्रमित हो जाते हैं, क्योंकि ये सभी सांस्कृतिक संस्थाएं हैं, जो सांस्कृतिक विरासत के संग्रह और संरक्षण से संबंधित हैं। यह तीनों ही इतिहास को संरक्षित रखने में मदद करते हैं, लेकिन फिर भी इनमें अंतर है। जहां, संग्रहालय ऐतिहासिक कलाकृतियों और वस्तुओं पर ध्यान केंद्रित करते हैं, वहीं पुस्तकालय में प्रकाशित पुस्तकों, पत्रिकाओं आदि को रखा जाता है, जबकि आर्काइव्स अभिलेखों पर ध्यान केंद्रित करने में माहिर हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बताते हैं कि अभिलेखीय विज्ञान में कॅरियर कैसे बनाएं–

कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि एक व्यक्ति जो अभिलेखागार में काम करता है, उसे पेशेवर रूप से एक अभिलेखागार या आर्काइवल के रूप में जाना जाता है। अभिलेखागार ऐतिहासिक रिकॉर्ड संग्रह का प्रबंधन करने के लिए मानकों का पालन करते हैं।

क्या होता है काम

कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि एक व्यक्ति जो अभिलेखागार में काम करता है, उसे पेशेवर रूप से एक अभिलेखागार या आर्काइवल के रूप में जाना जाता है। अभिलेखागार ऐतिहासिक रिकॉर्ड संग्रह का प्रबंधन करने के लिए मानकों का पालन करते हैं। वे उन अभिलेखों का मूल्यांकन, संग्रह, आयोजन, संरक्षण और रखरखाव करते हैं, जिनके पास अतीत की विश्वसनीय यादों के रूप में स्थायी मूल्य होते हैं। वे ऐसे लोग हैं जो राष्ट्रीय और स्थानीय अभिलेखागार, विश्वविद्यालयों, अस्पतालों, व्यवसायों, आदि में दस्तावेजीकरण के लिए जिम्मेदार हैं, वे कानूनी, वित्तीय और प्रशासनिक उद्देश्यों के लिए रिकॉर्ड को संरक्षित और सुलभ बनाते हैं।

शैक्षणिक योग्यता

कॅरियर एक्सपर्ट के अनुसार, अधिकांश कॉलेज और विश्वविद्यालय सूचना विज्ञान के साथ एक सहायक विषय के रूप में अभिलेखीय विज्ञान पढ़ाते हैं। वहीं, भारत में कुछ संस्थान ऐसे भी हैं, जो अभिलेखीय विज्ञान में सर्टिफिकेट और डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं जैसे कि अभिलेखागार में पीजी प्रमाणपत्र, अभिलेखागार अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा, अभिलेखागार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा, अभिलेखागार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा और अभिलेखागार और प्रबंधन और प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा आदि।

व्यक्तिगत गुण

कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि एक आर्काइविस्ट में बेहतर कम्युनिकेशन स्किन के अलावा एनालिटकल एंड रिसर्च स्किल्स, प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल्स और आर्गेनाइजेशनल एबिलिटी होना बेहद जरूरी है। उन्हें धैर्य रखने के अलावा सटीक, पूरी तरह से समझने और क्या जानकारी रखने के बारे में अच्छे निर्णय लेने में सक्षम होने की आवश्यकता है। उन्हें एक सुव्यवस्थित और व्यवस्थित तरीके से काम करना चाहिए, जानकारी को निजी रखने और दबाव में अच्छी तरह से काम करने में सक्षम होना चाहिए। इसके अलावा, एक आर्काइविस्ट को कंप्यूटर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का भी सही तरह से इस्तेमाल करना आना चाहिए।

संभावनाएं

आर्काइविस्ट विभिन्न संगठनों जैसे संग्रहालयों, सरकारी एजेंसियों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों, औद्योगिक और वाणिज्यिक फर्मों, ऐतिहासिक सोसाइटी, निगमों और अन्य कई संस्था में काम कर सकते हैं। वहीं, सरकारी क्षेत्रों में रोजगार की तलाश करने वालों को संघ लोक सेवा आयोग या कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित परीक्षाओं को पास करना होगा। भारत के राष्ट्रीय अभिलेखागार, संस्कृति मंत्रालय का एक संबद्ध कार्यालय, जो राष्ट्र के सभी महत्वपूर्ण दस्तावेजों और अभिलेखागार का प्रबंधन करता है, अपनी विभिन्न इकाइयों में योग्य उम्मीदवारों को नौकरी के विभिन्न अवसर प्रदान करता है।

इस क्षेत्र में एक फ्रेशर शुरुआती वेतन 10000 रुपये से लेकर 15000 रुपये प्रति माह तक कमा सकता है। अनुभवी और योग्य पेशेवर प्रति माह लगभग 20,000 रुपये का वेतन प्राप्त कर सकते हैं। वहीं अनुभव बढ़ने के साथ–साथ आपकी आमदनी भी बढ़ती है।

प्रमुख संस्थान

- नेशनल आर्काइव्स ऑफ इंडिया, नई दिल्ली
- पटना यूनिवर्सिटी, पटना
- महर्षि दयानंद सरस्वती यूनिवर्सिटी, अजमेर
- द गांधीग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, तमिलनाडु

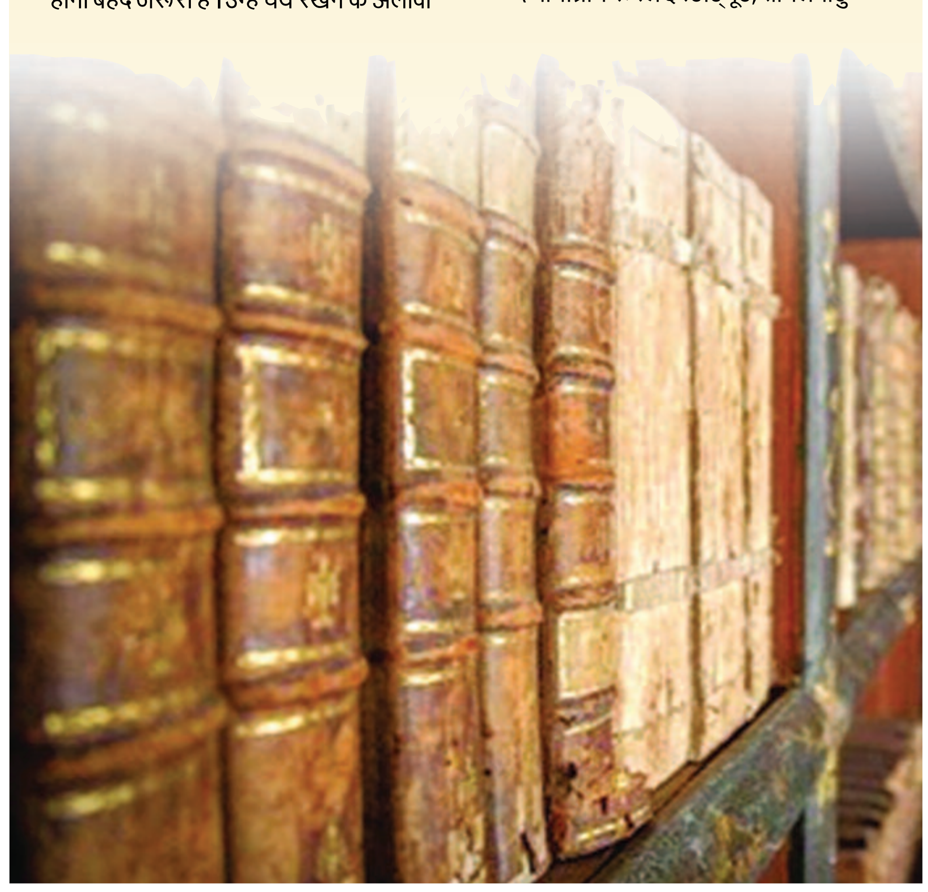

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 114 , निफ्टी 31 अंक गिरा

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को हल्की गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी बिकवाली हावी रहने से आई है। आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला पर बाजार बंद होने से कुछ ही समय पहले इसमें गिरावट आने लगी । अंतिम घंटे में बैंक, वित्तीय और धातु शेयरों में गिरावट से बाजार नीचे आया। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 114.19 अंक टूटकर 75,200.85 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 31.95 अंक फिसलकर 23,618 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 18 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। कोटक महिंद्रा के अलावा टाइटन, अल्ट्राटेक सीमेंट, भारती एयरटेल, सन फार्मा, अडानी पोर्ट्स, इंडिगो, हिंदुस्तान यूनिलीवर और रिलायंस के शेयरों भी गिरावट रही जबकि इन्फोसिस, एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, टीसीएस के शेयर उछले। निफ्टी पर टाइटन कंपनी, अल्ट्राटेक सीमेंट और टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स में सबसे ज्यादा गिरावट रही। ब्रॉडर मार्केट्स में निफ्टी मिडकैप में 0.91 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप में 1.17 फीसदी बढ़त रही। वहीं निफ्टी प्राइवेट बैंक में सबसे ज्यादा गिरावट आई। निफ्टी बैंक और निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज के शेयर भी गिरे। निफ्टी आईटी, निफ्टी रियल्टी और निफ्टी केमिकल में भी तेजी रही। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला। सुबह निफ्टी 87 अंक की बढ़त के साथ 23,726.6 के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह, सेंसेक्स भी 320.09 अंक की तेजी के साथ 75,651.53 पर कारोबार कर रहा था। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने कहा कि अन्य पश्चिम एशियाई देशों के अनुरोध के बाद एक प्रस्तावित सैन्य कार्रवाई को रोक दिया गया है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि क्षेत्र में ऐसा समझौता संभव है ।

जापान की अर्थव्यवस्था में पहली तिमाही में 2.1 फीसदी की वार्षिक वृद्धि

पश्चिमी एशिया संघर्ष और ऊर्जा कीमतों की बढ़ोतरी के बावजूद दिखी मजबूती

तोक्यो ।

जापान की अर्थव्यवस्था ने जनवरी-मार्च तिमाही में 2.1 प्रतिशत की वार्षिक दर से मजबूत वृद्धि दर्ज की है। पश्चिमी एशिया संघर्ष के कारण बढ़ती ऊर्जा कीमतों के चुनौतीपूर्ण माहौल के बावजूद यह लगातार दूसरी तिमाही की वृद्धि देश की आर्थिक मजबूती को दर्शाती है। मंत्रिमंडल कार्यालय के आंकड़ों के अनुसार इस बेहतर परिणाम का श्रेय मुख्य रूप से उपभोक्ताओं और व्यवसायों द्वारा बढ़ाए गए खर्च को जाता है। पिछले तिमाही के मुकाबले वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 0.5 प्रतिशत की बढ़त हुई। निजी उपभोग में तिमाही आधार पर 0.3 प्रतिशत और सार्वजनिक मांग में भी 0.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इस दौरान निर्यात में 1.7 प्रतिशत और आयात में 0.5 प्रतिशत की बढ़त हुई। प्रधानमंत्री सानाए ताकाइची ने भविष्य में इस विकास दर को बनाए रखने के लिए पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने का वादा किया है, जिसके लिए सरकारी खर्च में और बढ़ोतरी की आवश्यकता हो सकती है।

अमेरिकी न्याय विभाग से अडानी को बड़ी राहत, आपराधिक मामले बंद

न्यूयॉर्क में चल रहे सिक्योरिटीज और वायर फ्रॉड के मामले को अदालत ने खारिज किए

नई दिल्ली ।

अमेरिकी न्याय विभाग (डीओजे) ने गौतम अडानी और अडानी ग्रुप को बड़ी राहत देते हुए उनके खिलाफ चल रहे सभी आपराधिक मामलों को हमेशा के लिए बंद कर दिया है। न्यूयॉर्क में चल रहे सिक्योरिटीज और वायर फ्रॉड के मामले को अदालत ने पूरी तरह से खारिज कर दिया। यह फैसला अडानी ग्रुप से जुड़े अमेरिका के कई प्रमुख कानूनी और नियामक मामलों का पटाक्षेप करता है, जिससे समूह को बड़ी राहत मिली है। यह फैसला उन आरोपों के बाद आया है, जिसमें अमेरिकी एजेंसियों ने अडानी ग्रुप पर भारत में सौर परियोजनाओं के लिए कथित रिश्वत योजना और अमेरिकी निवेशकों से जानकारी छिपाने का आरोप लगाया था। समूह ने इन आरोपों को हमेशा बेबुनियाद बताया था। अमेरिकी अदालत में दाखिल दस्तावेजों में, न्याय विभाग ने आगे संसाधन खर्च न करने की बात कही, जिसके बाद अदालत ने मामले को`` विथ प्रेजू डिसीज खारिज कर दिया, यानी इसे भविष्य में दोबारा नहीं खोला जा सकेगा। जांच में, अभियोजकों को आरोपों के पर्याप्त सबूत या स्पष्ट अमेरिकी कनेक्शन नहीं मिले, जिसके बाद डीओजे ने केस वापस लिया। अडानी के वकीलों ने अदालत में मजबूत कानूनी दलीलें दी थीं। हाल ही में अमेरिकी सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन ने भी गौतम अडानी और सागर अडानी के साथ सिविल सेटलमेंट किया था, जिसमें उन्होंने बिना गलती स्वीकार किए भुगतान पर सहमति जताई। इसके अतिरिक्त, अमेरिकी ट्रेजरी विभाग की ओफेक एजेंसी ने भी ईरान से एलपीजी आयात से जुड़े प्रतिबंध उल्लंघन मामले को अडानी ग्रुप के 27.5 करोड़ डॉलर के भुगतान और सहयोग के वादे के साथ निपटाया था। कानूनी विशेषज्ञों और अडानी के वकीलों ने अमेरिकी कानूनों को भारतीय लेनदेन पर लागू करने के प्रयासों पर सवाल उठाए थे, यह तर्क देते हुए कि बॉन्ड्स अमेरिकी एक्सचेंजों पर ट्रेड नहीं होते थे और निवेशकों को कोई नुकसान नहीं हुआ। इस पूरे घटनाक्रम के बाद, अडानी ग्रुप को मिली यह कानूनी और कारोबारी राहत उसके वैश्विक विस्तार योजनाओं और निवेशकों के भरोसे को मजबूती प्रदान कर सकती है।

बैंकों की बंपर कमाई फिर भी कमजोर मूल्यांकन, बैंक निफ्टी में रिकॉर्ड गिरावट

निफ्टी 50 के मुकाबले बैंक निफ्टी 43.5 फीसदी कम मूल्यांकन पर

नई दिल्ली ।

बाजार के मौजूदा हालात में बैंकिंग क्षेत्र की वृद्धि और कमाई निवेशकों को चिंतित कर रही है। बेंचमार्क निफ्टी 50 सूचकांक के मुकाबले बैंक निफ्टी का मूल्यांकन रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया है, जो 2015 के बाद सबसे बड़ा अंतर है। यह तब हो रहा है जब बैंकिंग क्षेत्र ने बीते कुछ वर्षों में कॉर्पोरेट आय वृद्धि में अहम योगदान दिया है। बैंक निफ्टी वर्तमान में निफ्टी 50 की तुलना में 43.5 फीसदी कम मूल्यांकन पर कारोबार कर रहा है। इसका प्राइस-टु-बुक अनुपात 1.83 है, जबकि निफ्टी 50 का 3.25। खास बात यह है कि पिछले पांच वर्षों में बैंक निफ्टी की प्रति शेयर आय (ईपीएस) में 172 फीसदी की प्रभावशाली वृद्धि हुई।

आईओसी का चौथी तिमाही में मुनाफा 56 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली ।

इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईओसी) का वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में मुनाफा 56 प्रतिशत बढ़कर 11,377.51 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। आईओसी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि चौथी में उसका एकल आधार पर मुनाफा बढ़कर 11,377.51 करोड़ रुपये हो गया, जो 2024-25 की समान तिमाही में 7,264.85 करोड़ रुपये था। कंपनी ने कहा कि इस तिमाही में उसे पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस एलपीजी को लागत से कम कीमत पर बेचने के कारण भारी नुकसान हुआ, लेकिन इसके बावजूद उसने मजबूत प्रदर्शन दर्ज किया। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का मुनाफा 36,802.42 करोड़ रुपये रहा, जो वित्त वर्ष 2024-25 में 12,961.57 करोड़ रुपये था।

ईरान पर अमेरिकी हमला टलते ही कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट

वाशिंगटन। डोनाल्ड ट्रंप के ईरान पर हमला टालने की घोषणा से कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आई है। ब्रेंट क्रूड फ्यूचर्स मंगलवार को 2.55फीसदी गिरकर 109.194 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट क्रूड भी 1.91फीसदी टूटकर 102 डॉलर प्रति बैरल हो गया। सोमवार को यूएई के एक परमाणु ऊर्जा संयंत्र पर हुए ड्रोन हमले के बाद ब्रेंट क्रूड की कीमत दो सप्ताह के उच्च स्तर पर पहुंच गई थी। अब क्रूड की कीमतों में आई गिरावट भारत समेत दुनिया के लिए बड़ी राहत है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डोनाल्ड ट्रंप ने बताया कि यह हमला पूरी तरह तय था, लेकिन मिडिल ईस्ट के तीन सबसे शक्तिशाली और बड़े नेताओं के सीधे हस्तक्षेप और व्यक्तिगत अनुरोध के बाद उन्होंने अमेरिकी सेना को हमले रोकने के निर्देश दिए हैं। तेल बाजार इस समय अमेरिका और ईरान के तनाव पर सबसे ज्यादा प्रतिक्रिया दे रहा है। शांति समझौते की दिशा में थोड़ी सी प्रगति होने पर क्रूड के दाम गिर जाते हैं तो तनाव बढ़ने के संकेत मिलते ही ऊपर चढ़ जाते हैं। होर्मुज खुलेगा या नहीं, यह इसी समझौते पर निर्भर है। ईरान ने अमेरिका और इज़राइल द्वारा 28 फरवरी से शुरू किए गए हमलों के जवाब में रणनीतिक महत्व वाले इस जलमार्ग को प्रभावी रूप से बंद कर दिया है। दुनिया के करीब पांचवें हिस्से का तेल और तरलीकृत प्राकृतिक गैस इसी संकरे समुद्री मार्ग से होकर गुजरता है। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने रूसी समुद्री तेल पर लागू प्रतिबंधों में दी गई अस्थायी छूट को 30 दिन के लिए आगे बढ़ाने का फैसला किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक कई देशों ने अमेरिका से आग्रह किया था कि उन्हें रूसी तेल खरीद जारी रखने के लिए थोड़ा और समय दिया जाए। अमेरिका ने पहले यह छूट मार्च में दी थी ताकि वैश्विक बाजार में तेल की कमी और कीमतों में अचानक आई तेजी को नियंत्रित किया जा सके।

प्रवर्तकों के पूंजी निवेश से मजबूत हुआ वीआई का इरादा, जल्द बैंक कर्ज मिलने की उम्मीद

35,000 करोड़ रुपये की फंडिंग के लिए बैंकों से बातचीत अंतिम दौर में

नई दिल्ली ।

देश की तीसरी सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया (वीआई) का शीर्ष प्रबंधन बैंकों से 35,000 करोड़ रुपए का कर्ज हासिल करने को लेकर आश्वस्त है। कंपनी के प्रवर्तकों द्वारा इक्विटी डालने के फैसले और 5जी नेटवर्क के विस्तार की महत्वाकांक्षी योजना ने इस विश्वास को और मजबूत किया है। कंपनी जनवरी-मार्च 2026 तिमाही के नतीजे घोषित करने के बाद अपनी रणनीति पर खुलकर बात की। वोडाफोन आइडिया के मुख्य कार्य अधिकारी अभिजित किशोर ने बताया कि कंपनी स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के नेतृत्व वाले बैंकों के समूह, जिसमें सार्वजनिक, निजी और विदेशी बैंक शामिल हैं, के साथ 35,000 करोड़ रुपए जुटाने के लिए लगातार बातचीत कर रही है। इसमें 25,000 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता और 10,000 करोड़ रुपए की गैर-वित्तीय सहायता या ऋण सुविधा शामिल होगी। किशोर ने बातचीत पूरी होने की कोई निश्चित समय-सीमा नहीं बताई, लेकिन जल्द सफल होने का भरोसा जताया। यह भरोसा ऐसे समय में आया है जब आदित्य बिड़ला समूह ने तरजीही निर्गम के जरिये वीआई में 4,730 करोड़ रुपए का निवेश करने का निर्णय लिया है। इसमें सिंगापुर की कंपनी सूर्यजा इन्वेस्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड को वारंट जारी किए जाएंगे, जिसकी लगभग 25 फीसदी रकम तुरंत चुकाई जाएगी और शेष 18 महीनों में। इस निवेश से प्रवर्तकों की हिस्सेदारी 3.82 फीसदी बढ़ जाएगी। गौरतलब है कि कुमार मंगलम बिड़ला को इसी महीने वोडाफोन आइडिया का गैर-

कार्यकारी चेयरमैन नियुक्त किया गया है। वीआई अगले तीन वर्षों में 5जी नेटवर्क शुरू करने और अपनी बाजार स्थिति मजबूत करने के लिए 45,000 करोड़ रुपए का पूंजीगत व्यय करने की योजना बना रही है।

कंपनी का लक्ष्य दो अंकों में आय वृद्धि, परिचालन मुनाफे को तीन गुना करना और ग्राहकों को लगातार जोड़ते रहना है। अभिजित किशोर ने निदेशक मंडल में किसी भी तरह के बदलाव की संभावना को खारिज करते हुए कहा कि ये कदम प्रवर्तक समूह के दीर्घकालिक समर्थन को दर्शाते हैं। इसके अतिरिक्त, कंपनी को पिछले साल दिसंबर में संशोधित आकस्मिक देनदारी समायोजन तंत्र (क्लैम) समझौते के तहत वोडाफोन पीएलसी से 5,836 करोड़ रुपए भी मिलेंगे, जिसकी मूल संधि 2017 में विलय के दौरान हुई थी।

अदाणी मामला सुलझने से भारत-अमेरिका आर्थिक संबंधों को मिलेगा बल यूएसआईएसपीएफ

रोजगार सृजन को बढ़ावा मिलेगा, बुनियादी ढांचे को मजबूती मिलेगी

वॉशिंगटन ।

अदाणी एंटरप्राइज से जुड़े कानूनी विवाद के अमेरिकी न्याय मंत्रालय के साथ निपटारे से भारत-अमेरिका की मजबूत आर्थिक साझेदारी में आ रही एक बड़ी बाधा समाप्त हो गई है। यूएसआईएसपीएफ (अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी मंच) ने इस समाधान का स्वागत करते हुए कहा कि इससे द्विपक्षीय संबंधों को नई गति मिलेगी। समूह ने ईरान पर अमेरिकी प्रतिबंधों के उल्लंघन के आरोपों के निपटारे के लिए 27.5 करोड़ डॉलर का भुगतान करने पर सहमति जताई है, जिसके बाद उद्योगपति गौतम अदाणी और उनके भतीजे सागर अदाणी के खिलाफ सभी आपराधिक आरोप स्थायी रूप से वापस ले लिए गए हैं।

यूएसआईएसपीएफ ने कहा कि अदाणी एंटरप्राइज का अमेरिका में 10 अरब डॉलर निवेश करने का संकल्प राजदूत सर्जियो गोर की उस हालिया घोषणा पर आधारित है, जिसमें उन्होंने बताया था कि भारतीय कंपनियां अमेरिका में विभिन्न क्षेत्रों में 20.5 अरब डॉलर से अधिक का निवेश करने की योजना बना रही हैं। यूएसआईएसपीएफ का मानना है कि ये निवेश अमेरिका में मजबूत भागीदार बनने की भारतीय कंपनियों की इच्छा को दर्शाते हैं। इससे मौजूदा सहयोग को बल मिलेगा, रोजगार सृजन को बढ़ावा मिलेगा, बुनियादी ढांचे को मजबूती मिलेगी और दीर्घकालिक द्विपक्षीय आर्थिक वृद्धि को गति मिलेगी। अमेरिकी वित्त मंत्रालय के विदेशी संपत्ति नियंत्रण

कार्यालय (ओएफएसी) ने भी जांच में अदाणी समूह के व्यापक सहयोग और सक्रिय रूप से जानकारी साझा करने की सराहना की। इस निपटारे से न्यूयॉर्क में चल रहा प्रतिभूति और वायर धोखाधड़ी का चर्चित मामला पूरी तरह समाप्त हो गया है।

भीषण गर्मी से रिकॉर्ड स्तर पर पहुंची बिजली की मांग

विद्युत मंत्रालय ने गर्मी में 270 गीगावाट तक पहुंचने का अनुमान लगाया

नई दिल्ली । देश में भीषण गर्मी का प्रकोप जारी है, जिसके चलते बिजली की मांग ने सोमवार को सर्वकालिक उच्च स्तर छू लिया। एयर कंडीशनर और डेजर्ट कूलर जैसे शीतलन उपकरणों के व्यापक उपयोग के कारण अधिकतम बिजली मांग 257.37 गीगावाट दर्ज की गई, जो पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ चुकी है। विद्युत मंत्रालय ने हालांकि पुष्टि की है कि इस पूरी मांग को सफलतापूर्वक पूरा किया गया। विद्युत मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार सोमवार को दोपहर 3 बजे के बाद यह रिकॉर्ड मांग दर्ज की गई, जो 256.11 गीगावाट के पिछले उच्च स्तर से अधिक है। मंत्रालय का अनुमान है कि इस गर्मी में देश की अधिकतम बिजली मांग 270 गीगावाट तक पहुंच सकती है। इस बीच, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत के बड़े हिस्सों में लू चलने का अनुमान लगाया है। पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और दिल्ली में 24 मई तक लू की आशंका है, जबकि उत्तर प्रदेश में भीषण लू की स्थिति बन सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि बढ़ती गर्मी और घरेलू व व्यावसायिक उपभोक्ताओं द्वारा शीतलन उपकरणों के बढ़ते उपयोग से बिजली की मांग एवं खपत आगे भी बढ़ सकती है। आईएमडी ने इस वर्ष भीषण गर्मी रहने का अनुमान जताया है।

देश का खाद्य तेल आयात 2025-26 में तीन प्रतिशत बढ़ा उद्योग निकाय

एसएएफटीए समझौते के तहत नेपाल से 113 फीसदी की रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज

नई दिल्ली।

वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का खाद्य तेल आयात तीन प्रतिशत बढ़कर 166.51 लाख टन तक पहुंच गया है। उद्योग निकाय सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) ने बताया कि नेपाल से शुल्क-मुक्त आयात में हुई भारी वृद्धि इस बढ़ोतरी का मुख्य कारण रही, जिसने पिछले वर्ष के 161.82 लाख टन के आंकड़े को पार कर लिया। एसईए के अनुसार दक्षिण एशियाई मुक्त व्यापार क्षेत्र (एसएएफटीए) के तहत शून्य-शुल्क पहुंच का लाभ उठाते हुए नेपाल ने इस अवधि में भारत को 7.36 लाख टन खाद्य तेल निर्यात किया, जो वित्त वर्ष 2024-25 के 3.45 लाख टन से 113 प्रतिशत अधिक है। नेपाल से परिष्कृत सोयाबीन तेल का सबसे अधिक आयात हुआ, जिसने कुल आयात वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दिया। संघ ने स्पष्ट किया कि यदि एसएएफटीए व्यवस्था न होती तो आयात पिछले स्तर से कम रह सकता था। भारत अब भी अपनी खाद्य तेल आवश्यकता का लगभग 60 प्रतिशत आयात पर निर्भर है। तिलहन की कम पैदावार, खंडित

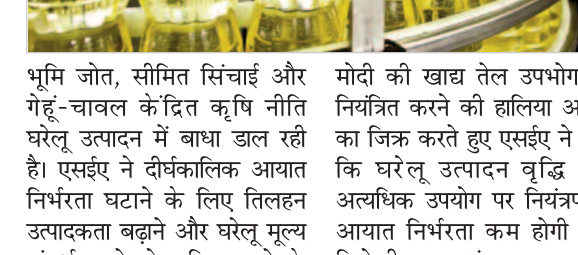

भूमि जोत, सीमित सिंचाई और गेहूं-चावल केंद्रित कृषि नीति घरेलू उत्पादन में बाधा डाल रही है। एसईए ने दीर्घकालिक आयात निर्भरता घटाने के लिए तिलहन उत्पादकता बढ़ाने और घरेलू मूल्य संवर्धन को प्रोत्साहित करने के उपाय सुझाए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की खाद्य तेल उपभोग को नियंत्रित करने की हालिया अपील का जिक्र करते हुए एसईए ने कहा कि घरेलू उत्पादन वृद्धि और अत्यधिक उपयोग पर नियंत्रण से आयात निर्भरता कम होगी तथा विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव घटेगा।

सरकार ने मंदिर के सोने के मुद्रीकरण की अफवाहों को खारिज किया

वित्त मंत्रालय ने कहा- नागरिकों से केवल आधिकारिक सूचना पर भरोसा करने की अपील

नई दिल्ली।

सरकार ने देशभर के मंदिरों के पास रखे सोने के मुद्रीकरण को लेकर चल रही अफवाहों और अटकलों को मंगलवार को सिरे से खारिज कर दिया है।

वित्त मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि ऐसी खबरें पूरी तरह झूठी, भ्रामक और निराधार हैं। मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया कि मंदिरों के शिखरों या दरवाजों पर लगे सोने को भारत के सामरिक स्वर्ण भंडार के रूप में मानने के दावे भी झूठे और निराधार हैं। सरकार ने नागरिकों से ऐसी अफवाहों पर विश्वास न करने और उन्हें न फैलाने की अपील की है, क्योंकि इससे अनावश्यक भ्रम फैलता है। मंत्रालय ने ज़ोर देकर कहा कि

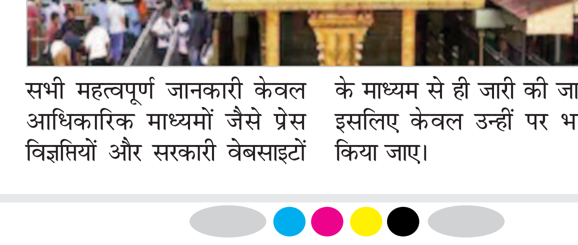

सभी महत्वपूर्ण जानकारी केवल आधिकारिक माध्यमों जैसे प्रेस विज्ञप्तियों और सरकारी वेबसाइटों के माध्यम से ही जारी की जाएगी, इसलिए केवल उन्हीं पर भरोसा किया जाए।

बुढ़ापे में आर्थिक सुरक्षा का मजबूत सहारा, पोस्ट ऑफिस की सीनियर सिटीजन सेविंग स्कीम

सरकार समर्थित इस योजना में 8.2 फीसदी तक ब्याज और हर तिमाही मिलती है निश्चित आय

नई दिल्ली ।

रिटायरमेंट के बाद वित्तीय सुरक्षा हर व्यक्ति की प्राथमिकता होती है। इसी जरूरत को पूरा करने के लिए पोस्ट ऑफिस की सीनियर सिटीजन सेविंग स्कीम (एससीएसएस) एक बेहद भरोसेमंद और लोकप्रिय विकल्प बनकर उभरी है। यह योजना विशेष रूप से 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिए डिज़ाइन की गई है, ताकि वे अपनी सेवानिवृत्ति के बाद आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर रह सकें और नियमित आय का आनंद ले सकें। एससीएसएस को भारत सरकार द्वारा समर्थित किया जाता है, जिससे इसमें निवेश किया गया पैसा पूरी तरह सुरक्षित रहता है और जोखिम लगभग शून्य हो जाता है। वर्तमान में, यह योजना सालाना 8.2 फीसदी की आकर्षक ब्याज दर प्रदान करती है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि एक बार निवेश करने के बाद यह ब्याज दर पूरी 5 साल की अवधि के लिए तय रहती है, भले ही भविष्य में बाजार दरों में उतार-चढ़ाव आए। ब्याज का भुगतान हर तीन महीने में सीधे निवेशक के खाते में किया जाता है, जिससे नियमित आय सुनिश्चित होती है। इस योजना में न्यूनतम 1,000 रुपए से निवेश शुरू किया जा सकता है। व्यक्तिगत खाते के लिए अधिकतम निवेश सीमा 15 लाख रुपए और जॉइंट खाते के लिए 30 लाख रुपए है। सामान्यतः 60 वर्ष या उससे अधिक उम्र के व्यक्ति इसमें खाता खोल सकते हैं, जबकि कुछ विशेष परिस्थितियों में 50 या 55 वर्ष से अधिक आयु के रिटायर्ड कर्मी भी पात्र होते हैं। योजना की अवधि 5 साल है, जिसे 3 साल के लिए और बढ़ाया जा सकता है। इसमें आयकर अधिनियम की धारा 80 सी के तहत 1.5 लाख रुपए तक की टैक्स छूट का लाभ भी मिलता है। जो लोग अधिकतम निवेश का विकल्प चुनते हैं, उन्हें इसका अच्छा फायदा मिलता है। उदाहरण के लिए, यदि कोई वरिष्ठ नागरिक एससीएसएस में अधिकतम 30 लाख रुपए का निवेश करता है, तो 8.2 फीसदी सालाना ब्याज दर के हिसाब से उन्हें लगभग 2,46,000 रुपए प्रति वर्ष का ब्याज मिलता है। यह राशि तिमाही आधार पर लगभग 61,500 रुपए होती है, जिसका अर्थ है कि निवेशक को औसतन लगभग 20,500 रुपए प्रतिमाह की नियमित और निश्चित आय प्राप्त होती है। यह स्कीम बुढ़ापे में आर्थिक स्वतंत्रता और मन की शांति प्रदान करने का एक उत्कृष्ट माध्यम है।

वैश्विक तनाव से क्रिप्टो बाजार में खलबली, बिटकॉइन मई के निचले स्तर पर

ईरान-अमेरिका तनाव और ईटीएफ से निकासी का दिखा असर, एशियाई बाजारों में भी गिरावट

वाशिंगटन ।

अमेरिका और ईरान के बीच गहराते तनाव तथा वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं ने क्रिप्टो बाजार में भूचाल ला दिया। दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन मई महीने के अपने सबसे निचले स्तर पर गिरकर 76,568 डॉलर पर आ गई, जिससे निवेशकों में चिंता बढ़ गई।

वैश्विक भू-राजनीतिक उथल-पुथल के कारण सोमवार को बिटकॉइन ने मई महीने का अपना सबसे निचला स्तर छू लिया। 76,568 डॉलर तक गिरने के बाद, खबर लिखे जाने तक यह 1.42 फीसदी की गिरावट के साथ 77,256 डॉलर पर कारोबार कर रहा था।

एथेरियम और सोलाना जैसी प्रमुख डिजिटल संपत्तियों में भी तेज गिरावट दर्ज की गई, जबकि एशियाई बाजार खुलने के शुरुआती 15 मिनट में लगभग 50 करोड़ डॉलर के लॉन्ग पोजिशन खत्म हो गए। जार में यह गिरावट मुख्य रूप से अमेरिका-ईरान तनाव से पैदा हुई भू-राजनीतिक अनिश्चितता के कारण आई।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के ईरान को चेतावनी भरे बयान और होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर

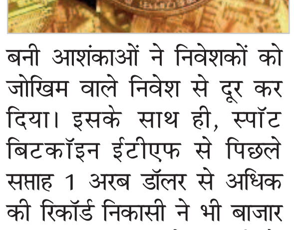

बनी आशंकाओं ने निवेशकों को जोखिम वाले निवेश से दूर कर दिया। इसके साथ ही, स्पॉट बिटकॉइन ईटीएफ से पिछले सप्ताह 1 अरब डॉलर से अधिक की रिकॉर्ड निकासी ने भी बाजार पर दबाव बढ़ाया, जो जनवरी के बाद पहली बार हुआ है। कच्चे तेल की कीमतों में भी करीब 3 फीसदी की तेजी आई, और अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 111.86 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

विश्लेषकों के अनुसार बिटकॉइन के लिए 75,000-73,000 डॉलर का स्तर मजबूत सपोर्ट है, जबकि 77,000 डॉलर तत्काल रेजिस्टेंस माना जा रहा है। उन्होंने निवेशकों को अचानक आने वाली तेजी के पीछे भागने के बजाय पोर्टफोलियो संतुलन और मजबूत बुनियादी आधार वाली संपत्तियों पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी है। वैश्विक बाजारों पर भी इसका असर दिखा, जहां जापान का निक्केई 225 और हांग सेंग इंडेक्स लगभग 1 फीसदी गिरे।

रैना को अगले साल भी धोनी के आईपीएल खेलने की उम्मीदें

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को पांच बार खिताब जिताने वाले महेन्द्र सिंह धोनी आईपीएल के 19 वें सत्र में आखिरकार पहली बार 18 मई को चेपॉक स्टेडियम में नजर आये। धोनी का आना प्रशंसकों और टीम के लिए एक भावुक पल रहा। धोनी इस सत्र में फिट नहीं होने से कारण अब तक बाहर थे। यह सीएसके का अपने घरेलू मैदान पर अंतिम मैच था, इसलिए ये भी कहा जाने लगा कि अब धोनी अगले सत्र में नहीं दिखेंगे। जिस प्रकार से धोनी ने टीम के अन्य खिलाड़ियों के साथ मैदान का चक्कर लगाकर अपने प्रशंसकों का अभिवादन किया। उससे भी इस बात को बल मिला कि उनकी आईपीएल से विदाई हो गयी है हालांकि सीएसके में उनके साथी रहे सुरेश रैना को ऐसा नहीं लगता। रैना के भरोसे की वजह ये है कि धोनी ने आधिकारिक तौर पर संन्यास की घोषणा नहीं की है। रैना अभी आईपीएल में कमेंट्री पैनल का हिस्सा हैं। उनकी और धोनी की एक साथ मौजूदगी ने सीएसके फैंस में जबरदस्त जोश भर दिया था। इसी दौरान, रैना ने धोनी के रिटायरमेंट को लेकर किए गए अपने संवाद का खुलासा किया। उन्होंने बताया, मैंने उनसे कहा कि आईपीएल 2024 केवल एक मिस्ड कॉल था, जिसे मैं नहीं गिनता। आपको अगले साल फिर से वापस आना होगा। रैना के अनुसार, धोनी ने जवाब में कहा, मेरा शरीर अब थोड़ा कमजोर पड़ रहा है। इस पर रैना ने कहा, हम सब इसमें विश्वास नहीं रखते हैं। आपको अगले साल खेलना ही होगा। रैना ने इस बातचीत को सकारात्मक बताया और कहा कि उन्हें लगा कि धोनी की तरफ से यह एक अच्छा संकेत था। उन्होंने आगे कहा कि पूरी टीम भी यही चाहती है कि वह अगले साल मैदान पर उतरें। रैना के इस खुलासे ने करोड़ों सीएसके प्रशंसकों में नई उम्मीद जगा दी है, जो अपने चहेते कप्तान को एक और सत्र के लिए खेलते हुए देखना चाहते हैं। हालांकि धोनी ने खुद इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है।

मुम्बई को हराकर प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाएं बनाये रखने उतरेगी केकेआर

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम बुधवार को यहां अपने घरेलू मैदान ईडन गार्डन में मुम्बई इंडियंस के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज कर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाएं बनाये रखने उतरेगी। इस मैच में अगर केकेआर हारती है तो वह टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगी। आजिंक्य रहाणे की कप्तानी में उतरी केकेआर की राह आसान नहीं होगी क्योंकि मुम्बई की टीम पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी है और अब वह बिना किसी दबाव के निडर होकर खेलेगी। मुम्बई इस मैच को जीतकर टूर्नामेंट का अपना सफर सम्मानजनक तरीके से समाप्त करना चाहेगी। उसके पास खोने को कुछ नहीं है, ऐसे में इस मैच में पूरा दबाव केकेआर पर रहेगा।

अगर इस मैच में केकेआर हार जाती है, तो रहाणे के नेतृत्व में लगातार दूसरे सत्र में वह प्लेऑफ में नहीं पहुंच पायेगी हालांकि मुंबई के खिलाफ जीत भी केकेआर के लिए पर्याप्त नहीं होगी। प्लेऑफ के लिए उसे लखनऊ सुपर जायंट्स और पंजाब किंग्स के बीच होने वाले मैच के परिणाम पर भी नजर रखनी होगी। अगर पंजाब वह मैच जीत जाता है तो केकेआर प्लेऑफ से बाहर हो जाएगी। ऐसे में वह चाहेगी कि सुपर जायंट्स ये मैच जीते।

केकेआर की बल्लेबाजी कप्तान रहाणे, फिन एलन अंगकृष रघुवंशी और कैमरन पर निर्भर है। एलन ने अपनी पिछली तीन पारियों में एक शतक और 93 रन की तूफानी पारी खेली है। अंगकृष और ग्रीन ने भी अच्छा खेला है। रिंकू सिंह ने अब तक मध्यक्रम को अच्छे तरीके से संभाला है। गेंदबाजी की जिम्मेदारी मथीशा पथिराना और वरुण चक्रवर्ती पर रहेगी। टीम के लिए हालांकि चिन्ता की बात वरुण की फिटनेस रहेगी। वरुण अगर इस मैच में नहीं खेलते तो ये टीम के लिए झटका होगा।

वहीं दूसरी ओर कप्तान हार्दिक पंड्या लीग के इस अंतिम मैच में जीत के साथ ही टीम का मनोबल बढ़ना चाहेंगी। वह चोट के कारण पिछले तीन मैच नहीं खेल पाए थे पर उनके इस मैच में खेलने की पूरी संभावना है। हार्दिक का

प्रदर्शन हालांकि अबतक गेंद और बल्ले से अच्छा नहीं रहा है। वह आठ पारियों में केवल 146 रन बना पाये हैं। गेंदबाज में केवल चार विकेट ले पाये हैं। बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव भी अब तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं और उनका भी लक्ष्य इस मैच में बड़ी पारी खेलना होगा। टीम की गेंदबाजी ट्रेंट बोल्ट, कॉर्बिन बॉश के पास रहेगी।

आंकड़ों पर नजर डाले तो अब तक दोनो के बीच 36 मैच हुए हैं। जिसमें से 25 मुम्बई और 11 केकेआर ने जीते हैं। कोलकाता ने पांच जीत और एक मैच का परिणाम नहीं निकलने के कारण 11 अंक हासिल किये हैं और वह अंकतालिका में आठवे नंबर पर है। वहीं मुम्बई ने चार मैच जीतकर आठ अंक हासिल किये हैं और वह नौवें स्थान पर है।

टीम इस प्रकार है

कोलकाता नाइट राइडर्स : अजिंक्य रहाणे (कप्तान), फिन एलन, अंगकृष रघुवंशी (विकेटकीपर), कैमरून ग्रीन, मनीष पांडे, रिंकू सिंह, सुनील नरेन, अनुकूल रॉय, वरुण चक्रवर्ती, सौरभ दुबे, कार्तिक त्यागी, इम्पैक्ट प्लेयर- मथीशा पथिराना

मुंबई इंडियंस : हार्दिक पंड्या (कप्तान), रायन रिकेल्टन (विकेटकीपर), नमन धीर, तिलक वर्मा, शेरफेन रदरफोर्ड, विल जैक्स, कॉर्बिन बॉश, दीपक चाहर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, रघु शर्मा, इम्पैक्ट प्लेयर- रोहित शर्मा

कोच फ्लेमिंग ने सीएसके की हार के लिए कप्तान रुतुराज को जिम्मेदार बताया

चेन्नई । चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ लीग मैच में मिली हार पर निराशा जतायी है। इस हार से सीएसके के प्लेऑफ में पहुंचने की संभावनाएं तकरीबन समाप्त हो गयी हैं। सीएसके को अब केवल एक मैच खेलना है। फ्लेमिंग ने हार के लिए कप्तान रुतुराज गायकवाड़ के खराब प्रदर्शन को जिम्मेदार बताया है और कहा है कि वह उम्मीदों के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये। बल्लेबाजी के दौरान वह रन नहीं बना पाये। उनकी कप्तानी में भी अच्छी नहीं रही। सनराइजर्स के खिलाफ इस मैच में गायकवाड़ ने 21 गेंदों में केवल 15 रन बनाये। हैरानी की बात ये रही कि वह पारी शुरु करने के बाद एक भी चौका नहीं लगा पाये। किसी भी सलामी बल्लेबाज से ऐसे प्रदर्शन की अपेक्षा नहीं की जाती। वहीं उनके जोड़ीदार संजू सैमसन ने 13 गेंदों में तेजी से 27 रन बनाये। इस पूरे सत्र में गायकवाड़ का प्रदर्शन लगभग ऐसा ही रहा है, जिसमें निरंतरता और आक्रामक रवैये की कमी साफ दिख रही है। मैच के बाद फ्लेमिंग से जब रुतुराज ने कहा कि कप्तान से इस प्रकार के खेल की उम्मीद नहीं की जाती। फ्लेमिंग ने कहा, मैं पावरप्ले से शुरुआत करूंगा। असल में, विकेट लेना सबसे जरूरी है। हां, मुझे लगता है कि रुतुराज और बेहतर कर सकते हैं। उन्होंने पहले भी इससे ज्यादा अच्छा प्रदर्शन किया है। वह शीर्ष क्रम पर एक बेहतरीन खिलाड़ी रहे हैं। उन्होंने साथ ही जोड़ा, उन्होंने इस सत्र में अपने करियर में जितनी तेजी से रन बनाए हैं, उतने रन इस सत्र में नहीं बनाए हैं। इस पर उन्हें ध्यान देना होगा। वहीं कोच ने माना है कि इस पिच पर बल्लेबाजी कठिन थी। फ्लेमिंग ने यह भी माना है कि 180 रनों का स्कोर ठीक था, क्योंकि पिच से गेंदबाजों को सहायता मिल रही थी। उन्होंने कहा, 180 का स्कोर बनाना बहुत कठिन था। स्पिन गेंदबाजी को लेकर उन्होंने कहा, मैंने उसे समझने में ज्यादा समय नहीं लगाया। उसमें ज्यादा टर्न नहीं था।

सीएसके के खिलाफ जीत के बाद आरसीबी, गुजरात के बाद सनराइजर्स भी प्लेऑफ में पहुंची

चेन्नई (एजेंसी)। सनराइजर्स हैदराबाद ने यहां हुए आईपीएल 2026 के मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को हराकर प्लेऑफ में जगह बना ली है। इस मैच में

सनराइजर्स हैदराबाद की जीत के साथ ही अंक तालिका में काफी बदलाव आया है। आरसीबी की टीम 18 अंकों के साथ पहले ही प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने में सफल रही है। वहीं गुजरात टाइटंस 16 अंकों के साथ क्वालीफाई कर लिया है और सनराइजर्स हैदराबाद भी 16 अंकों के साथ क्वालीफाई कर चुकी है। पंजाब किंग्स 13 अंकों के साथ चौथे स्थान पर है और राजस्थान रॉयल्स 12 अंकों के साथ पांचवें नंबर पर है। वहीं, सीएसके की टीम के भी 12 अंक हैं और वह छठवें स्थान पर बनी हुई है। दिल्ली कैपिटल्स के भी अब 12 अंक हैं और वह सातवें स्थान पर है। वहीं केकेआर 11 अंकों के साथ आठवें नंबर पर है। अंक तालिका में पहले ही मुंबई इंडियंस बाहर हो गयी है और वह आठ अंकों के साथ नवे स्थान पर है, वहीं लखनऊ सुपर जायंट्स भी 8 अंकों के साथ ही कम रन रेट के कारण दसवें स्थान पर है।

हेनरिक क्लासेन ऑरेंज कैप की रेस में नंबर वन बने

सीएसके के खिलाफ 47 रनों की पारी के साथ ही हेनरी क्लासेस कुल 555 रन बनाकर ऑरेंज कैप की रेस में नंबर ए पर पहुंच गये हैं। वहीं पर्पल कैप की रेस में अभी भी भुवनेश्वर कुमार शीर्ष पर बने हुए हैं।

शुभमन की कप्तानी में अफगानिस्तान के खिलाफ उतरेगी भारतीय क्रिकेट टीम

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीआई) ने अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू मैदान पर होने वाली आगामी बहु-प्रारूपीय श्रृंखला के लिए भारतीय टीम के खिलाड़ियों की घोषणा कर दी है। रोहित शर्मा और हार्दिक पांड्या, दोनों ही वनडे अंतरराष्ट्रीय (ओडी) टीम का हिस्सा हैं, लेकिन उनकी उपलब्धता सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) से फिटनेस क्लीयरेंस मिलने पर निर्भर करेगी। केएल राहुल को टेस्ट टीम का नया उप-कप्तान बनाया गया है, जबकि ऋषभ पंत को विकेटकीपर की विशेष भूमिका सौंपी गई है।

हर्ष दुबे (विदर्भ) और गुरनूर बराड़ (पंजाब) को पहली बार भारतीय टीम में शामिल किया गया है और दोनों ही पूरी श्रृंखला में खेलेंगे। मानव सुथार को भी टेस्ट टीम में जगह मिली है। वहीं, रवींद्र जडेजा को दोनों टीमों ने नजरअंदाज कर दिया है।

मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने जडेजा की अनुपस्थिति पर स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि अनुभवी ऑलराउंडर को सिर्फ आराम दिया गया है, क्योंकि दुबे और सुथार जैसे युवा खिलाड़ियों को सीरीज में मौका मिलने की संभावना है।

यह सीरीज 6 जून से शुरू होगी, जो आईपीएल 2026 के समापन के एक सप्ताह से भी कम समय बाद है। अक्षर पटेल भी दोनों प्रारूपों की टीमों से बाहर हैं। अगरकर ने आगे कहा कि शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम युवाओं को मौका देना चाहती है, क्योंकि 2027 वनडे विश्व कप में अभी 15-16 महीने बाकी हैं। अगरकर ने चयन समिति की बैठक के बाद पत्रकारों से कहा कि बुमराह इंग्लैंड दौरे पर वापसी करेंगे। वह अपने कार्यभार प्रबंधन पर काम कर रहे हैं। स्पिन गेंदबाज मानव सुतार और तेज गेंदबाज गुरनूर बरार को पहली बार टेस्ट टीम में चुना गया है। दोनों आईपीएल में गुजरात टाइटंस के लिये खेलते हैं। वनडे टीम में प्रिंस यादव को जगह मिली है।

टेस्ट टीम : शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साइ सुदर्शन, ऋषभ पंत, देवदत्त पडिक्कल, नीतिश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, मानव सुतार, गुरनूर बरार, ध्रुव जुरेल और हर्ष दुबे।

वनडे टीम: शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, ईशान किशन, हार्दिक पंड्या, नीतिश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, प्रिंस यादव, गुरनूर बरार और हर्ष दुबे।

वैभव को भारतीय टीम में जगह के लिए अपनी फील्डिंग सुधारनी होगी : कैफ

मुम्बई । राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेल रहे वैभव सूर्यवंशी ने इस आईपीएल सत्र में 400 से अधिक रन बनाकर अपने को एक बार फिर साबित किया है। आईपीएल के पहले भी अंडर-19 विश्व कप में वैभव ने धमाकेदार बल्लेबाजी की थी। ऐसे में वैभव को भारतीय टीम की शामिल करने की मांग जोर पकड़ती जा रही है। ये भी कहा जा रहा है कि वह अब पूरी तरह से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए तैयार हैं। बड़े-बड़े छक्के लगाने में माहिर वैभव गेंदबाज का दबदबा नहीं देखते, बल्कि सिर्फ गेंद को देखकर अपने शॉट्स खेलते हैं। वहीं इसके बाद भी पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ का मानना है कि वैभव अभी भारतीय टीम में जगह नहीं बना सकते। कैफ ने इसके पीछे का कारण भी बताया है। कैफ का मानना है कि भारतीय टीम के लिए लिए खेलने से पहले वैभव को अपनी फील्डिंग ठीक करनी होगी। कैफ का मानना है कि वैभव की फील्डिंगे कमजोर है हालांकि इसपर अधिक लोगों का ध्यान नहीं गया है। कैफ के अनुसार आईपीएल के इस सत्र के मैचों को देखा जाये तो वैभव फील्डिंग में सतर्क नहीं दिखे। इस युवा खिलाड़ी ने इस सत्र में एक भी कैच नहीं लिया है जबकि भारत के लिए खेलते हुए उसे मैदान पर अधिक तेज होना होगा।

महिला प्रीमियर लीग में टीम खरीदना चाहती है पंजाब किंग्स फैंचाइजी

नई दिल्ली । आईपीएल टीम पंजाब किंग्स के सह-मालिक मोहित बर्मन अब महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में भी एक टीम खरीदना चाहते हैं। बर्मन का मानना है कि महिला क्रिकेट का भविष्य अत्यंत उज्ज्वल है और उनका समूह इसमें निवेश करना चाहता है। बर्मन की यह उम्मीद अभी शायद ही पूरी हो क्योंकि भारतीय बोर्ड अभी डब्ल्यूपीएल में टीमों की संख्या नहीं बढ़ा रहा है। पंजाब किंग्स में 48 फीसदी हिस्सेदारी रखने वाले बर्मन ने कहा कि महिला प्रीमियर लीग ने बहुत ही कम समय में महिला क्रिकेट के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में अपनी पहचान बनायी है। उन्होंने माना है कि शुरुआत में महिला क्रिकेट में निवेश नहीं किया गया था पर अब वह इस लीग में हुए विकास से प्रभावित हैं। उनके अनुसार, महिला क्रिकेट की प्रगति असाधारण रही है और यह सिर्फ एक खेल नहीं बल्कि एक आंदोलन बन गया है। बर्मन ने कहा, व्यक्तिगत रूप से मुझे लगता है कि महिला क्रिकेट का भविष्य बेहद उज्ज्वल है और हम निश्चित रूप से एक महिला आईपीएल टीम खरीदना चाहेंगे। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने पिछले साल पहली बार महिला एकदिवसीय विश्व कप जीता था जिसके बाद से ही महिला क्रिकेटरों को भी कई कंपनियों ने विज्ञापन दिये और ब्रांड एंबेसडर बनाया। अगले माह होने वाले टी20 विश्वकप में भी भारतीय टीम को प्रबल दावेदार माना जा रहा है। ये उपलब्धियाँ न केवल खेल में कई कंपनियों की रुचि बढ़ा रही हैं, बल्कि युवा लड़कियों के लिए महिला क्रिकेटरों को प्रमुख खेल हस्तियों और सक्षम पेशेवर खिलाड़ियों के रूप में देखने का अवसर भी प्रदान कर रही हैं। इससे खेल का भविष्य पूरी तरह बदल जाता है। वर्तमान में, डब्ल्यूपीएल में पाँच टीमें हैं, जिनमें से तीन मुंबई इंडियंस, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और दिल्ली कैपिटल्स पहले से ही आईपीएल फ्रेंचाइजी के स्वामित्व में हैं। पंजाब किंग्स जैसे बड़े ब्रांड का इसमें दिलचस्पी दिखाना भविष्य में लीग के संभावित विस्तार और महिला क्रिकेट के वैश्विक विकास के लिए शुभ संकेत माना जा सकता है। यह दर्शाता है कि महिला क्रिकेट सिर्फ खेल नहीं बल्कि एक आकर्षक निवेश अवसर भी बन गया है।

सिंधु बीडब्ल्यूएफ के 15-अंक के नये प्रारुप को लेकर खुश नहीं

नई दिल्ली । भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु अगले साल से लागू होने वाले विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) बैडमिंटन के नए 15-अंक के प्रारुप को लेकर उत्साहित नहीं हैं। सिंधु का मानना है कि ये थकानभरा और चुनौतीपूर्ण साबित होगा। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधु के अनुसार ये नया प्रारुप आक्रामक खिलाड़ियों के लिए ही लाभदायक रहेगा पर इससे खेल में शारीरिक और मानसिक थकान बढ़ जाएगी। गौरतलब है कि बीडब्ल्यूएफ ने हाल ही में 15 अंक वाले तीन गेम की स्कोरिंग प्रणाली को मंजूरी दी है, इसे 4 जनवरी 2027 से लागू किया जाना है। इस घोषणा के बाद से ही खिलाड़ियों के ने इस नए प्रारूप को लेकर अपनी प्रतिक्रियाएं दी हैं। सिंधु हाल ही में बीडब्ल्यूएफ 'एथलीट्स आयोग' की अध्यक्ष बनी हैं। उन्होंने पहले भी बताया है कि अधिकतर खिलाड़ी अब भी 21-अंक प्रणाली को बैडमिंटन के आकर्षण, लय और रणनीतिक गहराई के लिहाज से कही बेहतर मानते हैं। सिंधु ने ने नए स्कोरिंग प्रणाली पर विस्तार को लेकर कहा, 'हां, मुझे लगता है कि यह आक्रामक खिलाड़ियों के लिए फायदेमंद है, लेकिन आपको शुरुआत से ही तेज होना होगा। आप शुरुआत में खुद को सेट नहीं कर सकते, तुरंत आक्रामक और तेज रहना होगा।' उन्होंने कहा, 'यह बहुत थकाऊ होगा और आपको हर समय सतर्क रहना पड़ेगा। यह मानसिक और शारीरिक रूप से बहुत थका देने वाला होगा क्योंकि आपको लगातार हर तरफ सक्रिय रहना होगा।' उनकी यह टिप्पणी इस बात पर जोर देती है कि खेल की गति और तीव्रता काफी बढ़ जाएगी, जिससे खिलाड़ियों पर लगातार दबाव बना रहेगा। हालांकि, सिंधु का मानना है कि नया प्रारूप अनुभवी खिलाड़ियों के लिए कुछ हद तक लाभदायक हो सकता है क्योंकि मैच छोटे हो जाएंगे।

आउट दिये जाने के बाद सैमसन को जश्न मनाता देख भड़के क्लासेन

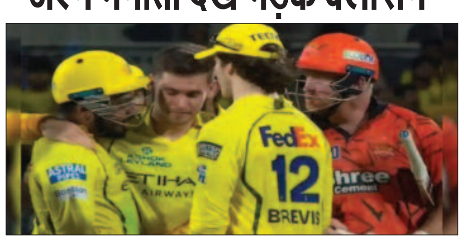

चेन्नई । सनराइजर्स हैदराबाद ने यहां हुए आईपीएल के 63 वें मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को हराकर प्लेऑफ की ओर कदम बढ़ाया। इस रोमांचक मुकाबले में सनराइजर्स की जीत में ईशान किशन और हेनरिक क्लासेन की अहम भूमिका रही। इन दोनो की शानदार पारियों से टीम ने आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया। इस मैच में आकर्षण का केन्द्र हेनरिक क्लासेन का विकेट रहा। क्लासेन आउट दिये जाने पर सीएसके के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को जश्न मनाता हुए देखकर नाराज हो गेय और उनकी सैमसन से तीखी बहस भी हुई। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए सीएसके ने 20 ओवरों में 180 रन बनाये। इससे के बाद सनराइजर्स हैदराबाद के बल्लेबाजों ने एक ओवर पहले ही लक्ष्य हासिल कर लिया। इस मैच के 15वें ओवर में सनराइजर्स के आक्रामक बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन नूर अहमद की गेंद पर शॉट खेलने में असफल रहे। ऐसे में विकेटकीपर संजू सैमसन ने उन्हें स्टंप करने में कोई गलती नहीं की पर रीप्ले में दिखा कि क्लासेन का पैर पॉपिंग क्रीज के अंदर था पर जिस क्षण सैमसन ने बेल्स गिराईं, उनका पैर हवा में था, जिसके कारण तीसरे अंपायर ने उन्हें आउट दे दिया। सैमसन ने क्लासेन को स्टंप करते ही जश्न मनाना शुरू कर दिया, जिससे क्लासेन भड़क गये। थर्ड अंपायर के फैसले के बाद जब क्लासेन पवेलियन लौट रहे थे, तो उन्होंने सैमसन की ओर कुछ कहा, जिस पर सैमसन ने भी उन्हें उसी अंदाज में जवाब दिया। यह देख मैदान पर माहौल तनावपूर्ण हो गया और अन्य खिलाड़ियों को मामले में हस्तक्षेप करना पड़ा। इसके बाद क्लासेन पवेलियन लौट गये।

फीफा विश्वकप के लिए ब्राजील की 26 सदस्यीय टीम घोषित, नेमार भी शामिल

रियो डि जेनेरो (एजेंसी)। ब्राजील ने अगले माह होने वाले फीफा विश्वकप फुटबॉल के लिए अपनी टीम घोषित कर दी है। टीम में स्टार खिलाड़ी नेमार की वापसी हो गयी है। नेमार चोटिल होने के कारण पिछले काफी समय से टीम से बाहर थे, अब उनकी वापसी से प्रशंसकों को राहत मिली है। टीम के मुख्य कोच कार्लो एंसेलोटी ने विश्वकप के लिए 26 सदस्यीय टीम की घोषणा करते हुए कहा कि नेमार की वापसी से टीम में उत्साह है।

नेमार के विश्वकप खेलने को लेकर अबतक संदेह जताया जा रहा था। नेमार ने आखिरी बार अक्टूबर 2023 में ब्राजील के लिए मुकाबला खेला था। उरुग्वे के खिलाफ विश्व कप क्वालीफायर में उन्हें गंभीर चोट लगी थी। जिसके बाद से ही वह खेल से बाहर थे। इस चोट से उबरने के बाद यह पहली बार है जब वह राष्ट्रीय टीम का हिस्सा बने हैं। फिलहाल वह अपने क्लब सैंटोस एफसी के लिए खेल रहे हैं।

इस साल की शुरुआत में क्लब में वापसी के बाद उन्होंने सभी प्रतियोगिताओं में 38 मैचों में 17 गोल किए हैं, हालांकि चोटों के कारण उनका प्रदर्शन प्रभावित हुआ है।

टीम चयन के बाद आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कार्लो एंसेलोटी ने नेमार को टीम में शामिल करने के अपने फैसले को स्पष्ट किया। उन्होंने बताया कि नेमार को बैकअप खिलाड़ी के तौर पर नहीं चुना गया है, बल्कि टीम को उनकी गुणवत्ता और अनुभव की सख्त जरूरत है। एंसेलोटी ने जोर देकर कहा, नेमार चाहे 1 मिनट खेलें या 90 मिनट, सबसे जरूरी है कि वह टीम को क्या योगदान देते हैं। वह तभी खेलेंगे जब ट्रेनिंग और फिटनेस के आधार पर इसके अधिकारी होंगे। उन्होंने यह भी बताया कि पूरे साल नेमार की फिटनेस पर बारीकी से नजर रखी गई और अब वह धीरे-धीरे बेहतर स्थिति में पहुंच रहे हैं।

जहां नेमार की वापसी ने प्रशंसकों को उत्साहित किया, वहीं कई बड़े खिलाड़ियों का टीम में जगह नहीं मिली है। अनुभवी डिफेंडर थियागो सिल्वा के साथ-साथ जोआओ पेड्रो और एंड्रे सैंटोस भी टीम से बाहर हैं। रॉड्रीगो और एस्टेवाओ चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं, ब्राजील की टीम विश्वकप में अपना पहला मुकाबला 13 जून को न्यू जर्सी में मोरक्को के खिलाफ खेलेगी। इसके बाद टीम ग्रुप ष्ट में हैती और स्कॉटलैंड का सामना करेगी। नेमार की वापसी से उत्साहित टीम को लक्ष्य अब खिताब जीतना रहेगा।

चेल्सी के नए कोच बने पूर्व स्पेनिश फुटबॉलर ज़ाबी अलोंसो

लंदन । इंग्लैंड के चेल्सी एफसी क्लब ने स्पेन के पूर्व फुटबॉलर ज़ाबी अलोंसो को अपनी टीम का नया मुख्य कोच बनाया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, 44 साल के मिडफील्डर अलोंसो के साथ क्लब ने चार साल का करार किया है इसकी आधिकारिक घोषणा अभी होनी है। जर्मनी के क्लब बायर लेवरकुसेन के कोच रहते अलोंसो तेजी से चर्चाओं में आये हैं। इसके बाद से ही वह यूरोप के शीर्ष युवा कोचों में शामिल किए जाते हैं, अब उनके सामने चेल्सी की प्रदर्शन को सुधारना एक नई चुनौती है। पिछले सप्ताह ही अलोंसो ने लंदन में चेल्सी के शीर्ष अधिकारियों के साथ अंतिम दौर की बातचीत की। इस दौरे के बाद ही दोनों पक्षों के बीच चार साल के अनुबंध पर सहमति बन पाई। गौरतलब है कि चेल्सी भी लंबे समय से एक स्थायी और प्रभावशाली कोच की तलाश में था, और अलोंसो को शुरू से ही उनकी पहली पसंद माना जा रहा था। गौरतल है कि अलोंसो कोच के तौर पर तेजी से ऊपर आये हैं। उन्होंने जर्मनी के क्लब बायर लेवरकुसेन को 2023-24 सीज़न में बुंडेसलीगा खिताब दिलाकर अपनी रणनीतिक क्षमता और नेतृत्व कौशल का प्रदर्शन किया था। इस ऐतिहासिक जीत ने उन्हें विश्व फुटबॉल में एक ऐसे कोच के रूप में स्थापित किया, जो युवा प्रतिभाओं को निखारने और टीम को एकजुट करने में माहिर है। लेवरकुसेन की सफलता के बाद, अलोंसो स्पेन के दिग्गज क्लब रियल मैड्रिड के साथ भी रहे। हालांकि, उनका यह रियल के साथ प्रदर्शन कार्यकाल अच्छा नहीं रहा। उन्हें रियल मैड्रिड के ड्रेसिंग रूम में अनुशासन और खिलाड़ियों के रवैये को लेकर कई समस्याएँ थीं। वहीं ये भी कहा जाता है कि अलोंसो की सख्त रणनीति और अनुशासन-केंद्रित दृष्टिकोण कुछ खिलाड़ियों को पसंद नहीं आया, जिसके कारण कुछ ही महीनों में दोनों पक्ष अलग हो गए।

द्रविड़ और राठौर इतने मददगार थे कि कप्तानी के बाद मैं फिर से अपने क्रिकेट का आनंद ले सका : कोहली

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेंगलुरु -भारतीय क्रिकेट के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने स्वीकार किया है कि भारत की कप्तानी छोड़ने के बाद वह मानसिक रूप से कठिन और परेशान करने वाले दौर से गुजर रहे थे, लेकिन उन्होंने पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ और बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौर का आभार व्यक्त किया, जिनकी मदद से उन्हें फिर से क्रिकेट का आनंद लेने में सहायता मिली।

कोहली ने 2022 में कप्तानी छोड़ी थी और उसी वर्ष टेस्ट क्रिकेट में उनका प्रदर्शन अपेक्षाकृत कमजोर रहा था। उन्होंने छह टेस्ट मैच में सिर्फ एक अर्धशतक की मदद से 265 रन बनाए थे। इस दौरान उनका औसत 26.5 रहा था। द्रविड़ ने नवंबर 2021 में मुख्य कोच और विक्रम राठौर ने बल्लेबाजी कोच के रूप में भारतीय टीम की जिम्मेदारी संभाली थी। उन्होंने कोहली में फिर से जोश जगाया और संघर्ष कर रहे इस बल्लेबाज को खराब दौर से निकलने में मदद की।

उन्होंने कहा, 'कप्तानी छोड़ने के बाद ही मैंने राहुल भाई और विक्रम राठौर जैसे लोगों से खुलकर बातचीत की और बहुत कुछ साझा किया। 2023 में टेस्ट क्रिकेट में मेरा प्रदर्शन शानदार रहा और जब भी मैं उनसे मिलता हूं, मैं दिल से उनका शुक्रिया अदा करता हूं।' उन्होंने RCB इनोवेशन लैब' के 'इंडियन स्पोर्ट्स समिट' के तीसरे सत्र के दौरान कहा, 'उन्होंने (द्रविड़ और राठौर) मेरा इस तरह ख्याल रखा कि मुझे लगा कि मैं उनके लिए खेलना चाहता हूं। मैं प्रदर्शन करना चाहता हूं। मैं मैदान पर उतरकर जी-जान से मेहनत करना चाहता हूं। वे बहुत ही मददगार थे। उन्होंने मुझे एहसास दिलाया कि मैंने अब तक क्या हासिल किया है।'

भारत के इस पूर्व कप्तान ने कहा कि द्रविड़ और राठौर उनके मन की अंदरूनी परेशानियों को समझते थे और उन्हें उनसे उबरने का रास्ता दिखाया। उन्होंने कहा, 'राहुल भाई ने टेस्ट क्रिकेट में कई लोगों से कहीं बेहतर तरीके से यह काम किया है। विक्रम कई सालों से मेरे साथ हैं, इसलिए वे मेरी भावनाओं को समझते थे और मेरी स्थिति का एहसास था। उन्होंने मानसिक रूप से मेरा बहुत ख्याल रखा।'

उन्होंने कहा, 'इससे मुझे ऐसी स्थिति मिली जहां मैं फिर से क्रिकेट का आनंद ले सका। लेकिन जब मैं पूरी तरह से व्यस्त था, तब मुझे कभी ऐसा नहीं लगा कि मैं चाहता हूं कि कोई मुझसे पूछे। मैं सब कुछ संभालने में काफी सक्षम था।' द्रविड़ की कोचिंग में कोहली ने 2023 में शानदार प्रदर्शन करते हुए आठ टेस्ट मैचों में 671 रन बनाए, जिसमें दो शतक और दो अर्धशतक शामिल रहे। उनका औसत 56 रहा, जो उनकी वापसी का स्पष्ट संकेत था। कोहली ने यह भी माना कि कप्तानी के दौरान वे धीरे-धीरे अपने भीतर की ऊर्जा खोते चले गए, जिसका उन्हें तब एहसास

नहीं हुआ। उन्होंने कहा, 'मैं ऐसी स्थिति में पहुंच गया जहां मैं हमारी बल्लेबाजी इकाई और कप्तानी का केंद्र बिंदु बन गया। मुझे इस बात का एहसास नहीं था कि ये दोनों चीजें मेरे दैनिक जीवन में कितना भार डालेंगी, क्योंकि मैं भारतीय क्रिकेट को शीर्ष पर बनाए रखने के लिए इतना दृढ़ संकल्पित और प्रेरित था।' कोहली ने स्वीकार किया, 'जब मैंने कप्तानी छोड़ी, तब तक मैं पूरी तरह थक चुका था। यह जिम्मेदारी मुझे भीतर तक खा गई थी। यह बेहद कठिन और थकाने वाला अनुभव था, और अपेक्षाओं का बोझ संभालना लगातार मुश्किल होता गया।'

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने में सफल होंगे। व्यापार में स्थिति ठीक रहेगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। शुभांक-1-3-6

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
संतोष से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। शुभांक-4-6-8

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा
मनोरथ सिद्ध होंगे, पूरे मनोयोग से काम में लगे रहे। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-2-5-7

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
स्वास्थ्य में ताजगी बनने से नई ऊर्जा का संचार होगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-5-7-8

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
सुनियोजित तरीके से कार्य आरम्भ करें, सफल होंगे। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-1-2-5

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
अध्ययन-अध्यापन में समय गुजरेगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-3-5-7

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। रूकावटें आएंगी। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। वैचारिक उत्तेजना पर नियत्रंण रखें। शुभांक-5-6-8

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। खान-पान में सावधानी रखें। अच्छे समय का इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। नैतिक दायरे में रहें। शुभांक-2-5-7

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। राजकीय कार्यों से लाभ। मनोबल ऊंचा रखें। शुभांक-5-6-7

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी
अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। साक्षात्कार के लिए दिन शुभ रहेगा। शुभांक-5-7-8

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। बुरी संगति से बचें। सुविधाओं में शनैः-शनैः बाधा आएगी। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। शुभांक-5-7-8

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
पूर्व में किये कार्यों से लाभ मिलेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शांतिपूर्वक कार्य करें। शुभांक-1-4-5

काकुरो पहेली - 3894

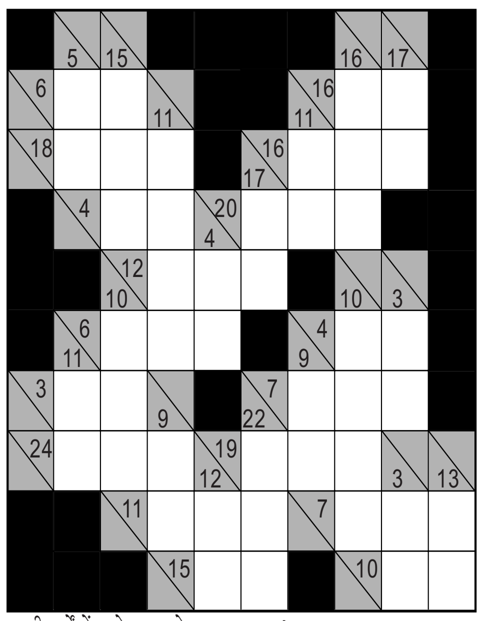

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

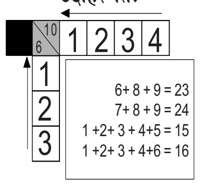

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 3893 का हल

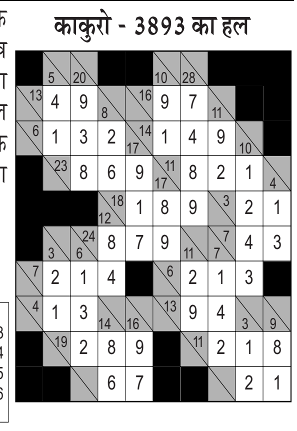

लॉफिंग ज़ोन

कई युवतियों को तंग कर चुका एक युवा अपने कॉलेज के लाइब्रेरियन के पास पहुँचा और बोला- क्या आप मुझे आत्महत्या पर कोई किताब दे सकते हैं। मैं शीघ्र ही आपको वापस कर दूँगा।

लाइब्रेरियन- नहीं दे सकता, आप लौटाएँगे नहीं।

□ □ □

एक व्यापारी को दूसरे व्यापारी से पैसे लेने थे, लेकिन पहले व्यापारी के बार-बार माँगने के बावजूद उसे पैसे नहीं मिल रहे थे। हार कर उसने दूसरे व्यापारी को एक पत्र भेजा। साथ में अपनी बेटी का फोटो भी भेजा।

पत्र में लिखा था- मुझे इस बच्ची की खातिर पैसे चाहिए।

□ □ □

एक खूबसूरत युवती डॉक्टर के पास गई और बोली- डॉक्टर साहब! मेरी स्कीन बहुत ही सेनसेटिव है। मेरी स्कीन हमेशा गोरी-गोरी रहे इसके लिए मुझे क्या करना चाहिए?

डॉक्टर साहब- अपने दरवाजे की कुंडी हमेशा लगाकर रखनी चाहिए।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 3894

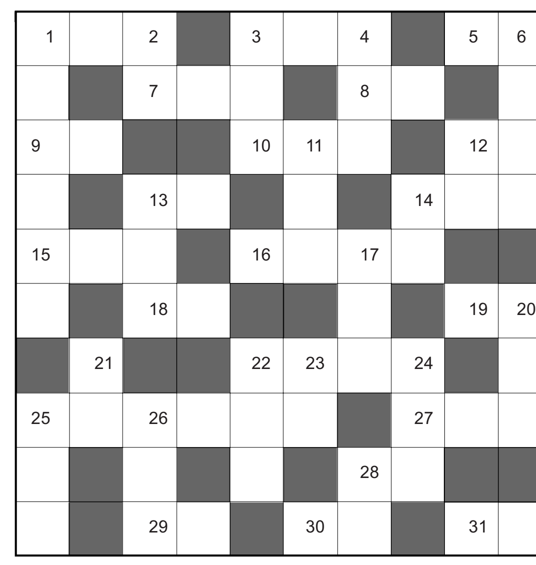

बायें से दायें:-

१. अनिल, रेखा की 'तू मेरा मखना' गीत वाली फिल्म-३
३. 'किसीसे तुम प्यार करो' गीत वाली अक्षय, लारा, प्रियंका की फिल्म-३
५. 'सुबह सुबह जब' गीत वाली फिल्म-२
७. राजकुमार, मीनाकुमारी की 'चलो दिलदार चलो' गीत वाली फिल्म-३
८. मंगेशकर बहनों लता, आशा, उषा की चौथी बहन का नाम क्या हैं?-२
९. अमिताभ, जया की 'आए तुम याद मुझे' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'परदेसी तो हैं परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
१२. देवआनंद, निम्मी की 'ओ रूपनगर के सौदागर' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'मैं ने तुझसे प्यार' गीत वाली विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-२
१४. राजकपूर, मीनाकुमारी की 'ऐ चाँद जहाँ वो जाए' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी, अमीषा की फिल्म-३
१६. अजय देवगन, मनीषा, करिश्मा की एक फिल्म-४
१८. 'जलता है जिया' गीत वाली सुनील दत्त, रीनाराय, आशा की फिल्म-२
१९. सनी, सलमान, करिश्मा, तब्बू की 'यारा ओ यारा' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'तारे हैं बारती' गीत वाली अनिल, तब्बू, पूजा बत्रा की फिल्म-४
२५. मनीष, मनीषा की 'तू दीवाना पागल मेरा' गीत वाली फिल्म-३,३
२७. 'लड़की है क्या' गीतवाली फिल्म-३
२८. 'मेरे खयालों की' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'सूर्यवंशी' में नायिका कौन थी-२
३०. सनी, जूही की 'जादू तेरी नजर' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'जब कोई बात' गीतवाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'रात कली इक ख्वाब में आई' गीत वाली फिल्म-२,२,२
२. फिल्म 'आर या पार' की नायिका-२
३. शाहरूख, माधुरी की 'बड़ी मुश्किल है' गीत वाली फिल्म-३
४. 'तुम भी चलो हम भी चलें' गीत वाली अमिताभ, सायरा की फिल्म-३
६. राजेश खन्ना, राखी की 'छोड़दे जवानी में उदासी' गीत वाली फिल्म-४
११. 'तेरी चाहत में' गीत वाली फिल्म-१,२
१२. नसीरूद्दीनशाह, पूजा की 'आज हमने दिल का हर फैसला' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'बहारों फूल बरसाओ' गीतवाली फिल्म-३
१४. अमिताभ, शशि, शत्रुघ्न, राखी, परवीन, बिंदिया की फिल्म-२
१७. जीतेंद्र, हेमा की 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीत वाली फिल्म-३
२०. फिल्म 'शोला और शबनम' नायिका कौन थी?-३
२१. फिल्म 'गुनाह' की नायक कौन था-२
२२. जीतेंद्र, लीना की 'कभी खोले ना तिजोरी का' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'मझे तेरे जैसी लड़की' गीत वाली डिनो और बिपाशा की फिल्म-२
२४. अक्षय, करीना की 'यार बदल ना जाना' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'फूलों सा चेहरा तेरा' गीत वाली फिल्म-३
२६. राजेश, धर्मेन्द्र, वहीदा की 'हमने देखी है' गीत वाली फिल्म-३
२८. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली सनीदेओल, सुष्मिता सेन की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3893

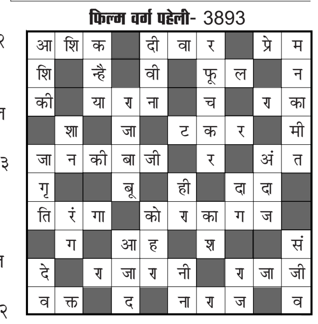

सूडोकु -3894

				1			6	
					5			
2		3	9			8		
6							5	
			8		3			
	1							4
		7			1	3		9
			2					
	5			6				

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3893 का हल

7	6	8	2	1	9	3	4	5
2	1	5	6	3	4	8	7	9
3	4	9	5	7	8	6	1	2
5	7	4	8	6	1	9	2	3
9	2	1	3	4	5	7	8	6
8	3	6	7	9	2	1	5	4
1	5	3	4	8	5	2	9	7
4	9	7	1	2	3	5	6	8
6	8	2	9	5	7	4	3	1

शब्द पहेली - 3894

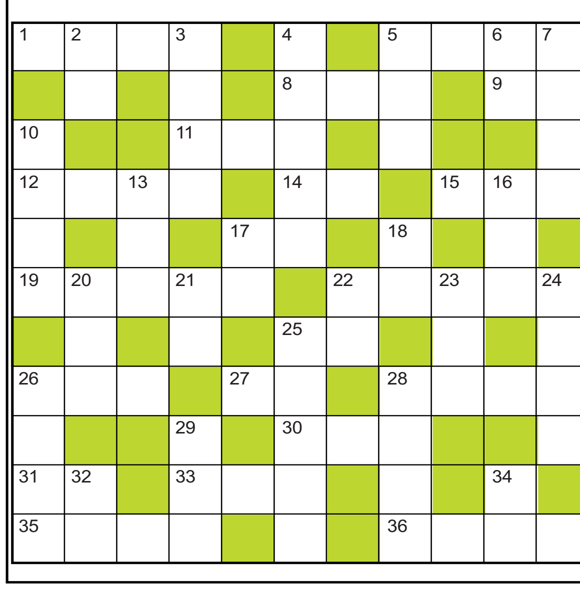

बाएँ से दाएँ

1.उथल-पुथल, कोलाहल-4
5.अस्पताल-4
8.पक्षाघात-3
9.मिट्टी, धूल-2
11.पुष्प, फूल, सुमन-3
12.बुरे कार्य करनेवाला-4
14.जादू, तंत्र-मंत्र-2
15.सौत, सपत्नी-3
17.साड़ी के किनारे पर लगाया जानेवाला लंबा कपड़ा-2
19.नगर में रहनेवाले-5
22.गणपति, गणेश-5
25.बागवान-2
26.जुदा, पृथक्-3
27.जी, इच्छा-2
28.पहरेदार-4
30.सिसकना-3
31.रहस्य-2
33.सोना, धतूरा-3
35.हृदयगति, स्पंदन-4
36.फिल्म 'मैंने प्यार किया' में सलमान की मां का किरदार निभानेवाली अभिनेत्री-2,2

ऊपर से नीचे

2.उद्देश्य, गंतव्य-2
3.राम-सीता के पुत्र-2,2
4.टालना-2,3
5.स्याही रखने का पात्र-3
6.क्षार-2
7.सुंदरी (उर्दू-4)
10.जबरदस्ती-4
13.होशियार-3
16.पुत्र, बेटा-3
17.रस्सी के फंदे पर लटकाना-2
18.जान, जीवन-2
20.जहर, विष-3
21.अदालत में प्रस्तुत वाद-2
22.छोटा रास्ता, कूचा-2
23.अपवित्रता (उर्दू-3)
24.पक्षियों का शोर-4
25.मानसिक सोच-5
26.गुनाह, जुर्म-4
28.रखवाली करना-4
29.मुर्गा-3
32.मूल, पेड़ का वह हिस्सा जो जमीन में रहता है-2
34.आमिर खान, ट्विंकल खन्ना की फिल्म-2

शब्द पहेली -3893 का हल

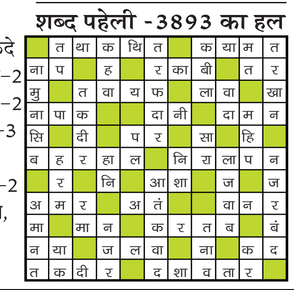

एक्सरसाइज से बच्चे बनें इंटैलिजेंट

'**बच्चे** तो सारा दिन वैसे भी काफी उछल-कूद करते रहते हैं, फिर उन्हें एक्सरसाइज करने की क्या जरूरत?' यदि आप भी ऐसा ही सोचते हैं और अपने बच्चों को एक्सरसाइज के लिए प्रेरित नहीं करते, तो आप एक तरह से उनकी डिवेल्पमेंट से समझौता कर रहे हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ इलिनॉइस ने बच्चों में फिजिकल एजुकेशन और एक्सरसाइज पर स्टडी की और इसके ढेर सारे फायदों का पता लगाया।

स्टडी में पाया गया कि फिजिकल एजुकेशन की क्लास, रिसेस टाइम और स्कूल के बाद के एक्सरसाइज प्रोग्राम का सकारात्मक असर बच्चे की पढ़ाई में देखा जा सकता है। कम्यूनिटी हैल्थ के प्रोफैसर चार्ल्स हिलमैन द्वारा की गई यह स्टडी बताती है कि फिजिकल एक्टिविटी स्टूडैंट्स के ध्यान लगाने की उनकी अबिलिटी को बढ़ाती है।

प्रो. हिलमैन ने कहा, 'इस स्टडी का मकसद यह जानना था कि क्या हल्की एक्सरसाइज मसलन, सैर से ही बच्चे की हैल्थ पर अच्छा असर पड सकता है।'

रिसर्च के दौरान तीन आधार पर जांच की गई। इस दौरान शारीरिक क्रियाकलाप, ध्यान और शैक्षिक उपलब्धि के बीच एक पॉजिटिव लिंक देखने को मिला। स्टडी में 9 साल की 8 लड़कियों और 12 लड़कों ने हिस्सा लिया। इनकी कंट्रोल पावर को जानने के लिए कई स्टिमुलस टैस्ट किए गए।

रिसर्च में देखा गया कि रोज़ाना टहलने वाले बच्चे टैस्ट को बेहतर ढंग से कर पाए। यहां तक कि मुश्किल चैलेंज को पूरा करने में भी इन स्टूडैंट्स ने कम गड़बड़ी की। यह भी देखा गया कि शोरगुल वाले माहौल के बीच भी ये स्टूडैंट्स ध्यान लगाकर काम कर पा रहे थे। इस सब के चलते स्टूडैंट्स की रीडिंग, स्पैलिंग और मैथ में काफी सुधार देखा गया।

जब लेनी हो मैडिसिन

जब भी कोई व्यक्ति बीमार होता है, तो उसे यह तो पता होता है कि उसे कौन-सी मैडिसिन लेनी है और कितनी लेनी है, पर उसके लिए यह जानना भी बहुत जरूरी है कि किस समय मैडिसिन लेना हितकर होता है।

- अगर रोग शरीर के नीचे वाले भाग में हो, तो मैडिसिन का भोजन से पहले सेवन हितकर होता है।
- शरीर को पतला करना हो, तो मैडिसिन भोजन से पहले लेनी चाहिए।
- पेट के रोगों में, पैं ाक विकारों में भोजन के मध्य मैडिसिन का प्रयोग करना चाहिए।
- बलवान व्यक्ति को प्रातः खाली पेट मैडिसिन लेनी चाहिए।
- शरीर के ऊपरी भाग के रोगों के लिए भोजन के बाद मैडिसिन लेनी चाहिए।
- कफजनित विकारों में व शरीर को मोटा करने वाली मैडिसिन भोजन के उपरांत लेनी चाहिए।
- बालक, बालिकाओं, सुकुमारो तथा मैडिसिन से द्वेष करने वालों को भोजन के साथ मैडिसिन लेनी चाहिए।
- श्वास रोग, खांसी, प्यास अधिक लगने, उल्टी आने और विष जन्य रोगों में मैडिसिन भोजन के थोड़ी देर बाद लेने का निर्देश है।
- कान, नाक, गले व आंखों के रोगों में रात को सोने से पहले मैडिसिन लेना हितकारी है।
- कमजोर और उपवास रखे व्यक्तियों को मैडिसिन से परहेज करना चाहिए।
- अप्रिय व बहुत तेज गंध वाली मैडिसिन का प्रयोग भोजन से पहले भी कर सकते हैं।

'अच्छी नींद लेने के लिए सोते समय किसी भी बात की चिंता मन में न रखें। शाम का भोजन जल्दी कर लें। इसके बाद चाय और काफी का सेवन न करें।'

RATE TARIFF
राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY
DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)
DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)
CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.
CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

Covering Area
Delhi NCR & Western U.P.
Special Page / Position Premium
Front Page (Semi) - 50%
Front Page (Solus) - 75%
Back Page - 25%
Page Three - 20%
Island Position - 50%
Right Hand Page - 10%
Top of AD Column - 15%
Any Other Spl. Position - 10%
Strip Advt. - 15%
Political Advt. - 50%
Pull Outs - 50%
Discount as per deal
Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.
Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com
Follow us : @ RashtriyaShikhar/

हनु-मान के बाद अब महाकाली में दिखेंगे रोहित सराफ

मुंबई आरकेडी स्टूडियोज और फिल्ममेकर प्रशांत वर्मा की फिल्म 'महाकाली' को लेकर उत्साह लगातार बढ़ता जा रहा है। 'हनु-मान' की दुनिया के अगले अध्याय 'महाकाली' से अब अभिनेता रोहित सराफ जुड़ गए हैं। यही नहीं, रोहित ने इस फिल्म के लिए हैदराबाद में शूटिंग भी शुरू कर दी है, जिससे फिल्म की कहानी को एक नया मोड़ मिल गया है।

गौरतलब है कि रोहित सराफ के जुड़ने से फिल्म की स्टारकास्ट और मजबूत हो गई है। खासकर नॉर्थ इंडिया में उनकी अच्छी फैन फॉलोइंग है, जो फिल्म को व्यापक दर्शक वर्ग तक पहुंचाने में मदद करेगी। हालांकि फिल्म में अक्षय खन्ना और भूमि शेट्टी भी अहम भूमिकाओं में नजर आनेवाले हैं और दोनों कलाकारों के फर्स्ट लुक पहले ही दर्शकों के बीच उत्सुकता पैदा कर चुके हैं।

फर्स्ट लुक के ज़रिए उनके दमदार और इंटेंस अंदाज को देखते हुए फिल्म से दर्शकों की उम्मीदें काफी बढ़ गई हैं। भव्य स्तर पर बनाई जा रही 'महाकाली' का निर्माण आरके दुग्गल और रिवाज रमेश दुग्गल द्वारा आरकेडी स्टूडियोज़ के बैनर तले किया जा रहा है। यह फिल्म प्रशांत वर्मा की उस सिनेमैटिक यूनिवर्स का हिस्सा है, जिसे 'हनु-मान' की सफलता के बाद और आगे बढ़ाया जा रहा है। फिलहाल फिल्म की शूटिंग तेजी से आगे बढ़ रही है और इसे आने वाले समय की सबसे बहुप्रतीक्षित पैन-इंडिया फिल्मों में से एक माना जा रहा है।

सलमान खान के एक आइडिया ने 'रेडी' में मेरे किरदार को बना दिया यादगार

'सेक्रेड गेम्स', 'रेडी, 'गली बॉय' जैसी वेबसीरीज और फिल्मों में काम कर चुकीं बॉलीवुड अभिनेत्री कुब्रा सैत ने 'रेडी' के किरदार को लेकर बात की। अभिनेत्री ने यह भी बताया कि फिल्म में उनके रोल को खास बनाने का आइडिया सुपरस्टार सलमान खान का था। सोमवार को अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह अपनी बात करती नजर आईं। उन्होंने अपनी पहली फिल्म 'रेडी' मिलने का अनुभव साझा किया। इस फिल्म का निर्देशन अनीस बज्मी ने किया था और इसमें सलमान खान मुख्य भूमिका में थे। कुब्रा ने बताया कि उन्होंने इस रोल के लिए छोटे काले रंग की ड्रेस पहनकर ऑडिशन दिया था और अनीस बज्मी की मंजूरी का इंतजार था। शुरुआत में फिल्म में उनके कोई डायलॉग नहीं थे और उन्हें एक नौकरानी का किरदार मिला था। लेकिन, बाद में सलमान खान ने सुझाव दिया कि उनके किरदार को टूटी-फूटी इंग्लिश बोलने वाली मेड बनाया जाए, जिससे उनका रोल खास बन गया।

अभिनेत्री ने कहा, ''यह वही ऑडिशन था, जिसमें मैंने छोटी ब्लैक ड्रेस पहनी थी और अनीस बज्मी के ऑफिस में उनके 'हां' कहने का इंतजार कर रही थी। इस ऑडिशन में मुझे फिल्म 'रेडी' में एक मेड का रोल मिलने वाला था और मैं इसे लेकर बहुत एक्साइटेड थी। इस फिल्म को करते समय मेरे अंदर बहुत आत्मविश्वास था क्योंकि यह मेरे लिए बिल्कुल नया अनुभव था।'' उन्होंने कहा, ''मैंने इससे पहले कभी फिल्म नहीं की थी।

फिल्म में मेरे लिए कोई डायलॉग नहीं था। फिर सलमान खान ने कहा, 'क्यों न इसे ऐसी मेड बनाया जाए जो टूटी-फूटी भाषा, खासकर टूटी-फूटी इंग्लिश बोलती हो?' अनीस सर को यह आइडिया बहुत पसंद आया और तभी मुझे फिल्म में डायलॉग मिले।''

उन्होंने आगे कहा, ''हर किसी ने मुझसे कहा कि 'रेडी' जैसा रोल करके मैं पागलपन कर रही हूं और बहुत जल्दबाजी दिखा रही हूं। अगर मैंने 'रेडी' नहीं की होती, अगर मैं इतना पागलपन नहीं दिखाती, तो मैं कभी 'कुकू' नहीं बन पाती। कभी 'न' मत कहो। कोई रोल छोटा नहीं होता, सिर्फ अभिनेता छोटे होते हैं। यह जिंदगीभर की सीख है।'

दूसरों के बारे में बहुत जल्दी राय बना लेते हैं

सैफ अली खान नई फिल्म 'कर्तव्य' में नजर आएंगे, जो ओटीटी पर रिलीज होगी। उन्होंने अपनी नई फिल्म 'कर्तव्य' और पुरानी फिल्म 'ओमकारा' के किरदारों की तुलना पर अपनी राय दी है। जब सैफ से पूछा गया कि पवन सिंह (कर्तव्य) और लंगड़ा त्यागी (ओमकारा) के किरदारों में समानता है या नहीं, तो सैफ ने कहा, 'ओमकारा' की वजह से ही निर्देशक पुलकित को विश्वास हुआ कि वह पवन की भूमिका अच्छे से निभा सकते हैं।' सैफ ने आगे बताया कि 'ओमकारा' फिल्म के बाद लोग उन्हें एक गंभीर अभिनेता के रूप में मानने लगे।

यह मेरे लिए बहुत बड़ी बात है मीडिया से बात करते हुए सैफ ने कहा, 'अगर कोई जुड़ाव है तो यह कि लोग सोचते हैं मैं शहर में बड़ा हुआ हूं और थोड़ी अंग्रेजी बोलता हूं। लेकिन पुलकित जैसे निर्देशक ने 'ओमकारा' देखी होगी, इसलिए उन्हें पता है कि मैं अलग-अलग तरह के किरदार निभा सकता हूं। यह मेरे लिए बहुत बड़ी बात है।' उन्होंने आगे कहा कि दोनों किरदारों में सिर्फ बोली की कुछ समानता हो सकती है। सैफ ने आगे कहा, 'हम लोग दूसरों के बारे में बहुत जल्दी राय बना लेते हैं। लोग कहते हैं कि 'यह नहीं कर सकता' या 'वह नहीं कर पाएगा'। इसलिए 'ओमकारा' की वजह से लोग मुझे अब गंभीरता से लेते हैं, इसके लिए विशाल भारद्वाज को बहुत-बहुत धन्यवाद। पुलकित ने 'ओमकारा' देखी और सोचा कि मैं यह भूमिका कर सकता हूं। देसी लहजे को सीखना और समझना बहुत मजेदार है, मुझे इसमें बहुत आनंद आता है।' सैफ अली खान क्राइम थ्रिलर फिल्म 'कर्तव्य' में नजर आएंगे। इस फिल्म को पुलकित ने निर्देशित किया है। इस फिल्म को शाहरुख खान की पत्नी गौरी खान ने प्रोड्यूस किया है।

पति पत्नी और वो 2 को लेकर उत्साहित सारा अली खान

अपनी अपकमिंग ड्रामा फिल्म 'पति पत्नी और वो 2' को लेकर अभिनेत्री सारा अली खान उत्साहित हैं। इस बीच प्रमोशन में जुटी अभिनेत्री आए दिन मजेदार बातें दर्शकों के साथ साझा कर रही हैं। इसी कड़ी में उन्होंने फिल्म में अहम किरदार निभा रहीं अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह के किरदार को लेकर मजेदार खुलासा किया। सारा अली का मानना है कि फिल्म का हर एक किरदार खास है, मगर उनकी खासी दिलचस्पी अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह के किरदार 'नीलोफर' में थी। आईएएनएस से बातचीत में आयुष्मान खुराना ने सबसे पहले यह राज खोला। जब उनसे पूछा गया कि फिल्म में कई मुख्य किरदार होने पर क्या किसी को दूसरे का रोल ज्यादा पसंद आया, तो आयुष्मान ने बताया कि सारा अली को रकुल प्रीत का किरदार बहुत भाया। उन्होंने कहा कि सारा को लगता है कि नीलोफर के डायलॉग सबसे बेहतरीन हैं। इस पर सारा अली खान ने भी अपनी बात रखते हुए रकुल प्रीत की कॉमिक टाइमिंग की भी खूब प्रशंसा की। उन्होंने कहा, 'मुझे नीलोफर का किरदार बहुत पसंद आया था। स्क्रिप्ट पढ़ते समय ही यह रोल मुझे बहुत अच्छा लगा। लेकिन अब जब मैंने सामने से देखा कि रकुल ने इसे कैसे निभाया है, तो लगता है कि उनके लिए यह रोल बिल्कुल परफेक्ट था। रकुल इतनी मजेदार लग रही हैं कि जो हुआ अच्छे के लिए ही हुआ। अगर कोई दूसरी दुनिया होती तो मैं जरूर नीलोफर का किरदार निभाना चाहती।' इसके साथ ही रकुल प्रीत सिंह ने भी अपने अनुभव साझा किए। आयुष्मान खुराना के साथ पहले भी काम कर चुकीं रकुल ने बताया कि दोस्तों के साथ दोबारा काम करना काफी आसान और मजेदार होता है। इस बार सबसे अलग बात यह रही कि सेट पर बहुत सहजता थी। हमें एक-दूसरे के काम करने के तरीके के बारे में पहले से पता था। इससे काम करना आसान और मस्ती भरा हो जाता है।'

चिरैया को मिल रही प्रतिक्रिया पर बोलीं दिव्या

अभिनेत्री दिव्या दत्ता इन दिनों वेब सीरीज 'चिरैया' को लेकर वाहवाही बटोर रही हैं। शशांत शाह द्वारा निर्देशित 6-एपिसोड की सीरीज मैरिटल रेप और वैवाहिक दुर्व्यवहार जैसे गंभीर सामाजिक मुद्दों पर आधारित है। सीरीज जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होने के बाद से अपनी शानदार कहानी को लेकर वाहवाही बटोर रही है और सभी कलाकारों को सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। अभिनेत्री दिव्या दत्ता का कहना है कि यह एक ऐसी सीरीज है, जिससे हर लड़की अपने आपको जोड़ पा रही है। अभिनेत्री ने शनिवार को इंस्टाग्राम स्टोरीज पर पॉडकास्ट का वीडियो शेयर किया। इसमें वे कहती हैं, 'हर कोई चिरैया देख रहा है। अभी हाल ही में मेरी मुलाकात एक मां से हुई, जिसे चिरैया देखने के बाद अपनी बेटी के ससुराल वालों से बोलने की हिम्मत मिली है। 'अभिनेत्री ने उस महिला का वाक्य बताते हुए कहा, 'जहां मैं योगा करने जाती हूं, वहां पर एक महिला मेरे पास आई और बोली कि क्या मैं आपसे कुछ बात कर सकती हूं, तो मैंने सोचा, योगा के बीच में कैसी बातें करें, तो मैंने उसे इंतजार करने के लिए बोला, लेकिन वह इसके तैयार ही नहीं थी। वह मुझसे बात करना चाहती थी।' उन्होंने मुझसे कहा, 'मेरी बेटी को उसके ससुराल वालों ने छोड़ दिया है और मेरे अंदर बेटी के ससुराल वालों से बात करने की हिम्मत नहीं थी। फिर एक दिन मैंने 'चिरैया' देखी और मैं बहुत रोई। उसके बाद मुझे उनका सामना करने की हिम्मत मिली।' दिव्या दत्ता ने कहा, 'सीरीज को लेकर हमें इस तरह की प्रतिक्रिया सुनने को मिल रही है। इसके बाद एहसास होता है कि यही तो है विजुअल मीडिया और एक ऐसी कहानी की ताकत है। अगर कहानी को बेहतरीन ढंग से पेश किया गया जाए तो लोग कहानी से खुद को जोड़ते हैं, तो यह दृश्य को देखकर बहुत अच्छा लगता है।

अब लोग जानेंगे कि मेरे दिमाग में सच में क्या चलता है

'बालिका वधू' की छोटी आनंदी बनकर घर-घर पहचान बनाने वाली अविका गौर अब एक बार फिर 'खतरों के खिलाड़ी' के मंच पर लौट रही हैं। लेकिन, इस बार उनकी वापसी सिर्फ एक रियलिटी शो का हिस्सा बनने के लिए नहीं है। सीजन 9 में सबसे पहले बाहर होने के बाद अविका अब अपने डर, अपनी पुरानी छवि और खुद की कमजोरियों से दोबारा भिड़ने जा रही हैं। बातचीत के दौरान अविका ने साफ कहा कि पहले वाली 'सहन करने वाली' लड़की अब बदल चुकी है। अब वह किसी की भी बदतमीजी चुपचाप सहने वालों में से नहीं हैं।

मेरे अंदर की बहादुर लड़की को लोगों ने कभी देखा ही नहीं

अविका मानती हैं कि इस बार शो में सबसे बड़ा चैलेंज कोई स्टंट नहीं, बल्कि खुद को बिना किसी पर्दे के लोगों के सामने रखना है। उन्होंने कहा, 'लोगों को ये देखना चाहिए कि उस मासूमियत के साथ मेरे अंदर एक ऐसा हिस्सा भी है जो बहादुर है और मुश्किल चीजों से डरता नहीं है। मैं चुनौतियों से पीछे हटने वालों में से नहीं हूं। मुझे लगता है कि लोगों ने हमेशा मेरा सिर्फ एक ही रूप देखा है। लेकिन अब शायद वो समझ पाएंगे कि मैं मेंटली कितनी मजबूत हूं और मुश्किल हालात को संभाल सकती हूं।'

मैं हमेशा सोच-समझकर बोलती थी... अब वो रोक हटानी है

इस बार अविका को सबसे ज्यादा डर ऊंचाई या खतरनाक एक्शन से नहीं...बल्कि उन चीजों से लग रहा है जिनका नाम सुनकर भी वह असहज हो जाती हैं। 'मुझे लगता है सबसे ज्यादा तनाव खुद को एक बिल्कुल अलग माहौल में साबित करने का है। रियलिटी शो मेरा जोन कभी नहीं रहे। मैं हमेशा बहुत सावधान रही हूं कि मुझे क्या बोलना चाहिए, कैसे रिएक्ट करना चाहिए ...मेरी छवि कैसी दिखनी चाहिए। मैं हर चीज बहुत सोच-समझकर बोलती हूं। लेकिन रियलिटी शो में आप हर वक्त खुद को रोक नहीं सकते। मुझे लगता है कि उस रोक को हटाना किसी भी स्टंट से ज्यादा मुश्किल है। शायद पहली बार लोग मुझे बिल्कुल असली रूप में देखेंगे।' अविका मानती हैं कि इस बार लोग उनका ऐसा रूप देखने वाले हैं, जिसे उन्होंने वर्षों तक सबसे छिपाकर रखा। 'मैं खुद को बहुत ज्यादा कॉम्पिटिटिव नहीं कहूंगी। ऐसा नहीं है कि मैं प्रतियोगिता के बिना नहीं रह सकती। मुझे मस्ती करना पसंद है। लेकिन अगर मैं किसी प्रतियोगिता का हिस्सा हूं, तो मैं उसे हल्के में भी नहीं लूंगी। मैं पूरी ईमानदारी के साथ मुकाबला करूंगी। मुझे लगता है कि रोहित शेट्टी मेरा बदलाव देखकर हैरान होंगे। क्योंकि जब मैं सीजन 9 में 21 साल की उम्र में गई थी, तब मैं बहुत नासमझ थी। मैं बेवकूफ थी, खुद को लेकर असमंजस में थी और काफी मोटी भी थी... लेकिन अब मैं बहुत अलग हूं। अब मैं खुद को ज्यादा समझती हूं।' शो में जाने से पहले उनके घरवाले भी काफी तनाव में हैं। वजह सिर्फ स्टंट्स नहीं, बल्कि अविका का बदला हुआ स्वभाव भी है। 'मुझे लगता है लोग मेरे असली और बेबाक रूप के लिए बिल्कुल तैयार नहीं हैं। मैंने हमेशा अपने उस रूप को बहुत छिपाकर रखा है। मैं कई चीजें बोलना चाहती थी लेकिन खुद को रोक लेती थी। लेकिन अब मुझे लगता है कि लोगों को ठीक वैसे ही देखना चाहिए कि मेरे दिमाग में क्या चलता है, मैं हालात को कैसे देखती हूं और असल में मैं कैसी हूं।'

पहले मैं बहुत सहन कर लेती थी... अब बिल्कुल नहीं

'सब लोग एलर्जी और शरीर पर होने वाले रिएक्शन को लेकर बहुत ज्यादा परेशान हैं। वो नहीं चाहते कि पिछली बार जैसा अनुभव दोबारा हो। लेकिन मुझे लगता है कि मेरे माता-पिता इस बात से ज्यादा डरते हैं कि अगर किसी ने गलत व्यवहार किया तो मैं कैसे प्रतिक्रिया दूंगी, क्योंकि पहले मैं बहुत सहन कर लेती थी। मैं बहुत चीजें नजरअंदाज कर देती थी। लेकिन अब मैं किसी की भी बदतमीजी बर्दाश्त नहीं करती। अगर कुछ गलत लगे तो मैं चुप नहीं रह पाती।'

संक्षिप्त समाचार

इंसाफ के लिए ब्रिटेन पहुंचा हर्षिता ब्रेला का परिवार ;

लंदन, एजेंसी। दिल्ली की हर्षिता ब्रेला (24) के परिवार ने ब्रिटेन पहुंचकर न्याय की गुहार लगाई है। नवंबर 2024 में हर्षिता का शव इल्फर्ड में एक कार की डिक्की में मिला था। पति और मुख्य आरोपी पंकज लांबा हत्या के बाद से ही फरार है। हर्षिता के पिता सतबीर सिंह, मां सुदेश कुमारी और बहन सोनिया डबास कोर्बी उसके घर पहुंचे, जहां उसकी गला दबाकर हत्या की गई थी। सोनिया ने कहा, वे हर कीमत पर न्याय चाहते हैं ताकि फिर किसी और बेटी के साथ ऐसी त्रासदी न हो।

चीन, अमेरिका और यूएई ने दुबई से 276 ठगों को किया गिरफ्तार

दुबई , एजेंसी। चीन, अमेरिका और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की पुलिस ने एक संयुक्त अभियान चलाकर दुबई में टेलीकॉम धोखाधड़ी के 276 संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। चीनी सरकारी प्रसारक सीसीटीवी ने रविवार को यह जानकारी दी। तीनों देशों के बीच इस तरह का यह पहला संयुक्त ऑपरेशन है। इस कार्रवाई में धोखाधड़ी के नौ अड्डों को पूरी तरह नष्ट कर दिया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, ये गिरोह पीड़ितों को फर्जी क्रिप्टोकरेंसी निवेश के झांसे में रखकर ठगी करते थे।

श्रीलंकन एयरलाइंस के भारतीय कर्मी पर 2.2 करोड़ गबन का आरोप

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंकन एयरलाइंस ने अपने चेन्नई कार्यालय में तैनात कुछ भारतीय कर्मचारियों पर 2.2 करोड़ भारतीय रुपये की धोखाधड़ी का आरोप लगाया है। एयरलाइन ने शनिवार को जारी बयान में बताया कि यह हेरफेर इनवॉइस, भुगतान विवरण और हस्ताक्षरों में जालसाजी के जरिये किया गया। विमानन कंपनी के अनुसार, वित्त विभाग में कार्यरत इन कर्मचारियों ने एक लंबी अवधि में इस घोटाले को अंजाम दिया।

ताइवान की आजादी का मतलब है कि वह चीन का हिस्सा नहीं : लाई

ताइपे, एजेंसी। ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते ने कहा कि ताइवान की आजादी का अर्थ है कि यह द्वीप न तो बीजिंग का है और न ही उसके अधीन है। केवल ताइवानी लोग ही अपने भविष्य का फैसला कर सकते हैं। लाई की ये टिप्पणियां अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके चीनी समकक्ष शी जिनपिंग के बीच बीजिंग में हुए शिखर सम्मेलन के कुछ दिनों बाद आई हैं। इस शिखर सम्मेलन ने ताइवान में द्वीप को अमेरिकी समर्थन को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं।

ट्रंप की बॉलरूम परियोजना के प्रस्ताव पर अमेरिकी सीनेट से लगी रोक

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सीनेट में रिपब्लिकन पार्टी की व्हाइट हाउस की सुरक्षा बढ़ाने और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नए बॉलरूम परियोजना के लिए एक अरब डॉलर खर्च करने के प्रस्ताव को तगड़ा झटका लगा है। सांसदों के फैसले के मुताबिक, सुरक्षा व्यवस्था के लिए फंडिंग का यह प्रस्ताव प्रक्रियागत नियमों पर खरा नहीं उतरा है। रिपब्लिकन इसे अगले तीन वर्षों के लिए आव्रजन प्रवर्तन एजेंसियों को वित्तपोषित करने वाले एक बजट विधेयक के हिस्से के तौर पर शामिल करना चाहते थे। फैसले में कहा गया कि राष्ट्रपति ट्रंप के ईस्ट विंग के नवीनीकरण जैसी बड़ी और जटिल परियोजना का दायरा बेहद व्यापक होने से इसे बजट विधेयक में शामिल नहीं किया जा सकता है। दरअसल, इसका इस्तेमाल रिपब्लिकन बगैर डेमोक्रेट्स के समर्थन के विधेयक पास करने के लिए कर रहे थे, क्योंकि इस विधेयक को पारित करने के लिए किसी भी डेमोक्रेटिक वोट की जरूरत नहीं होती।

अपने एफ-35 लड़ाकू विमानों को और उन्नत करेगा अमेरिका

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने अपने पांचवीं पीढ़ी के स्टील्थ फाइटर एफ-35 लाइटनिंग 2 बेड़े के लिए लगभग एक अरब डॉलर का उन्नयन कार्यक्रम शुरू किया है। यह मुख्य रूप से इलेक्ट्रॉनिक युद्ध आधुनिकीकरण और संयुक्त स्ट्राइक फाइटर के अमेरिकी सेना और अन्य विदेशी ऑपरेटरों द्वारा संचालित सैकड़ों विमानों में उन्नत युद्ध क्षमता संवर्द्धन पर केंद्रित है। लॉकहीड मार्टिन को एफ-35 लड़ाकू विमानों के 432 संशोधन किटों के उत्पादन और वितरण के लिए 99.11 करोड़ डॉलर का ठेका दिया गया है।

अमेरिका में बड़ा हादसा: एयर शो के दौरान आसमान में टकराए दो लड़ाकू विमान

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के इदाहो में बड़ा हादसा हो गया है। यहां 'माउंटेन होम एयर फोर्स बेस' पर चल रहे एक बड़े एयर शो के दौरान दो अमेरिकी लड़ाकू विमान आपस में टकरा गए। हवा में टकराते ही दोनों जेट्स क्रैश हो गए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि विमानों के परखच्चे उड़ गए और आसमान में काले धुएं का गुबार छा गया। हालांकि विमान में सवार पायलटों के सुरक्षित होने की जानकारी है। हादसे के बाद पूरे एयर बेस को तुरंत बंद कर दिया गया है। जानकारी के मुताबिक यह हादसा स्थानीय समयानुसार रविवार दोपहर करीब 12:30 बजे हुआ। इस समय बेस पर 'गनफाइटर स्काइज एयर शो' चल रहा था। दुर्घटनाग्रस्त होने वाले दोनों विमान अमेरिकी नौसेना के एडवांस्ड श्व-18त्र ग्रोवलर फाइटर जेट थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों विमान एयर बेस से करीब दो मील दूर जाकर गिरे, जिससे अफरा-तफरी मच गई।

कैसे बचे पायलट : सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में देखा जा सकता है कि हवा में टकराते ही दोनों विमान आग का गोला बन जाते हैं। लेकिन राहत की बात यह रही कि विमानों में मौजूद चारों क्रू मेंबर्स समय रहते सुरक्षित बाहर निकलने में कामयाब रहे। उन्हें आसमान से पैराशूट के जरिए सुरक्षित नीचे उतरते देखा गया। अमेरिकी नौसेना ने भी बाद में पुष्टि की कि चारों क्रू मेंबर्स पूरी तरह सुरक्षित हैं।

8 साल बाद हुआ था शो : रिपोर्ट्स की मानें तो इस भव्य एयर शो का आयोजन पूरे 8 साल बाद किया जा रहा था। इसे देखने के लिए हजारों की संख्या में भीड़ जुटी थी। आयोजकों ने करीब दो साल तक इस शो की तैयारी की थी, लेकिन इस खौफनाक हादसे के बाद रविवार को होने वाले सभी आगामी इवेंट्स को रद्द कर दिया गया। वहीं अमेरिकी वायुसेना और नौसेना के अधिकारियों ने घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं।

पहले भी हुए हैं हादसे : माउंटेन होम एयर बेस पर पहले भी कई हादसे हुए हैं और इस घटना से उनकी यादें ताजा कर दी हैं। 2018 में यहां एक हैंग ग्लाइडर रनवे पर क्रैश होने से पायलट की मौत हो गई थी। इससे पहले 2003 में यहां एक 'थंडरबर्ड्स जेट' भी क्रैश हो गया था। हालांकि तब पायलट की जान बच गई थी।

हादसे के तुरंत बाद सैन्य अड्डे पर क्या बड़े कदम उठाए गए : इस भयंकर हादसे के होते ही पूरे सैन्य अड्डे पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। खतरे को भांपते हुए 'माउंटेन होम एयर फोर्स बेस' को तुरंत पूरी तरह से बंद (लॉक्ड डाउन) कर दिया गया, ताकि कोई भी अनजान व्यक्ति अंदर या बाहर न जा सके। घटना की सूचना मिलते ही आपातकालीन दल, दमकल गाड़ियां और बचाव कर्मी बिना एक भी पल गंवाए घटना वाली जगह पर पहुंच गए। सेना ने तुरंत अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक आधिकारिक बयान जारी करके बताया कि बचाव दल घटना स्थल पर मौजूद है। इसके साथ ही इस बात की बहुत ही बारीकी से जांच शुरू कर दी गई है कि आखिर इतनी बड़ी दुर्घटना कैसे और किसकी गलती से हुई।

विमानों के पायलट और क्रू मेंबर फिलहाल किस हाल में हैं : हवा में हुए इस खौफनाक मंजर को देखकर एयर शो में मौजूद हर एक इंसान बुरी तरह डर गया था। लेकिन सभी के लिए राहत की सबसे बड़ी बात यह है कि सभी पायलट पूरी तरह से ठीक हैं। एयर बेस पर तुरंत लाउडस्पीकर के जरिए यह आधिकारिक घोषणा करके डरे हुए लोगों को बताया गया कि हादसे में शामिल सभी सैनिक पैराशूट की मदद से सुरक्षित जमीन पर आ गए हैं हालांकि, सेना के अधिकारियों ने तुरंत इस बात की पूरी जानकारी मीडिया को नहीं दी कि पैराशूट से कूदने के दौरान किसी को कोई चोट लगी है या नहीं, या फिर दोनों अत्याधुनिक विमानों के आपस में टकराने की असली वजह क्या थी।

हादसे के बाद एयर शो और आम लोगों को लेकर पुलिस ने क्या आदेश दिया : इस डरावने और जानलेवा हादसे के बाद कार्यक्रम आयोजित करने वालों ने कोई भी खतरा न लेते हुए, बचे हुए पूरे एयर शो को तुरंत रद्द कर दिया। माउंटेन होम पुलिस ने भी आसपास रहने वाले सभी स्थानीय लोगों से यह सख्त अपील की है कि वे एयर बेस की तरफ बिल्कुल यात्रा न करें। पुलिस ने कहा कि जब तक सेना का बचाव और राहत का काम चल रहा है, तब तक आम लोगों को इस इलाके से दूर ही रहना चाहिए। आपको बता दें कि यह मिलिट्री एयर बेस इडाहो के बोइस शहर से लगभग 50 मील (80 किलोमीटर) दक्षिण-पूर्व की दिशा में स्थित है।

'ईरान को मदद नहीं देगा चीन, उन्होंने भरोसा दिया है', अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि का बड़ा दावा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीर ने दावा किया है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन से यह आश्वासन लिया है कि वे ईरान की मदद नहीं करेंगे। एबीसी न्यूज को दिए इंटरव्यू में ग्रीर ने कहा कि अमेरिका ने चीन से होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के लिए सीधे हस्तक्षेप की मांग नहीं की थी। उन्होंने कहा, 'राष्ट्रपति का मुख्य फोकस इस बात पर था कि चीन ईरान को किसी तरह की मदद न दे। इस पर चीन की प्रतिबद्धता हमें मिली है और उन्होंने इसकी पुष्टि भी की है।'

'चीन भी होर्मुज जलडमरूमध्य खोलना चाहता है': ग्रीर ने कहा कि चीन की भी होर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा खोलने में स्पष्ट रुचि है, लेकिन वे सीधे तौर पर इसमें शामिल नहीं होना चाहता। उन्होंने कहा, 'राष्ट्रपति चीन की सैन्य मदद नहीं चाहते। अमेरिका बस ये सुनिश्चित करना चाहता है कि चीन, अमेरिका द्वारा उठाए जा रहे कदमों में बाधा न बने।

ट्रंप और जिनपिंग के बीच टैरिफ को लेकर नहीं हुई कोई बातचीत : पिछले साल अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध जारी रहा, लेकिन ट्रंप ने अमेरिका लौटते समय पत्रकारों से कहा कि उनकी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हुई बातचीत में टैरिफ का मुद्दा नहीं उठा। इस पर ग्रीर ने कहा कि व्यापार वार्ता जरूर हुई, लेकिन शीर्ष नेताओं के स्तर पर नहीं हुई। ग्रीर ने कहा 'अमेरिका की तरफ से मैंने और

वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट और हमारी टीम ने चीनी अधिकारियों से टैरिफ के कई मुद्दों पर बातचीत की। इसलिए राष्ट्राध्यक्षों के बीच इसे लेकर कोई चर्चा नहीं हुई।'

बोर्ड ऑफ ट्रेड बनाने पर हो रहा विचार : ग्रीर ने बताया कि अमेरिका, चीन के साथ व्यापारिक नियम तय करने के लिए 'बोर्ड ऑफ ट्रेड' बनाने पर भी विचार कर रहा है। उन्होंने दावा किया कि चीन ने कई अमेरिकी मीट निर्यात इकाइयों से आयात फिर शुरू करने, कुछ बायोटेक व्यापार मामलों की समीक्षा करने और 200 बोइंग विमान खरीदने पर सहमति जताई है। हालांकि चीन ने अभी इन समझौतों की पुष्टि नहीं की है। ग्रीर ने कहा, 'कई ठोस कदम पहले ही शुरू हो चुके हैं और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि चीन के साथ हमारी रणनीतिक स्थिरता बनी हुई है।'

बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना का बड़ा ऑपरेशन, 35 आतंकवादी ढेर, तीन सीनियर कमांडर गिरफ्तार

कराची , एजेंसी। पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने बलूचिस्तान में एक बड़े खुफिया अभियान को अंजाम दिया है। इस कार्रवाई में 35 आतंकवादियों को मार गिराया गया है और तीन हाई-प्रोफाइल वरिष्ठ कमांडरों को भी गिरफ्तार किया गया है। यह अभियान मंगला जरघून क्षेत्र में चलाया गया। बलूचिस्तान सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद ने रविवार रात क्वेटा में मीडिया को यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि यह ऑपरेशन 13 मई को शुरू हुआ था। पिछले चार दिनों में 35 आतंकवादी मारे गए हैं। रिंद ने कहा, यह अभियान प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान और बलूचिस्तान में उसके प्रॉक्सी समूहों के खिलाफ था। पकड़े गए तीनों कमांडर महत्वपूर्ण व्यक्ति हैं। यह कार्रवाई पहले पकड़े गए आतंकवादियों से मिली खुफिया जानकारी पर आधारित थी। सुरक्षा बलों ने मंगला जरघून घर क्षेत्र में कई आतंकवादी बेस कैंप भी नष्ट कर दिए हैं। प्रवक्ता ने बताया कि प्रांत में अतिरिक्त अभियान भी चल रहे हैं। ये अभियान विश्वसनीय खुफिया जानकारी पर

आधारित हैं। इनका उद्देश्य इन आतंकवादी तत्वों के सूत्रधारों को पकड़ना है। साथ ही, उनके संचालकों और वित्तीय समर्थकों को भी गिरफ्तार किया जाएगा। पाकिस्तान सेना ने इस नवीनतम आतंकवाद विरोधी अभियान पर अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। 12 मई बुधवार को बलूचिस्तान के बरखान जिले में एक सफाई अभियान के दौरान पांच सैनिक मारे गए थे। इनमें एक मेजर भी शामिल था। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के अनुसार, उस अभियान में कम से कम सात आतंकवादी भी मारे गए थे।

चीन में आया 5.2 तीव्रता का भूकंप, कई इमारतें तबाह हुई; दो की मौत, कई लापता

बीजिंग, एजेंसी। चीन के दक्षिणी इलाके में सोमवार सुबह भूकंप के झटके लगे। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.2 रही। भूकंप के चलते कई इमारतों को भारी नुकसान हुआ है। अब तक भूकंप के चलते दो लोगों की मौत हुई है और एक लापता है। कई इमारतों को खाली कराया गया है। भूकंप के चलते कई इमारतें गिर गई हैं। राहत और बचाव अभियान चलाया जा रहा है और तबाह इमारतों में लोगों की तलाश की जा रही है।

कई इमारतें तबाह, हजारों लोगों को सुरक्षित निकाला गया : भूकंप के झटके चीन के लिउझोउ शहर में के नजदीक महसूस हुए, जिससे लोगों में डर फैल गया। प्रशासन ने सात हजार से ज्यादा लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है और आपात सेवा के कर्मचारी लगातार राहत और बचाव अभियान चलाए हुए हैं। कई लोगों को तबाह इमारतों में फंसे होने की आशंका है। चीन के सरकारी मीडिया सीसीटीवी के अनुसार, भूकंप के झटकों से कम से कम 13 इमारतें तबाह हुई हैं। जिसमें कई लोग घायल हुए हैं, लेकिन किसी के भी गंभीर घायल होने की खबर नहीं है। घायलों में से चार लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। भूकंप से हुई तबाही के चलते दो लोगों की मौत हुई है। भूकंप के झटकों को देखते हुए इलाके में सार्वजनिक यातायात प्रभावित हुआ है। खासकर रेल यातायात को जांच के बाद ही बहाल किया जाएगा।

भूकंप से गंभीर नुकसान की खबर नहीं : भूकंप से ज्यादा नुकसान नहीं हुआ है और पावर लाइंस, पानी की सप्लाई, गैस सेवाएं और रोड ट्रैफिक सामान्य रूप से चल रहे हैं। स्थानीय प्रशासन ने लोगों को प्रभावित इमारतों से दूर रहने की सलाह दी है।

7,000 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया : चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक अब तक चार लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि तीन लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं. स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने करीब 7,000 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया. हालांकि राहत की बात यह रही कि इलाके में बिजली, पानी, गैस सप्लाई और परिवहन सेवाएं सामान्य बनी हुई हैं।

रात में शुरू हुआ रेस्क्यू ऑपरेशन : भूकंप के तुरंत बाद राहत और बचाव एजेंसियां सक्रिय हो गई. रात करीब 2 बजे तक 51 फायर और रेस्क्यू वाहनों के साथ 315 से ज्यादा आपातकर्मी प्रभावित इलाके में पहुंच चुके थे. पुलिस, दमकल और मेडिकल टीमें लगातार मलबे में फंसे लोगों को निकालने में जुटी हैं. स्थानीय प्रशासन ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जल्द से जल्द नुकसान और हताहतों का सही आंकड़ा जुटाया जाए और प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया जाए. साथ ही आफ्टरशॉक्स पर भी नजर रखी जा रही है।

ईरान के खिलाफ फिर छिड़ेगी जंग? नेतन्याहू और ट्रंप के बीच संभावित सैन्य कार्रवाई को लेकर चर्चा

यरूशलम, एजेंसी। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच फोन पर ईरान को लेकर बातचीत हुई। इजरायल के सरकारी टीवी चैनल कान टीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों नेताओं ने ईरान के खिलाफ फिर से सैन्य कार्रवाई शुरू करने की संभावना पर चर्चा की। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट में एक वरिष्ठ इजरायली अधिकारी के हवाले से कहा गया कि अगर ईरान के खिलाफ युद्ध दोबारा शुरू होता है, तो अमेरिका और इजरायल मिलकर हमला कर सकते हैं। इसके बाद प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने अपने मंत्रिमंडल की बैठक बुलाई। इस बैठक में उन सभी

मोर्चों पर चर्चा हुई, जहां इजरायल इस समय संघर्ष कर रहा है। यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है, जब ट्रंप ने ईरान को लेकर सख्त चेतावनी दी है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा कि 'ईरान के लिए समय तेजी से निकल रहा है। उन्हें जल्द फैसला लेना होगा, नहीं तो उनके पास कुछ भी नहीं बचेगा। गौरतलब है कि 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर हमले किए थे, जिसके बाद करीब 40 दिनों तक संघर्ष चला। बाद में 8 अप्रैल को ईरान, अमेरिका और इजरायल के बीच युद्धविराम पर सहमति बनी थी। युद्धविराम के बाद 11 और 12 अप्रैल को पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में ईरान और अमेरिका के प्रतिनिधियों के बीच शांति वार्ता भी हुई थी। हालांकि, इन बातचीतों से कोई ठोस समझौता नहीं निकल सका। पिछले कुछ हफ्तों में पाकिस्तान की मध्यस्थता के जरिए दोनों पक्षों ने संघर्ष खत्म करने के लिए कई प्रस्तावों का आदान-प्रदान भी किया है। इस बीच ट्रंप ने फिर चेतावनी देते हुए कहा कि अगर तेहरान अमेरिका के साथ शांति समझौता नहीं करता, तो उसे 'बहुत बुरे हालात' का सामना करना पड़ेगा। फ्रांसीसी मीडिया से बातचीत में ट्रंप ने कहा, 'अगर ईरान समझौता नहीं करता, तो उसके लिए बहुत मुश्किल समय आने वाला है। उन्हें जल्द कोई डील कर लेनी चाहिए।' ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक एआई से बनाई गई तस्वीर भी साझा की, जिसमें वह अमेरिकी नौसेना के एक एडमिरल के साथ तूफानी समुद्र के सामने खड़े दिखाई दे रहे थे। तस्वीर पर लिखा था, 'तूफान से पहले का सन्नाटा।' इजरायली मीडिया के अनुसार, रविवार को ट्रंप और नेतन्याहू के बीच ईरान को लेकर बातचीत हुई थी। उसी दौरान नेतन्याहू अपने मंत्रिमंडल के साथ सुरक्षा बैठक भी कर रहे थे।

कनाडा में मिला पहला हंता वायरस संक्रमित मरीज, यात्री आइसोलेशन में; अलर्ट पर स्वास्थ्य एजेंसियां

ओटावा, एजेंसी। कनाडा में हंता वायरस संक्रमण का पहला मामला सामने आने के बाद स्वास्थ्य एजेंसियों में चिंता बढ़ गई है। पब्लिक हेल्थ एजेंसी ऑफ कनाडा (पीएचएसी) ने पुष्टि की है कि ब्रिटिश कोलंबिया में आइसोलेशन में रखे गए एक क्रूज यात्री की रिपोर्ट हंता वायरस पॉजिटिव आई है। स्वास्थ्य एजेंसी के अनुसार, संक्रमित व्यक्ति के सैंपल को विनिपेग स्थित नेशनल माइक्रोबायोलॉजी लैबोरेटरी भेजा गया था, जहां जांच के बाद शनिवार को संक्रमण की पुष्टि हुई। वहीं संक्रमित यात्री के साथ यात्रा कर रहे दूसरे व्यक्ति की रिपोर्ट निगेटिव आई है। पीएचएसी ने कहा कि फिलहाल कनाडा में कोई दूसरा मामला सामने नहीं आया है।

हालांकि संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आए हाई-रिस्क लोगों को आइसोलेशन में रखा गया है और स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारी लगातार निगरानी कर रहे हैं। एजेंसी ने यह भी स्पष्ट किया कि आम लोगों के लिए फिलहाल खतरा कम है। यह संक्रमण पोलर एक्सपीडिशन क्रूज शिप एमवी होंडियस पर फैला था। इस जहाज पर अब तक तीन लोगों की मौत हो चुकी है, जिसके बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता बढ़ गई है। विशेषज्ञों के मुताबिक हंता वायरस का इनक्यूबेशन पीरियड एक से आठ सप्ताह तक हो सकता है। ब्रिटिश कोलंबिया की प्रांतीय स्वास्थ्य अधिकारी बोनी हेनरी ने बताया कि संक्रमित यात्री में बुखार और सिरदर्द जैसे हल्के लक्षण

दिखाई दिए थे। दो दिन पहले तबीयत बिगड़ने पर उसे स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया था। फिलहाल मरीज को आइसोलेशन में रखकर इलाज किया जा रहा है।

नीदरलैंड पहुंचेगा संक्रमित क्रूज शिप : इस बीच नीदरलैंड सरकार ने जानकारी दी है कि हंता वायरस से प्रभावित एमवी होंडियस अगले सोमवार को रॉटरडैम पोर्ट पहुंचेगा। जहाज के अधिकांश क्रू मेंबर्स को छह सप्ताह तक क्वारंटीन में रखा जाएगा। डच सरकार की ओर से जारी बयान में कहा गया कि रॉटरडैम को शिपिंग से जुड़े संक्रामक रोगों से निपटने के लिए विशेष पोर्ट के रूप में चुना गया है। क्रूज शिप ऑपरेटर ओशनवाइड एक्सपीडिशन के मुताबिक फिलहाल जहाज पर 27 लोग मौजूद हैं। इनमें 25 क्रू सदस्य और दो मेडिकल स्टाफ शामिल हैं। जहाज पर मौजूद लोगों में फिलीपींस, नीदरलैंड, यूक्रेन, रूस और पोलैंड के नागरिक शामिल हैं। हंता वायरस एक दुर्लभ लेकिन गंभीर वायरल संक्रमण है, जो आमतौर पर संक्रमित चूहों और कृन्तकों के संपर्क में आने से फैलता है। इसके शुरुआती लक्षणों में बुखार, सिरदर्द, शरीर दर्द और सांस लेने में तकलीफ शामिल हो सकती है।

तेल-एलपीजी के बाद अब इंटरनेट पर संकट? होर्मुज में किस नए हथियार के इस्तेमाल की तैयारी में ईरान

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच हालिया युद्ध के बाद से भारत समेत दुनिया के कई देशों में ईंधन संकट पैदा हो गया है। सप्लाई चेन ठप होने की वजह से आयात पर निर्भर देशों में एलपीजी से लेकर पेट्रोल डीजल तक के लिए हाहाकार मचा हुआ है। युद्ध शुरू हुए 2 महीने से ज्यादा का समय बीत गया है लेकिन स और ईरान पीछे हटने को तैयार नहीं है जिसकी वजह से स्ट्रेट ऑफ होर्मुज अब भी बंद पड़ा है। इस बीच ईरान अब एक ऐसे हथियार का इस्तेमाल कर सकता है, जिससे कई देशों में इंटरनेट ठप पड़ सकता है। होर्मुज को ब्लॉक करने के बाद, ईरान ने हाल ही में समुद्र के नीचे बिछी इंटरनेट केबल्स को हथियार बनाने की धमकी दी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक ईरान स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के नीचे बिछी उन केबल्स को निशाना बना सकता है, जिनके जरिए खाड़ी देशों, एशिया और यूरोप के बीच डेटा ट्रांसफर होता है। वहीं ईरान दुनिया की सबसे बड़ी टेक कंपनियों से इन केबल्स पर 'टोल टैक्स' वसूलने की तैयारी में है। ईरानी रेवलूशनरी गार्ड्स से जुड़े मीडिया और सैन्य प्रवक्ता इब्राहिम जोलफघारी ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में इसकी धमकी दी। उन्होंने कहा, 'हम इंटरनेट केबल्स पर शुल्क लगाएंगे।

क्या है ईरान का प्लान : इस प्लान के मुताबिक ईरान गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, मेटा और अमेजन जैसी दिग्गज कंपनियों से इन केबल्स के इस्तेमाल के लिए भारी-भरकम फीस वसूलेगा। वहीं इन अंडरसी केबल्स की मरम्मत और रखरखाव का काम विशेष रूप से केवल ईरानी कंपनियों को ही दिया जाएगा। ईरान का कहना है कि अगर टेक कंपनियों ने ईरानी कानून को नहीं माना, तो इस रूट के इंटरनेट ट्रैफिक को ठप किया जा सकता है।

होर्मुज के नीचे इंटरनेट लाइफलाइन : जानकारी के मुताबिक इस समुद्री रास्ते के नीचे कई अहम केबल सिस्टम सक्रिय हैं।

एएई-1 (एशिया-अफ्रीका-यूरोप 1): यह नेटवर्क दक्षिण-पूर्व एशिया को मिस्र के रास्ते यूरोप से जोड़ता है।

फाल्कन नेटवर्क: यह भारत और श्रीलंका को खाड़ी देशों, सूडान और मिस्र से जोड़ता है।

गल्फ ब्रिज इंटरनेशनल: यह पूरे खाड़ी क्षेत्र को आपस में जोड़ता है।

क्यों इतने महत्वपूर्ण हैं ये सबसी केबल्स : संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी 'इंटरनेशनल टेलीकम्युनिकेशन यूनियन' के अनुसार, दुनिया का 99 फीसदी इंटरनेशनल इंटरनेट ट्रैफिक इन्हीं सबसी फाइबर-ऑप्टिक केबल्स के जरिए चलता है। ये केबल्स यूएई, कतर, बहरीन, कुवैत और सऊदी अरब जैसे देशों की डिजिटल लाइफलाइन हैं, जिन्होंने हाल के सालों में द्व और क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर में अरबों डॉलर का निवेश किया है। जियो पोलिटिकल विश्लेषक माशा कोटकिन के मुताबिक, अगर इन केबल्स को नुकसान पहुंचता है, तो इंटरनेट की स्पीड कम हो सकती है, ऑनलाइन बैंकिंग ठप हो जाएगी और वैश्विक स्तर पर अरबों डॉलर का आर्थिक नुकसान हो सकता है। विशेषज्ञों का साफ कहना है कि केबल्स का फिलहाल कोई व्यावहारिक विकल्प नहीं है। टेलीकॉम रिसर्च फर्म 'टेलीग्राफी' के अनुसार, सैटेलाइट्स कभी भी सबसी केबल्स जितना भारी डेटा लोड नहीं संभाल सकते। एलन मस्क के 'स्टारलिंक' जैसे नेटवर्क एक सीमित समाधान तो हो सकते हैं, लेकिन करोड़ों यूजर्स का ट्रैफिक संभालना इनके बस की बात नहीं है। 28 फरवरी को ईरान पर अमेरिकी और इजरायली हमलों के बाद पश्चिम एशिया में भीषण जंग छिड़ गई थी। दोनों देशों के बीच 8 अप्रैल को सीजफायर जरूर हुआ लेकिन स्थिति अब भी नहीं संभली है।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)